मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से प्रकाशित: भोपाल • ग्वालियर • कटनी • बिलासपुर • जबलपुर • छिंदवाड़ा • बालाघाट

www.emsindia.com

निष्पक्ष एवं विश्वसनीय खबरों का लोकप्रिय समाचार पत्र

एक्सप्रेस न्यूज

भोपाल
मंगलवार 22 अप्रैल 2025
■ वर्ष: 30 ■ अंक: 115
■ पेज: 8 ■ मूल्य: 1.50/- रुपए

मंदिर की दीवार पर खालिस्तानी नारे लिखे

ओटाया, ईएमएस। कनाडा के सरे शहर स्थित प्रतिष्ठित लक्ष्मी नारायण मंदिर की दीवारों पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखे गए हैं। यह घटना ऐसे समय पर हुई जब सरे में वार्षिक नगर कीर्तन का आयोजन होना था। मंदिर की बाहरी दीवारों पर स्प्रे पेंट से खालिस्तान जिंदाबाद और फ्री पंजाब के अलावा अन्य भड़काऊ नारे लिखे पाए गए। घटना के तुरंत बाद मंदिर प्रशासन ने पुलिस को सूचित किया और एफआईआर दर्ज कराई।

चुपके-चुपके

...तो पति को पाने दिल्ली में गुहार लगाएंगी मैडम

आमजन को चरित्र निर्माण की सीख देने वाले एक आईपीएस अधिकारी अपनी प्रेमिका के इश्क में इस कदर फंस गए हैं कि अपनी पत्नी से किनारा कर बैठे हैं। खबरची का कहना है कि साहब की पत्नी भी आईपीएस हैं और वे अपने पति को पाने के लिए दर-दर गुहार लगाती फिर रही हैं। सूत्रों का कहना है कि जिस महिला के प्यार में साहब ने अपना वैवाहिक जीवन खतरे में डाल दिया है, उक्त महिला साहब के साथ तब से है जब साहब राजधानी में पदस्थ थे। जब साहब यहां से नक्सल प्रभावित जिले में कप्तान बन कर गए तो उक्त महिला को भी अपने साथ ले गए। उधर, वरिष्ठों से गुहार लगाकर परेशान हो चुकी प ी अब पति को पाने के लिए दिल्ली में गुहार लगाने की तैयारी कर रही हैं।

-खबरची

फटाफट खबरें

सोना पहली बार 96 हजार के पार

नई दिल्ली, ईएमएस। सोने के दाम ने सोमवार को नया ऑल टाइम हाई बनाया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,677 बढ़कर 96,587 पर बंद हुआ। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 94,910 थी। एक किलो चांदी की कीमत 1,049 बढ़कर 96,200 प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 95,151 प्रति किलो था। 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था। अमेरिका की टैरिफ पॉलिसी के कारण ट्रेड वॉर का खतरा बढ़ गया है। इससे इकोनॉमी के बढ़ने की रफ्तार धीमी हो सकती है।

आईईडी ब्लास्ट... एक जवान शहीद

बीजापुर, ईएमएस। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आने से एक जवान मनोज पुजारी शहीद हो गया। बताया जा रहा है कि जवान रविवार सुबह तोयनार-फरसेगढ़ मार्ग पर सड़क निर्माण की सुरक्षा में तैनात थे, तभी बम पर पैर पड़ने से धमाका हुआ है। मामला तोयनार थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक मनोज पुजारी (26) छत्तीसगढ़ आर्म्ड फोर्स के 19वीं बटालियन पर थे। घटना तोयनार से करीब 4 किलोमीटर दूर मोरमेड के जंगल में हुई।

इसरो को दूसरी बार डॉकिंग में कामयाबी

नई दिल्ली, ईएमएस। इसरो ने दूसरी बार अंतरिक्ष में दो सैटेलाइट्स की सक्सेसफुली डॉकिंग की है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोमवार को एक्स पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अब दोबारा डॉकिंग की सफलता के बाद, आने वाले दो हफ्तों में और भी वैज्ञानिक प्रयोग किए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा- यह मिशन भारत की स्पेस टेक्नोलॉजी में स्वदेशी क्षमताओं का एक अहम उदाहरण बनकर उभरा है।

पूजा खेडकर को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली, ईएमएस। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पूर्व आईएएस प्रोबेशनर पूजा खेडकर को एक बार फिर राहत देते हुए 2 मई को दिल्ली पुलिस के सामने पेश होने का आदेश दिया है। जस्टिस बी वी नागरत्ना और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि 21 मई तक उनके खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं की जाएगी। बता दें कि खेडकर पर आरोप है कि उन्होंने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2022 में धोखाधड़ी की और ओबीसी और दिव्यांग कोटे का गलत फायदा उठाया।

राहुल के अमेरिका दौरे पर बवाल

राहुल गांधी ने ब्राउन यूनिवर्सिटी में उठाया महाराष्ट्र चुनाव का मुद्दा, कहा- चुनाव आयोग ने समझौता कर लिया है

वाशिंगटन, ईएमएस। भारतीय संसद में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अमेरिका के बोस्टन पहुंच हुए हैं। यहां पर ब्राउन यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स के साथ उनका एक सेशन था। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने महाराष्ट्र चुनाव का मुद्दा उठाया और कहा कि देश की चुनाव प्रणाली में गंभीर समस्या है।

राहुल ने कहा कि चुनाव आयोग से हमने वीडियो मांगे, क्योंकि आयोग वीडियोग्राफी कराता है। हमारे मांगने के बाद उन्होंने सिर्फ हमारी अपील खारिज ही नहीं की बल्कि नियमों को ही बदल दिया। ऐसे में साफ पता चलता है कि चुनाव आयोग में सबकुछ ठीक है। कामकाज में समझौता किया जा रहा है। हमने सार्वजनिक मंचों से कई बार महाराष्ट्र चुनाव को लेकर सवाल उठाए हैं। धांधली उजागर की है, लेकिन किसी को कोई परवाह नहीं है। उन्होंने कहा कि सरल शब्दों में कहें तो विधानसभा चुनाव में महाराष्ट्र में युवाओं की तादाद से ज़्यादा मतदान हुआ है। यह एक तथ्य है। चुनाव आयोग ने हमें शाम 5:30 बजे तक के मतदान के आंकड़े दिए और शाम 5:30 से 7:30 बजे के बीच, जब मतदान बंद हो जाना चाहिए था, 65 लाख मतदाताओं ने मतदान किया।

भारतीय एयरलाइंस के खिलाफ आयकर विभाग की कार्रवाई

इंडिगो सहित तीन विमान कंपनियों को 1500 करोड़ का नोटिस, शेल कंपनियों से टैक्स बचाने का आरोप

नई दिल्ली, ईएमएस। इनकम टैक्स विभाग ने इंडिगो समेत तीन डोमेस्टिक एयरलाइन कंपनियों और उनसे जुड़े 15 इंटरनेशनल (लीज पर विमान देने वाली कंपनियों) को 1,500 करोड़ रुपए का टैक्स नोटिस भेजा है।

आयकर विभाग ने इन पर आयरलैंड में बनी कागजी कंपनियों (शेल कंपनियों) के जरिए टैक्स बचाने का आरोप लगाया है। ये नोटिस अक्टूबर 2024 और मार्च 2025 में भेजे गए थे। टैक्स में हेरफेर का यह मामला 2021-22 और 2022-23 के वित्तीय वर्षों से जुड़ा है। दरअसल, टैक्स अधिकारियों का कहना है कि एयरलाइंस ने विमानों को किराए पर लेने के लिए आयरलैंड में स्पेशल पर्पज व्हीकल नाम की शेल कंपनियां बनवाईं, जिनका असल में कोई कारोबार, ऑफिस या कर्मचारी नहीं है। इनका मकसद सिर्फ आयरलैंड-भारत के बीच टैक्स संधि का फायदा उठाकर भारत में टैक्स चुकाने से बचना था। हालांकि कंपनियों ने इसे गलत बताते हुए कोर्ट में चुनौती देने की बात कही है। वहीं, आयरलैंड सरकार ने भी अपने लेसर्स का बचाव करते हुए कहा है कि उनकी कंपनियों को शेल बताने के आरोप गलत हैं। वे असली कंपनियां हैं।

दिल्ली कोर्ट में मुजरिम और वकील ने जज को धमकाया

बाहर मिल, देखते हैं घर कैसे जिंदा जाती हो

नई दिल्ली, ईएमएस। दिल्ली की एक अदालत में जज को मुजरिम और उसके वकील ने धमकाया। जज ने चेक बाउंस केस में आरोपी को मुजरिम करार दिया था। इसके बाद मुजरिम और उसके वकील ने जज को जान से मारने की धमकी दी।

केस की सुनवाई ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट शिवांगी मंगला की कोर्ट में हो रही थी। कोर्ट ने आरोपी को चेक बाउंस का दोषी करार दिया और अगली सुनवाई तक बेल बॉन्ड भरने का आदेश दिया था। इस फैसले के बाद मुजरिम और उसके वकील ने जज से कहा- तू है क्या चीज, बाहर मिल। देखते हैं घर जिंदा कैसे पहुंचती है। घटना 2 अप्रैल की है। लॉ वेबसाइट बार एंड बेंच के मुताबिक, फैसला सुनाए जाने के बाद मुजरिम ने जज पर कोई चीज भी फेंकी। मुजरिम ने अपने वकील से कहा कि इस फैसले को अपने पक्ष में लाने के लिए जो करना है करो। वकील ने भी जज को मानसिक और शारीरिक तौर पर प्रताड़ित किया। दोनों महिला जज को अपने पद से इस्तीफा देने के लिए दबाव बना रहा था। इसके बाद दोनों फिर बदतमीजी करने लगे और कहने लगे कि आरोपी को बरी किया जाए। जज शिवांगी मंगला ने अपने फैसले में कहा कि दोनों के खिलाफ एक्शन लिया जाएगा।

मुर्शिदाबाद हिंसा पर बंगाल में राष्ट्रपति शासन की मांग पर सुप्रीम कोर्ट का तंज, आप चाहते हैं राष्ट्रपति को निर्देश दें, हम पर कार्यपालिका में दखल के लग रहे आरोप...

सरकार और सुप्रीम कोर्ट में ठनी

निशिकांत दुबे के खिलाफ अवमानना कार्यवाही पर सुप्रीम कोर्ट की दो टूक... केस फाइल कीजिए, अनुमति की जरूरत नहीं...

नई दिल्ली, ईएमएस

सरकार और सुप्रीम कोर्ट के बीच बढ़ रही तल्खी सोमवार को विभिन्न याचिकाओं की सुनवाई में दिखी। जहां सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने और पैरामिलिट्री फोर्स तैनात करने की याचिका पर कोई आदेश जारी करने से इनकार कर दिया। याचिकाकर्ता ने अपील की थी कि वक्फ कानून के विरोध में हुई मुर्शिदाबाद हिंसा के बाद कोर्ट इस पर फैसला ले। इस पर जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने कोई आदेश नहीं दिया। बेंच ने याचिकाकर्ता से पूछा कि क्या आप चाहते हैं कि हम राष्ट्रपति को इसे लागू करने का आदेश भेजें? हम पर दूसरों के अधिकार क्षेत्र में दखलंदाजी के आरोप लग रहे हैं। जस्टिस गवई अगले महीने सीजेआई बनने वाले हैं। वहीं निशिकांत दुबे के खिलाफ अवमानना कार्यवाही पर सुप्रीम कोर्ट की दो टूक शब्दों में कहा कि केस फाइल कीजिए, अनुमति की जरूरत नहीं है।

गौरतलब है कि वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ पश्चिम बंगाल में हिंसा हुई है, जिसके चलते बड़ी संख्या में लोग विस्थापित हुए हैं। वकील विष्णु शंकर जैन ने जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ के समक्ष याचिका पेश की, जिसके बाद याचिका को मंगलवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया गया।

हिंसा की जांच कराने की मांग

याचिका में ये भी मांग की गई है कि बंगाल में पैरामिलिट्री फोर्स की तैनाती की जाए और साथ ही रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में एक तीन सदस्यीय समिति बनाकर हिंसा की जांच की जाए। याचिका पर पीठ ने तंज कसते हुए कहा कि आप चाहते हैं कि हम राष्ट्रपति शासन लागू करने के लिए राष्ट्रपति को आदेश जारी करें? वैसे ही, हम पर कार्यपालिका (क्षेत्र) में अतिक्रमण करने का आरोप लग रहा है। गौरतलब है कि हाल ही भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने सुप्रीम कोर्ट पर कार्यपालिका के काम में दखल देने का आरोप लगाया है। जिस पर खासा विवाद हो रहा है। साथ ही उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भी सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले पर सवाल उठाए थे और सुप्रीम कोर्ट पर सुपर संसद के रूप में काम करने का आरोप लगाया था।

अवमानना के लिए हमारी अनुमति की जरूरत नहीं

वहीं भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ अवमानना कार्यवाही की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान वकील ने कहा, इस कोर्ट के बारे में और सीजेआई के खिलाफ बयान दिए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष निशिकांत दुबे के बयानों का भी उल्लेख किया गया। इस पर जस्टिस बीआर गवई ने पूछा कि आप क्या चाहते हैं? इस पर वकील ने कहा, मैं अवमानना का केस दर्ज करवाना चाहता हूं। जस्टिस गवई ने दो टूक जवाब दिया और कहा, तो आप इसे दाखिल कीजिए। आपको हमारी अनुमति की जरूरत नहीं है। आपको अटॉर्नी जनरल से मंजूरी लेनी होगी। इससे पहले अधिवक्ता नरेंद्र मिश्रा की तरफ से सीजेआई और सुप्रीम कोर्ट के जजों को पत्र लिखा गया था। इस याचिका में निशिकांत के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की गई थी। पत्र में कहा गया था कि दुबे द्वारा देश के सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ दिए गए सार्वजनिक बयान अपमानजनक और भड़काऊ हैं। ये बयान झूठे, लापरवाह और दुर्भावनापूर्ण हैं, और ये आपराधिक अवमानना के बराबर हैं। ये बयान न्यायपालिका को डराने, सार्वजनिक अव्यवस्था को भड़काने और संविधान की रक्षा करने वाली संस्था को बदनाम करने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास है। पत्र में सीजेआई से बयानों का स्वतः संज्ञान लेने और आपराधिक अवमानना कार्यवाही शुरू करने का आग्रह किया गया था।

कॉलेजियम ने की सात जजों के तबादले की सिफारिश

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने विभिन्न उच्च न्यायालयों के सात जजों के तबादले की सिफारिश की है। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता में कॉलेजियम की बैठक 15 और 19 अप्रैल को हुई। इन बैठकों में ही यह फैसला किया गया। कॉलेजियम ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के जज जस्टिस हेमंत चंदनगौदर को मद्रास उच्च न्यायालय, जस्टिस कृष्णन नटराजन को केरल हाईकोर्ट, जस्टिस नरनाहल्ली श्रीनिवासन संजय गौड़ा को गुजरात हाईकोर्ट और जस्टिस दीक्षित कृष्ण श्रीपदा को ओडिशा हाईकोर्ट भेजने की सिफारिश की गई है।

दिल्ली में बच्चों की तस्करी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा...

स्थिति बद से बदतर होती जा रही है

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली के द्वारका इलाके में नवजात शिशुओं की तस्करी के मामले में सख्त रुख अपनाया। अदालत ने कहा कि राजधानी में हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। साथ ही कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को गिरोह की सरगना पूजा और तीन लापता बच्चों को ढूंढने के लिए हर जरूरी कदम उठाने का आदेश दिया। बता दें कि मामले में सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और आर महादेवन की पीठ ने मामले की जांच कर रहे पुलिस अधिकारी से सीधे बातचीत की।

17वें सिविल सेवा दिवस कार्यक्रम में पीएम मोदी बोले...

हमारे आज के निर्णय तय करेंगे एक हजार साल का भविष्य

नई दिल्ली, ईएमएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17वें सिविल सेवा दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार के लिए जिलों का समग्र विकास और लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार से चुनिंदा नवाचार पर ई-कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया।

उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि इस बार का सिविल सेवा दिवस कई वजहों से बहुत विशेष है। इस साल हम अपने संविधान का 75वां वर्ष मना रहे हैं और ये सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के भी साल है। 21 अप्रैल, 1947 को सरदार वल्लभभाई पटेल ने आप सभी को स्टील फ्रेम ऑफ इंडिया कहा था। उन्होंने स्वतंत्र भारत की ब्यूरोक्रेसी की नई मर्यादाएं तय की थी। एक ऐसा सिविल सर्वेंट जो राष्ट्र की सेवा को अपना सर्वोत्तम कर्तव्य माने, जो लोकतांत्रिक तरीके से प्रशासन चलाए, जो ईमानदारी, अनुशासन और समर्पण से भरा हुआ हो। पीएम मोदी ने कहा कि कुछ समय पहले मैंने लाल किले से कहा था कि आज के भारत को आने वाले 1 हजार साल की नींव को मजबूत करना है। एक हिसाब से देखें तो 1 हजार साल की सहस्त्राब्दी में पहले 25 साल बीत गए हैं।

हर गांव को डिजिटल अर्थव्यवस्था का लाभ

पीएम मोदी ने कहा कि 2014 के बाद से देश में व्यवस्था परिवर्तन का एक बहुत बड़ा महायज्ञ शुरू हुआ है। हम इस तेज रफ्तार के साथ खुद को तेजी से ढाल रहे हैं। आज भारत की आकांक्षी समाज... भारत के युवा... भारत के किसान... भारत की महिलाएं... उनके सपनों की उड़ान आज जिस ऊंचाई पर है... वो अभूतपूर्व है। इन अभूतपूर्व आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए अभूतपूर्व गति आवश्यक है। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है की इस बार सिविल सेवा दिवस की थीम भारत का समग्र विकास रखी गई है। भारत का समग्र विकास यानी कोई गांव पीछे न छूटे। कोई परिवार पीछे न छूटे। कोई नागरिक पीछे न छूटे। असल प्रगति का मतलब छोटे बदलाव नहीं होता... बल्कि पूर्ण पैमाने पर प्रभाव होता है।

जस्टिस वर्मा बेंच की मुकदमों की सुनवाई दोबारा होगी

50 से अधिक मामले पेंडिंग...

नई दिल्ली, ईएमएस। दिल्ली हाई कोर्ट में जस्टिस यशवंत वर्मा की अध्यक्षता वाली बैंच द्वारा सुने जा रहे 50 से अधिक मामलों की सुनवाई नए सिरे से होगी। हाई कोर्ट ने इसकी जानकारी एक नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। नोटिस में 52 मामलों की लिस्ट दी गई है, जिनमें सिविल रिट याचिकाएं भी शामिल हैं। ये मामले 2013 से 2025 तक के हैं। इनमें प्रॉपर्टी टैक्स से संबंधित एनडीएमसी अधिनियम के प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली 22 याचिकाएं शामिल हैं।

जस्टिस वर्मा से 23 मार्च को न्यायिक कार्यभार वापस ले लिया गए थे। इसके बाद से एडवोकेट इन मामलो को दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस डी. के. उपाध्याय के समक्ष पेश कर रहे थे। साथ ही आगे की कार्यवाही के लिए निर्देश मांग रहे थे। जस्टिस डी. के उपाध्याय ने वकीलों को सुझाव दिया था कि एक आवेदन उनके निजी सचिव या अदालत के रजिस्ट्रार जनरल को दें, साथ ही आश्वासन दिया था कि उनकी शिकायत पर विचार किया जाएगा।

लखनऊ हाईकोर्ट ने कहा- राहुल ब्रिटिश हैं या नहीं, रिपोर्ट दीजिए

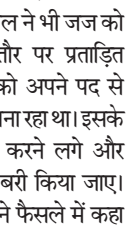

नागरिकता मामले में केंद्र से 10 दिन में जवाब मांगा

लखनऊ, ईएमएस। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भारतीय नागरिकता को चुनौती देने वाली याचिका पर सोमवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि राहुल गांधी ब्रिटिश नागरिक हैं या नहीं, इस पर 10 दिन में जवाब दें।

अब पूरे मामले को समझिए

इससे पहले लखनऊ हाईकोर्ट में 24 मार्च को सुनवाई थी। जस्टिस एआर मसूदी और जस्टिस अजय कुमार श्रीवास्तव की खंडपीठ ने राज्य सरकार को चार सप्ताह में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था। सरकार ने 8 सप्ताह का समय मांगा था। इस पर 21 अप्रैल सुनवाई की तारीख तय हुई थी।

भाजपा कार्यकर्ता विग्नेश शिशिर की याचिका पर सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने एक स्टेटस रिपोर्ट पेश की। कोर्ट ने इसे अपर्याप्त माना और सरकार को और स्पष्ट जवाब देने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि यह मामला राष्ट्रीय महत्व का है और इसमें देरी स्वीकार्य नहीं होगी। केंद्र सरकार ने इसका जवाब देने के लिए अतिरिक्त समय मांगा। अगली सुनवाई 5 मई को होगी।

अब कश्मीर में आतंकियों पर प्रहार करेगी कोबरा यूनिट

सीआरपीएफ की स्पेशल यूनिट ने नक्सलियों के मांद में चलाए ऑपरेशन

नई दिल्ली, ईएमएस। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की स्पेशल कोबरा यूनिट को जम्मू-कश्मीर में आर्तकियों के सफाए के लिए तैनात किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि सीआरपीएफ की स्पेशल यूनिट कमांडो बटालियन फॉर रिजॉल्यूट एक्शन (कोबरा) 500 कमांडोज को जल्द ही जम्मू-कश्मीर में तैनात किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर में चल रहे आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन ऑलआउट को और ज्यादा मजबूत बनाने के लिए कोबरा कमांडो की स्पेशल यूनिट की तैनाती जल्द की जाएगी।

जम्मू के जंगल क्षेत्र में होगी तैनाती

सूत्रों का कहना है कि कश्मीर के मुकाबले जम्मू में इस यूनिट के जवानों की तैनाती होगी ज्यादा, क्योंकि हाल ही के दिनों में आर्तकियों ने कश्मीर की बजाय जम्मू को टारगेट किया गया है। ऐसे में जम्मू के डोडा, किश्तवाड, राजौरी, पुंछ जैसे पहाड़ी और जंगल क्षेत्र में डेप्लॉय किया जाएगा।

राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग

जम्मू, ईएमएस। कांग्रेस की जम्मू और कश्मीर इकाई 22 अप्रैल को संविधान बचाओ अभियान शुरू करेगी। कांग्रेस राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग भी कर रही है। यह अभियान डेढ़ महीने तक चलेगा। कांग्रेस जम्मू और कश्मीर के प्रत्येक जिले और विधानसभा में राज्य के दर्जे के आंदोलन को तेज करेगी। पार्टी ने कहा कि यह भाजपा सरकार की भ्रामक रणनीति को उजागर करेगा।

नहीं रहे पोप फ्रांसिस

वेटिकन सिटी में 88 साल की उम्र में निधन, लंबे समय से बीमार थे

नई दिल्ली, ईएमएस। ईसाइयों के सबसे बड़े धर्मगुरु पोप फ्रांसिस का निधन हो गया है। 88 साल की उम्र में उनका निधन हुआ। वह लंबे समय से बीमार थे। वेटिकन ने सोमवार को बयान जारी कर कहा कि वह रोमन कैथोलिक चर्च के पहले लैटिन अमेरिकी धर्मगुरु थे। उनके दोनों फेफड़ों में न्यूमोनिया था, जिसकी वजह से उनकी हालत गंभीर बनी हुई थी। वह लंबे समय तक अस्पताल में थे वह 38 दिनों तक अस्पताल में रहे थे और हाल में ही अस्पताल से डिस्चार्ज हुए थे। उनका अपने आवास कासा सेंटा मार्टा पर निधन हुआ। पोप फ्रांसिस ने रविवार को ईस्टर के मौके पर सरप्राइज पब्लिक एपीयरेंस दी थी। उन्होंने सेंट पीटर स्क्वायर से 35000 लोगों की भीड़ का हाथ मिलाकर अभिवादन स्वीकार किया था। वेटिकन के कार्डिनल केविन फेरेल ने बताया कि पोप फ्रांसिस का पूरा जीवन ईश्वर की सेवा में समर्पित रहा।

खाई में गिरी टेम्पो-ट्रैक्स, 6 की मौत

रायसेन, ईएमएस। रायसेन में भोपाल-जबलपुर रोड पर सड़क हादसे में 6 की मौत हो गई। घटना बम्होरी ढाबे के पास बंदर वाली पुलिया के पास सोमवार सुबह की है। टेम्पो ट्रैक्स पहले पुलिया से टकराई, इसके बाद 10 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में दूल्हा-दुल्हन समेत 3 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। गाड़ी में कुल 9 लोग सवार थे। एसपी पंकज कुमार पांडेय के मुताबिक हादसे में दो महिलाओं, एक बच्ची और तीन पुरुषों की मौके पर ही मौत हो गई।

झारखंड में 8 नक्सलियों का एनकाउंटर

बोकारो में एक करोड़ का इनामी भी ढेर, कई हथियार बरामद

बोकारो, ईएमएस। झारखंड के बोकारो में सोमवार सुबह सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में आठ नक्सली मारे गए हैं। एनकाउंटर जिले के लुगू और झुमरा पहाड़ के बीच जंगली इलाके में हुई।

झारखंड डीजीपी अनुराग गुप्ता के मुताबिक, मुठभेड़ में एक करोड़ रुपए का इनामी नक्सली प्रयाग मांझी उर्फ विवेक भी मारा गया। अब तक कुल 8 नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। बाकी नक्सलियों की पहचान में जुटे हुए हैं। अभी और नक्सलियों के छिपे होने की जानकारी है। सर्च ऑपरेशन जारी है। घटनास्थल से एक एके सीरीज की राइफल, 1 एसएलआर, 3 इंसास राइफल कई हथियार भी बरामद किए गए हैं। गुप्त सूचना के आधार पर सीआरपीएफ और जिला पुलिस के जवान सर्च ऑपरेशन चला रहे थे। इसी दौरान नक्सलियों की नजर जवानों पर पड़ी और उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में जवानों ने भी फायरिंग की। वहीं, डीजीपी ने कहा- दस्ते में 16-17 नक्सली शामिल थे। मृतकों में प्रयाग मांझी उर्फ विवेक, अरविंद यादव उर्फ अविनाश, साहेबराम मांझी की पहचान कर ली गई है।

ओबीसी वर्ग को 27 % आरक्षण मामले में सीएम डॉ. यादव बोले... ओबीसी आरक्षण पर सरकार का रुख स्पष्ट है

हम 27 प्रतिशत आरक्षण के पक्ष में डटे हैं...

भोपाल, ईएमएस

मप्र में ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के खिलाफ लगाई गई 52 ट्रांसफर पिटीशंस पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने सभी ट्रांसफर पिटीशन को स्वीकार करते हुए कहा कि अब आगे इन मामलों को सुना जाएगा।

सुनवाई के दौरान एमपी के महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने कोर्ट से कहा कि कि ये 50 फीसदी आबादी से जुड़ा मामला है। उन्होंने कोर्ट से इस मामले की जल्द सुनवाई करने की मांग की। वहीं, सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इस मामले में याचिकाकर्ताओं को बुलाकर संवाद करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ओबीसी आरक्षण को लेकर सरकार की स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि उनकी सरकार 27 प्रतिशत आरक्षण देने के स्टैंड पर पूरी तरह कायम है। उन्होंने कहा कि सॉलिसिटर जनरल से भी इस विषय में चर्चा की गई है और उन्हें सरकार का स्पष्ट पक्ष रखा गया है। डॉ. यादव ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार में ओबीसी आयोग द्वारा प्रस्तुत की गई रिपोर्ट का परीक्षण किया जा रहा है। इसके साथ ही ओबीसी आरक्षण से जुड़ी सभी लंबित याचिकाओं को लेकर भी गंभीर संवाद की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास की भावना के साथ काम हो रहा है और प्रदेश सरकार भी सर्वहारा वर्ग के सर्वांगीण विकास को लेकर प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि सरकार न्यायपूर्ण और समावेशी नीतियों के माध्यम से सभी वर्गों को समान अवसर देने के संकल्प पर अडिग है।

जल्द ही इसके सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे

भोपाल के प्रशासन अकादमी में आयोजित सिविल सेवा दिवस समारोह में शामिल होने के बाद सीएम मोहन यादव ने इस मामले को लेकर कहा कि ओबीसी आरक्षण को लेकर हमारी सरकार पूरी तरह स्पष्ट है। हम हर हाल में 27 प्रतिशत आरक्षण के पक्ष में कायम हैं। हमने अटॉर्नी जनरल को यह भी कहा है कि शिवराज सरकार के समय आई ओबीसी आयोग की रिपोर्ट का परीक्षण किया जाए। सीएम डॉ. यादव ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना के साथ हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं कि सभी वर्गों का हित साधा जा सके। मुझे विश्वास है कि जल्द ही इस मुद्दे पर सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे।

जश्न के दौरान चली गोलियां, 80 पर मामला दर्ज

नोएडा, ईएमएस। नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र में स्थित एक 'फार्म हाउस' में रविवार रात आयोजित एक पार्टी के दौरान मारपीट और गोलीबारी करने के आरोप में कम से कम 80 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

कनाडा में ट्रूडो की पार्टी को मिल सकती है जीत

ओटावा, ईएमएस। अमेरिकी राष्ट्रपति के तुगलकी फरमानों ने पूरी दुनिया में हलचल मचा दी है। यहां तक की चुनाव में भी इसका असर दिखाई देने लगा है। कनाडा में 28 मई को होने वाले आम चुनाव से पहले एक नया राजनीतिक समीकरण बनता दिखाई दे रहा है। ताजा सर्वेक्षणों के मुताबिक, जस्टिन ट्रूडो की लिबरल पार्टी को कंजरवेटिव पार्टी पर बढ़त मिलती दिख रही है।

फटाफट खबरें

कोबरा कमांडो ने 08 नक्सली कर दिए ढेर

बोकारो, ईएमएस। झारखंड के बोकारो में कोबरा कमांडो और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई। कई घंटों से चल रही इस मुठभेड़ में 08 नक्सली ढेर हो गए। उनके पास से सुरक्षा बलों ने अत्याधुनिक हथियार भी बरामद किए हैं। खबर लिखे जाने तक रुक-रुक कर गोलीबारी जारी थी। अधिकारियों ने बताया कि झारखंड के बोकारो जिले में आज सुबह सीआरपीएफ के कोबरा कमांडो और झारखंड पुलिस के जॉइंट ऑपरेशन के दौरान नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में छह नक्सली मारे गए। यह मुठभेड़ जिले में लालपनिया इलाके के लुगु हिल्स में सुबह करीब साढ़े पांच बजे शुरू हुई।

पेड़ से भिड़ी कार 8 की मौत, 2 गंभीर

कुशीनगर, ईएमएस। जिले के नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र में रविवार रात एक तेज रफ्तार कार के पेड़ से टकराने से बड़ा हादसा हो गया। भुजौली चौराहे पर हुए इस हादसे में कार में सवार 8 लोगों में से 6 की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हादसा इतना ज्यादा भीषण था कि कार को कटर से काटकर शव निकालना पड़े। जानकारी के मुताबिक, हादसा तब हुआ जब सभी लोग एक शादी समारोह से वापस लौट रहे थे। कार की रफ्तार बहुत तेज थी, जिसके कारण वह अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े पेड़ से टकरा गई।

पाक में हिंदू मंत्री पर हमला, जांच के आदेश

कराची, ईएमएस। पाकिस्तान में एक हिंदू मंत्री पर हमला हुआ। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार में मंत्री खेल दास कोहिस्तानी पर भीड़ ने हमला किया। वे काफिले के साथ गुजर रहे थे। यहां प्रदर्शनकारी सरकार की सिंचाई परियोजना को लेकर विरोध कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों में कोहिस्तानी के काफिले पर आलू और टमाटर फेंके. हालांकि वे पूरी तरह से सुरक्षित हैं। रिपोर्ट के मुताबिक मंत्री कोहिस्तानी थट्टा जिले से गुजर रहे थे। तभी उनके काफिले पर भीड़ ने हमला किया। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हमले की निंदा की है। उन्होंने इस लेकर जांच का भी भरोसा दिया है।

6 साल के विभोर से मिले भागवत

लखनऊ, ईएमएस। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का यह शताब्दी वर्ष है। संघ प्रमुख मोहन भागवत पिछले कई दिनों यूपी के अलीगढ़ प्रवास पर थे, लेकिन इस दौरान उन्होंने कुछ ऐसा किया जिसने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। शनिवार सुबह मोहन भागवत अचानक अलीगढ़ के एक मोहल्ले में पहुंचे, एक घर की डोर बेल बजाई और पूछा कि क्या यह बाल स्वयंसेवक का घर है? घरवालों ने घर के दरवाजे पर संघ प्रमुख मोहन भागवत को देखा तो आश्चर्य चकित रह गए। दरअसल, यह बाल स्वयंसेवक विभोर शर्मा का घर था, जिसके पिता विभाकर शर्मा स्वयं संघ के स्वयंसेवक हैं और नियमित रूप से शाखा में जाते हैं।

भारत पहुंचे अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का पालम एयरपोर्ट में हुआ स्वागत

अक्षरधाम मंदिर के परिवार समेत किए दर्शन

भारतीय परिधान में नजर आए बच्चे

● नई दिल्ली, ईएमएस

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस अपनी पत्नी उषा वेंस और तीन बच्चों के साथ सोमवार सुबह अपनी पहली आधिकारिक भारत यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे। वेंस को पालम एयरपोर्ट पर सुबह करीब 9:30 बजे एयरफोर्स-2 विमान से उतरते ही गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। यहां वेंस और उनके परिवार ने अक्षरधाम मंदिर पहुंच दर्शन किए।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस की भारत यात्रा का दृश्य तब और भी भावुक हो गया, जब वे विमान की सीढ़ियों पर चढ़कर खुद अपनी छोटी बेटी मिराबेल को गोद में उठाकर नीचे लाए। बेटी ने खूबसूरत भारतीय परिधान लहंगा पहना हुआ था, जबकि उनके दोनों बेटे इवान और विवेक कुर्ता-पायजामा पहने नजर आए। बच्चों की पारंपरिक भारतीय पोशाक और मासूम मुस्कान ने उपस्थित जनसमूह और मीडिया का ध्यान आकर्षित किया। इस दौरान कलाकारों ने पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत कर वेंस और उनके परिवार का मन मोहा। वाइट हाउस प्रेस पूल के अनुसार, उपराष्ट्रपति वेंस भारत रवाना होने से पहले अपने परिवार के साथ इटली की यात्रा पर थे। दिल्ली आने से पहले रविवार रात उन्होंने एयरफोर्स टू में सफर शुरू किया। दिल्ली में वेंस के आगमन को देखते हुए चाणक्यपुरी और अक्षरधाम क्षेत्रों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी। प्रमुख मार्गों पर स्वागत के लिए होर्डिंग्स लगाए गए।

परिवार के साथ अक्षरधाम पहुंचे

अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस ने परिवार के साथ अक्षरधाम मंदिर देखा और वो यहां पर करीब एक घंटे तक रहे। गौरतलब है कि उपराष्ट्रपति बनने के बाद वेंस का यह पहला आधिकारिक भारत दौरा है। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस सोमवार सुबह अपनी पत्नी उषा, बच्चे इवान, विवेक और मीराबेल के साथ दिल्ली पहुंचे हैं। इसके साथ ही वेंस नई दिल्ली स्थित अक्षरधाम मंदिर परिवार के साथ गए। वे यहां पर करीब एक घंटे तक रुके। उपराष्ट्रपति बनने के बाद वेंस का यह पहला आधिकारिक भारत दौरा है। इस दौरे के दौरान वेंस 4 दिन तक भारत में रहेंगे।

जेडी वेंस भारत आने से पहले मिले थे पोप फ्रांसिस से

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत यात्रा से एक दिन पहले ही 20 अप्रैल को ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस से मिले थे। उन्होंने पोप फ्रांसिस के निधन पर गहरा शोक जताया है। वेंस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए पोप फ्रांसिस के निधन पर गहरा शोक जताया। उन्होंने एक्स पर लिखा, कि मुझे अभी-अभी पोप फ्रांसिस के निधन की खबर मिली। मेरा दिल दुनिया भर के लाखों ईसाइयों के साथ है जो उनसे प्यार करते थे। मैं उन्हें कल देखकर खुश था, हालाँकि वह स्पष्ट रूप से बहुत बीमार थे। जानकारी अनुसार 20 अप्रैल को ही पोप फ्रांसिस से वेंस ने वेटिकन सिटी में मुलाकात की थी। यह मुलाकात ईस्टर की शुभकामनाओं के अवसर पर हुई थी। उसी दिन अपने उर्बी एट ओर्बी संबोधन में पोप ने गाजा, यूक्रेन, म्यांमार और अफ्रीकी देशों में शांति की अपील की थी।

वेंस चार दिन रुकेंगे रामबाग पैलेस में

सोने की थाली में परोसा जाएगा खाना, विंटेज कार और बग्गी में करेंगे सैर

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड वेंस सोमवार रात जयपुर पहुंचेंगे। वह 21 से 24 अप्रैल तक जयपुर के रामबाग पैलेस में ठहरेंगे। रामबाग पैलेस में वेंस और उनके परिवार के लिए ग्रैंड प्रेसिडेंशियल सुईट तैयार किया गया है। इसमें वेंस की पसंद का खास ख्याल रखा गया है। होटल मैनेजमेंट ने वेंस के ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर के लिए भी विशेष तैयारियां कर रखी हैं। पैलेस एरिया में घूमने के लिए उन्हें स्पेशल विंटेज कार और बग्गी मुहैया कराई जाएगी। सोने की थाली में खाना परोसा जाएगा। इन बर्तनों पर वेंस के साथ उनके परिवार वालों के नाम लिखा होगा। रामबाग पैलेस पहुंचने पर राजस्थानी कलाकार लोकगीत गाकर वेंस का स्वागत करेंगे। रामबाग में वेंस के प्राइवेट स्टाफ के साथ ही ताज ग्रुप के बेस्ट शेफ लजीज खाना तैयार करेंगे। इसमें राजस्थानी व्यंजन भी शामिल होंगे। विदेशी मेहमान के मनोरंजन के लिए राजस्थानी और देश के अन्य राज्यों के कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। बच्चों के मनोरंजन के लिए कठपुतली शो रखा गया है। 24 अप्रैल तक रामबाग में आम लोगों की एंट्री नहीं होगी। बुकिंग स्थगित कर दी गई है। इस दौरान अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों के जवान भी रामबाग में तैनात रहेंगे। रामबाग और आसपास के इलाके को नो फ्लाई जोन किया गया है। इस दौरान उपराष्ट्रपति वेंस और उनके परिवार के साथ ही अमेरिका से आने वाले डेलिगेट्स भी रामबाग में ही रहेंगे। वेंस अपने अपने परिवार के साथ ताजमहल का दीदार करने आगरा भी जाएंगे।

अखिलेश का बड़ा दावा बोले-

महाकुंभ में योगी को पीएम उम्मीदवार घोषित करने की योजना थी

लखनऊ, ईएमएस। समाजवादी पार्टी के मुखिया और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने दावा करते हुए कहा है कि प्रयागराज का महाकुंभ कोई धार्मिक आयोजन नहीं था। बल्कि एक राजनैतिक आयोजन के लिए बड़ी तैयारियां की गई थी। सब कुछ ठीक रहता तो इसी महाकुंभ में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को प्रधानमंत्री के तौर पर उम्मीदवार घोषित कर दिया जाता। इस तरह की प्लानिक काफी पहले कर ली गई थी।

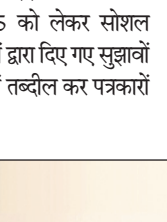

अखिलेश ने यह भी दावा किया कि कुछ राजनैतिक कारणों के कारण भाजपा का यह मंसूबा पूरा नहीं हो पाया। यादव ने कहा कि वह वक्फ (संशोधन) कानून के जरिए माफिया की तरह जमीन हड़पने की कोशिश कर रही है।यादव ने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनावों में पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) राज्य से भाजपा को उखाड़ फेंकेगा। जब उनसे इंडिया गठबंधन के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने दोहराया, गठबंधन है और रहेगा। उन्होंने कहा, भाजपा वक्फ संशोधन कानून लेकर आई है ताकि वह जमीन छीन सके। जहां भी उन्हें जमीन दिखती है, वे उस पर कब्जा कर लेते हैं। उन्होंने भाजपा को भू-माफिया पार्टी करार दिया। यादव ने सत्तारूढ़ पार्टी पर नोटबंदी और जीएसटी के जरिए लोगों का पैसा छीनने और आरक्षण के अधिकार को कम करने का आरोप लगाया। राणा सांगा पर सपा सांसद रामजी लाल सुमन के बयान को लेकर पूछे गए प्रश्न पर उन्होंने कहा जो इतिहास एक दूसरे को ऊंचा-नीचा दिखाए, जो इतिहास हमारी प्रगति को रोकता हो, उस इतिहास को इतिहास ही रहने देना चाहिए।सपा प्रमुख ने संवाददाता सम्मेलन में प्रयागराज महाकुंभ 2025 को लेकर सोशल मीडिया मंच एक्स पर स्वयं द्वारा दिए गए सुझावों को एक पुस्तिका के रूप में तब्दील कर पत्रकारों को उपलब्ध कराया।

राहुल गांधी के बोस्टन वाले बयान से तिलमिलाई भाजपा ने कहा....

विदेशों में जाकर भारत को बदनाम करने वाले राहुल याद रखें कि जमानत पर हैं

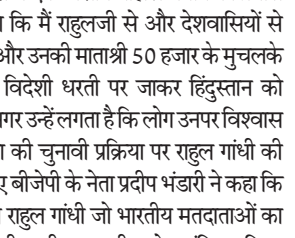

नई दिल्ली, ईएमएस। बीजेपी ने राहुल गांधी द्वारा बोस्टन में चुनाव आयोग पर की गई टिप्पणी को लेकर हमला बोला। बीजेपी प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि राहुल गांधी की यही निराशा है कि आज वह विदेशी भूमि पर जाकर भारत और महान लोकतंत्र को अपमानित कर उसे बदनाम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुलजी अमेरिका में जाकर कहते हैं कि महाराष्ट्र के चुनाव में जो मतदान हुआ, वह एक प्रकार से फर्जीवाड़ा था। महाराष्ट्र में बीजेपी और उनके सहयोगियों को नहीं जीतना था, लेकिन मैं राहुल गांधी से पूछना चाहता हूं कि उस समय झारखंड में भी चुनाव हुआ था, क्या आपने और हेमंत सोरेन ने इलेक्शन कमीशन से समझौता किया था?

पात्रा ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने 240 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस को केवल 99 सीटें मिलीं। फिर भी, उन्होंने जश्न मनाया और दावा किया कि यह बीजेपी की हार है। तो क्या चुनाव आयोग ने कांग्रेस से समझौता किया? अयोध्या चुनाव में भी उन्होंने जीत का जश्न मनाया। यह कैसे संभव हुआ? उन्होंने कहा कि यह इसलिए संभव हुआ क्योंकि भारत में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव होते हैं। विदेश में भारत का अपमान करने वाले राहुल गांधी को याद रखना चाहिए कि वे 50 हजार की जमानत पर बाहर हैं। जिस थाली में खाते हैं, उसी में राहुल गांधी छेद करते हैं। उन्होंने कहा कि आज सुबह से हम मीडिया में देख रहे हैं, तो दो खबरें सुर्खियों में हैं। पहली खबर राहुल गांधी विदेशी भूमि पर जाकर वही कर रहे हैं, जो वह कई दशकों से करते आ रहे हैं, भारत की बेइज्जती और अपमान। अमेरिका में राहुल गांधी ने भारत का अपमान किया है। दूसरी खबर है कि आज से कांग्रेस के सभी बड़े नेता चोर मचाए शोर की तर्ज पर देश के अलग-अलग हिस्सों में जाकर मां-बेटे को बचाने के लिए प्रेस कांफ्रेंस करेंगे। पात्रा ने कहा कि ईडी ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी को अपनी चार्जशीट में नामांकित किया है, उन दोनों के खिलाफ कोर्ट में जो कार्रवाई हो रही है, ऐसे में पूरे देश में एक अशांत माहौल बनाने का प्रयास कांग्रेस कर रही है। उन्होंने कहा कि मैं राहुलजी से और देशवासियों से कहना चाहता हूं कि जो व्यक्ति और उनकी माताश्री 50 हजार के मुचलके पर जमानत पर बाहर हैं, वह विदेशी धरती पर जाकर हिंदुस्तान को अपमानित कर रहा है, लेकिन अगर उन्हें लगता है कि लोग उनपर विश्वास करेंगे, तो ये उनका भ्रम है। देश की चुनावी प्रक्रिया पर राहुल गांधी की आलोचनाओं का जवाब देते हुए बीजेपी के नेता प्रदीप भंडारी ने कहा कि लोकतंत्र विरोधी, भारत विरोधी राहुल गांधी जो भारतीय मतदाताओं का विश्वास नहीं जीत सके, वे विदेशी धरती पर भारतीय लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल उठाने लगे हैं।

अब पीलीभीत में मस्जिद को बताया अवैध, प्रशासन ने भेजा नोटिस

सिटी मजिस्ट्रेट ने कहा- नक्शा स्वीकृत कराए बिना किया निर्माण

लखनऊ, ईएमएस। यूपी की योगी सरकार और प्रशासन लगातार विशेष समुदाय के धार्मिक स्थलों और स्कूल के खिलाफ अवैध कार्रवाई कर रहा है। इसी तरह का एक मामला पीलीभीत में भी सामने आया है। पीलीभीत जिले की एक मस्जिद को कथित तौर पर अवैध बताते हुए प्रशासन ने नोटिस भेजा है। मुस्लिम पक्ष को मामले में 1 मई तक जवाब पेश करने का समय दिया गया है।

यूपी सरकार और प्रशासन लगातार अवैध चीजों के खिलाफ सख्त बना हुआ है। अवैध तरह से बनी धार्मिक इमारतों पर एक्शन लिए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिला प्रशासन ने शहर की एक कॉलोनी में बिना नक्शा मंजूरी के कथित रूप से बनाई मस्जिद के मुतवल्ली को नोटिस जारी किया है। अधिकारियों ने बताया। मस्जिद से 1 मई तक जवाब मांगा गया था। इसके बाद मस्जिद को बंद कर दिया गया इसकी पुष्टि प्रशासन ने की है। सिटी मजिस्ट्रेट ने कहा है कि मस्जिद का निर्माण मानचित्र स्वीकृत कराए बिना किया गया था। मजिस्ट्रेट ने कहा कि प्रशासन फिलहाल स्पष्टीकरण मांग रहा है और उसने मस्जिद को बंद करने का आदेश नहीं दिया है। स्थानीय निवासियों के मुताबिक मस्जिद करीब आठ साल से नमाज पढ़ी जा रही है और हर दिन पांच बार नियमित रूप से नमाज होती है।

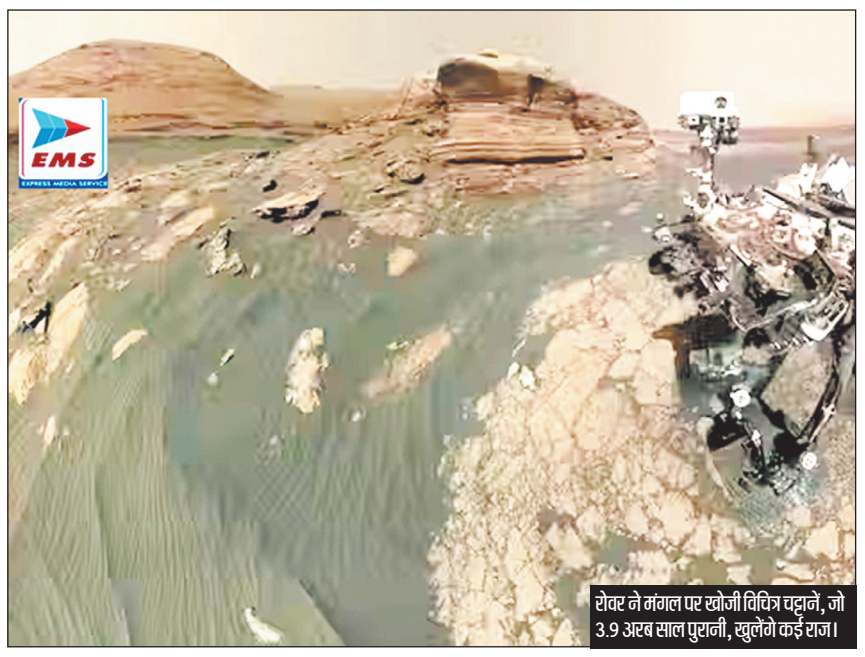

रोवर ने मंगल पर खोजी विचित्र चट्टानें, जो 3.9 अरब साल पुरानी, खुलेंगे कई राज।

हिमाचल में बारिश, तूफान, और ओलावृष्टि से फसल बर्बाद

किसानों को मुआवजे की आस

शिमला, ईएमएस। हिमाचल में मौसम ने कई जगह नुकसान पहुंचाया है। बीते 24 घंटों के दौरान कई इलाकों में बारिश, तूफान, और ओलावृष्टि ने फसलों को बर्बाद किया है, हमीरपुर के भलेठ गांव में तूफान से पेड़ गिर गया, जिसकी चपेट में आने से एक महिला की मौत हुई। मृतक संतोष कुमारी जंगल से लकड़ियां लेने गई थी कि घर से कुछ दूरी पर पेड़ की चपेट में आ गई।

ऊपरी शिमला के सेब बहुल इलाकों रोहड़ू, खड़ापत्थर, ठियोग, जुब्बल, कोटखाई, रोहड़ू और चौपाल में भारी ओलावृष्टि ने सेब की फसल को भारी नुकसान पहुंचाया है। आजकल सेब में फूल रहे है लेकिन ओलावृष्टि से फूल झड़ गए हैं। इसके अलावा सब्जियों की फसल भी बर्बाद हुई है। वहीं सब्जी फूल उत्पादक संघ के अध्यक्ष ने मौसम से हुए नुकसान की भरपाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि हर साल फसलों के नुकसान का आंकलन होता है, लेकिन मुआवजे के नाम पर कुछ नहीं मिलाता है। साथ ही, बीमा प्रक्रिया किसानों और बागवानों के हितों से खिलवाड़ करती है। जिला बिलासपुर व हमीरपुर में वर्षा के साथ हुई ओलावृष्टि से गेहूं की फसल व फलदार पौधों को नुकसान हुआ। कांगड़ा जिले में वर्षा से गेहूं की फसल प्रभावित हुई। लाहौल स्पीति सहित ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी जारी है। हिमपात के कारण मनाली-जंस्कार मार्ग पर यातायात बंद है। शिंकुला में आधा फीट हिमपात होने से आवाजाही प्रभावित हुई है। भारी वर्षा से लाहुल घाटी के तिंदी व जंगल कैंप के समीप नाले में बाढ़ आ गई।

आप नहीं लड़ेगी दिल्ली में मेयर का चुनाव, आतिशी ने किया ऐलान

नई दिल्ली, ईएमएस। दिल्ली नगर निगम के चुनाव को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी ने बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा है कि आप मेयर का चुनाव नहीं लड़ेगी। आतिश ने कहा कि बीजेपी जहां-जहां चुनाव हारती है, वहां साम-दंड-भेद सब अपनाती है। बीजेपी दूसरी पार्टियों को तोड़कर सरकार बनाती है।

आतिशी ने कहा, बीजेपी बीते ढाई सालों से आप के पार्षदों पर दबाव बनाकर और तोड़कर बीजेपी में लेकर गई। हम दिल्ली की जनता का सम्मान करते हैं, किसी भी विधायक और पार्षद को खरीदती और तोड़ती नहीं है। आम आदमी पार्टी मेयर का चुनाव नहीं लड़ेगी। इस मामले पर दिल्ली बीजेपी प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा, आप जानती है कि वह दिल्ली नगर निगम में न सिर्फ बहुमत खो चुकी है, बल्कि पिछले ढाई साल में नगर निगम का प्रशासनिक और रख-रखाव कार्य दोनों ठप्प किए हैं। अतः अब आम आदमी पार्टी त्याग का नाटक कर रही है और संभव है, यहां से आगे आप और कांग्रेस गठबंधन करें।

अमेरिकी हवाई हमलों में 12 लोगों की मौत

सना, ईएमएस। यमन की राजधानी सना पर अमेरिकी हवाई हमलों में 12 आम लोगों की मौत हो गई है और 30 घायल हुए हैं। हूती विद्रोहियों ने सोमवार को इस हमले की पुष्टि की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका हूती विद्रोहियों को निशाना बनाकर यमन पर हमले कर रहा है। अमेरिकी सेना की 'सेंट्रल कमांड' ने रविवार को हुए इन हमलों की जिम्मेदारी लेने वाला कोई बयान जारी नहीं किया है। हूती विद्रोहियों ने बताया कि ये हमले सना के शूब जिले में फरवा बाजार पर किया गया। इस क्षेत्र को अमेरिका ने पहले भी निशाना बनाया है। रविवार को देश के अन्य इलाकों को भी निशाना बनाया गया। इससे पहले, यमन के हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले रास ईसा बंदरगाह पर अमेरिकी हवाई हमले में 70 से ज्यादा लोग मारे गए थे और 171 घायल हुए थे।

सऊदी अरब ने बढ़ाया हज का कोटा भारतीय करें जल्द आवेदन

नई दिल्ली, ईएमएस। दुनिया के सभी धर्मों के कुछ पवित्र धार्मिक स्थल होते हैं। इस्लाम में हज यात्रा को सबसे पवित्र और अहम माना गया है। हर साल दुनिया भर से लाखों लोग हज यात्रा करते हैं। भारत से भी हर साल लाखों की संख्या में श्रद्धालु हज यात्रा पर जाते हैं। आँकड़ों के अनुसार हर साल करीब 20 लाख से ज्यादा श्रद्धालु हज यात्रा पर जाते हैं।

जिसमें से 1.7 लाख से ज्यादा भारत से होते हैं। बीते साल 1,75,025 भारतीय श्रद्धालुओं ने हज यात्रा की थी। लेकिन इस साल भारत के हज यात्रियों के लिए सऊदी अरब सरकार ने कोटा बढ़ा दिया है। भारत से हर साल 175,000 हज यात्रा के लिए सऊदी अरब जाते हैं। जिसमें से 1,22,518 हज यात्रियों भारतीय हज समिति के जरिए हज यात्रा पर भेजा जाता है। इसके अलावा बचे हुए 52,000 हज यात्री प्राइवेट टूर ऑपरेटरों के जरिए हज यात्रा पर जाते हैं। लेकिन इस साल सऊदी हज मंत्रालय की ओर से संख्या में इजाफा किया गया। इस साल भारत से 175,000 हज यात्रियों की जगह 185,000 हज यात्री जा सकते हैं। क्योंकि सऊदी हज मंत्रालय की ओर से 10,000 अतिरिक्त तीर्थयात्रियों के रजिस्ट्रेशन को लेकर हामी भर दी है।

इजराइल ने 27 सांसदों का किया वीजा रद्द, सांसदों ने कहा- यह सामूहिक सजा

यरुशलम में फ्रांसीसी वाणिज्य दूतावास ने इन सांसदों और नेताओं को बुलाया था

पैरिस, ईएमएस। इजराइल और फिलिस्तीनी इलाकों की यात्रा से सिर्फ दो दिन पहले 27 फ्रांसीसी सांसदों और स्थानीय नेताओं को बताया गया कि उनके वीजा रद्द कर दिए गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस समूह में फ्रांस की वामपंथी, पर्यावरण समर्थक और कम्युनिस्ट पार्टियों के नेता शामिल थे। उन्होंने कहा कि उनका मकसद अंतरराष्ट्रीय सहयोग और शांति को बढ़ावा देना था। यरुशलम में फ्रांसीसी वाणिज्य दूतावास ने इन सांसदों को बुलाया था, लेकिन इजराइल के आंतरिक मंत्रालय ने एक कानून के तहत उनका वीजा रद्द कर दिया। यह कानून सरकार को ऐसे लोगों को देश में आने से रोकता है, जिन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा माना जाता है। इजराइल ने वीजा रद्द किए गए लोगों में नेशनल असेंबली के डिप्टी जैसे फ्रेंकोइस रफिन, एलेक्सिस कॉर्बियर, जूली ओजेन, कम्युनिस्ट डिप्टी सौम्या बोरौहा और सीनेटर मैरिएन मार्गेट शामिल थे। इसके अलावा महापौर और अन्य स्थानीय अधिकारी भी थे। इन सांसदों और अधिकारियों ने एक संयुक्त बयान जारी किया है जिसमें उन्होंने इजराइल के इस कदम को गलत बताते हुए सामूहिक सजा और राजनयिक रिश्तों में बड़ी दरार बताया है।

भगवान बुद्ध के पवित्र दांत की फोटो वायरल पुलिस जांच में जुटी

कोलंबो, ईएमएस। श्रीलंका में भगवान बुद्ध के पवित्र दांत की एक कथित फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई है। इसके बाद विवाद खड़ा हो गया है। पुलिस ने बताया कि वे इसकी जांच कर रहे हैं कि ये फोटो ली कैसे गई, क्योंकि जिस जगह यह दांत रखा गया है, वहां मोबाइल और कैमरा ले जाना मना है। यह फोटो कैंडी शहर के दंत मंदिर की बताई गई है। यहां 16 साल बाद भगवान बुद्ध के दांत को लोगों के दर्शन के लिए प्रदर्शनी में रखा गया था। पुलिस ने कहा है कि मामले की जांच जारी है और सच का पता जांच पूरी होने के बाद चलेगा।

चीन ने बनाया नॉन न्यूक्लियर हाइड्रोजन बॉम्ब, परीक्षण से दुनिया में हड़कंप

बम से कम और रेडिएशन से होगा ज्यादा नुकसान

वैज्ञानिकों के दावे से अमेरिका भी हैरान

● बीजिंग, ईएमएस

अमेरिका और चीन ट्रैरिफ वॉर को लेकर एक दूसरे पर लगातार हमले कर रहे हैं। टैरिफ वॉर से शुरू हुआ विवाद अब टेक्नोलॉजिकल और मिलिट्री पावर की होड़ तक पहुंच गया है। इस दौड़ में चीन ने जबरदस्त चाल चली है जिसने अमेरिका समेत दुनियाभर को हैरानी में डाल दिया है। चीन के नए नॉन न्यूक्लियर हाइड्रोजन बॉम्ब बना लिया है।

चीनी वैज्ञानिकों ने नॉन न्यूक्लियर हाइड्रोजन बॉम्ब का सफल परीक्षण किया है। ये दिखने में बहुत छोटा है, लेकिन यह बहुत खतरनाक। बिना न्यूक्लियर मैटेरियल के ये बम अब अमेरिका को टेंशन देगा। सिर्फ दो किलो वजनी इस बम ने एक हजार डिग्री सेल्शियस की गर्मी वाला एक आग का गोला बना दिया वह भी महज 2 सेकेंड के

अंदर। ये दिखने में छोटा लगे लेकिन इसका असर पारंपरिक विस्फोट से कहीं ज्यादा भयानक है।

टीएनटी जहां सिर्फ 1-2 सेकेंड में खत्म हो जाता है। वहीं ये हाइड्रोजन बम सेकेंडों तक जलता और फैलता है और अपने आसपास की हर चीज को तबाह कर देता है। इस बम को चीन के स्टेटशिप बिल्डिंग कॉरपोरेशन 705 रिसर्च इंस्टीत्यूट ने तैयार किया है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इस डिवाइस में मैग्नीशियम-आधारित सॉलिड-स्टेट हाइड्रोजन स्टोरेज मटीरियल का इस्तेमाल किया गया है। वैज्ञानिकों ने बताया कि मानक विस्फोटकों द्वारा ट्रिगर किए जाने पर, पदार्थ तेजी से टूट जाता है और हाइड्रोजन गैस छोड़ता है। यह गैस फिर प्रज्वलित होती है, जिससे एक तीव्र और निरंतर ज्वाला निकली है। इस तरह के तंत्र का इस्तेमाल इसकी सघनता और ऊर्जा घनत्व के कारण उच्च ऊर्जा प्रणोदन प्रणालियों या उन्नत हथियारों में संभावित रूप से किया जा सकता है। चीनी वैज्ञानिकों का दावा है कि ये बम कम खर्च में कम रेडिएशन के जोखिमों के साथ ज्यादा नुकसान पहुंचाता है। इसका सीधा मतलब है कि चीन अब परमाणु हथियारों का इस्तेमाल किए बिना भी सुपर वेपन बना रहा है। चीन इस नए हथियार के जरिए कई निशाने एक साथ लगाने की कोशिश में है, जिससे ना तो किसी अंतरराष्ट्रीय संधि का उल्लंघन हो और ना ही दुश्मन पर बड़ा हमला करने के लिए विकल्पों की कमी रहे। माना जाता है कि शोधकर्ताओं ने इस उपकरण के सैन्य उपयोग का भी पता लगाया है, खासकर जब स्थिति की मांग हो कि एक बड़े क्षेत्र को तीव्र गर्मी से कवर किया जाए और उच्च-मूल्य वाले लक्ष्यों को नष्ट करने के लिए इसकी शक्ति को केंद्रित किया जाए। यह साफ नहीं हो सका कि परीक्षण में इस्तेमाल की गई बड़ी मात्रा में मैग्नीशियम हाइड्राइड कहाँ से आया। चीन ने शांक्सी में एक बड़ी फैक्ट्री तैयार की है जो हर साल 150 टन इस सामग्री का उत्पादन कर सकती है। चीनी विज्ञान अकादमी के मुताबिक फैक्ट्री में वन-पॉट सिंथेसिस नामक एक विशेष विधि का इस्तेमाल किया जाता है जो उत्पादन को सस्ता और सुरक्षित बनाती है।

खाना खाकर सोने गये मिस्त्री ने फांसी लगाकर दे दी जान

भोपाल(ईएमएस)। गांधी नगर इलाके में रहने वाले एक अधेड़ ने रात के समय अपने कमरे में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस के अनुसार शांति नगर में रहने वाले रामदयाल कुशवाह (50) मिस्त्री का काम करते थे। शनिवार की रात रामदयाल काम से वापस लौटे और परिवार के साथ खाना खाने के बाद सोने के लिये अपने कमरे में चले गए। अगली सुबह नींद खुलने पर परिवार वालो ने देखा तो उनका शरीर फांसी के फंदे पर लटका नजर आया।

आवारा कुत्तों ने मासूम पर किया हमला, बड़ा हादसा टला

भोपाल(ईएमएस)। बैरसिया सिविल अस्पताल परिसर में उस समय बड़ी घटना होते-होते बच गई जब आवारा कुत्तों के झुंड ने एक 3 साल की मासूम बच्ची पर अचानक हमला कर दिया। मौके पर मौजूद लोगों की सतर्कता से मासूम को बचा लिया गया, लेकिन कुत्तो के हमले से उसके शरीर पर कई जगह घाव हो गए है। बताया जा रहा है, कि अस्पताल परिसर में आवारा कुत्तों का डेरा लगा रहता है, जिससे मरीज और उनके परिजन हमेशा दहशत में रहते हैं।

फटाफट खबरें

डंपर को टक्कर मारने वाले चालक पर केस दर्ज

भोपाल (ईएमएस)। बिलखिरिया थाना इलाके में सड़क किनारे खड़े पंचर डंपर में टक्क र मारने वाले ट्रक चालक के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। हादसे में ट्रक के क्लीनर की मौत हो गई थी। जानकारी के अनुसार अशोक अहिरवार (25) ग्राम हर्राखेड़ा थाना गुनगा में रहता है, और डंपर चलाता है। बीते दिनो रात करीब साढ़े बारह बजे वह ग्राम रुतुआ क्रेशर से माल लोड कर ग्राम सलइया जा रहा था। ग्राम झागरिया पहाड़ी के पास डंपर का पहिया पंचर होने पर चालक अशोक ने उसे सड़क किनारे खड़ा किया और उसे ठीक करने लगा। इसी दौरान पीछे से रिफायंज आयल भरकर ले जा रहे तेज रफ्तार ट्रक चालक कैलाश ने डंपर में टक्क र मार दी, जिससे डंपर और ट्रक बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में ट्रक क्लीनर दिलीप सिसोदिया ट्रक के कैबिन में बुरी तहर फंस गया था।

रजिंश को लेकर युवक की हत्या का प्रयास

भोपाल (ईएमएस)। शहर के अशोका गार्डन थाना इलाके में पुरानी रजिंश को लेकर तीन बदमाशों ने एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। युवक को गंभीर हालत में इलाज के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शैडो वाली मस्जिद के पास अशोका गार्डन में रहने वाला सोहेल मेवाती पिता शाकिर खान (26) निजी काम करता है। उसने पुलिस को बताया की शनिवार रात वह बाइक से अपने घर लौट रहा था, रात करीब साढ़े 11 बजे रास्ते में एक चाय की दुकान के पास उसे आकिब, अमन बच्चा और अन्नू बच्चा मिल गए। बताया गया है कि फरियादी और आरोपी पहले ऐशबाग इलाके में साथ रहते थे, और आपस में लेनदेन को लेकर उनके बीच पुराना विवाद चल रहा था। इसी बात को लेकर उनके बीच कहासुनी और फिर मारपीट होने लगी। आरोप है, कि आकिब, अमन और अन्नू ने मिलकर सोहेल पर चाकू से सिर और हाथ पर घातक वार किये।

बस ड्राइवर से मारपीट कर नुकीली चीज से किया हमला

भोपाल (ईएमएस)। ऐशबाग थाना इलाके के बाग फरहत अफजा में तीन आरोपियों ने बस ड्राइवर से मारपीट करते हुए नुकीली चीज से हमला कर उसे घायल कर दिया। पुलिस के अनुसार बाग फरहत अफजा में रहने वाले फरियादी सलमान उर्फ भूरा ने अपनी शिकायत में बताया की वह भारत टाकीज से मंडीदीप तक बस चलाता है। 18 अप्रैल की रात करीब साढ़े 11 बजे वह प्रभात चौराहा पर वह अपने दोस्त जुनेद के साथ बैठा था। उसी समय शहंशाह, मुजीब और समीर उसके पास पहुंचे और गाली गलौच की। उस समय सलमान वहॉ से निकलकर अपने घर आ गया। थोड़ी देर बाद रात करीब 12 बजे मुजीब, शहंशाह और समीर उसके घर के सामने आकर गालीगलौज करने लगे।

युवक ने क्लीनर पीकर की आत्महत्या

भोपाल (ईएमएस)। शाहपुरा इलाके में एक युवक ने टॉयलेट क्लीनर पीकर जान दे दी। पुलिस ने बताया की सरस्वती नगर झुग्गीबस्ती में रहने वाला दुरेन्द्र बारले एक पेट्रोल पंप पर काम करता था। लेकिन पिछले कुछ समय से वह काम पर नहीं जा रहा था। करीब दो साल पहले उसकी शादी हुई थी, दंपति की एक मासूम बच्ची भी है। बीते दिन दुरेन्द्र ने घर में रखा टायलेट क्लीनर पी लिया। बाद में उसकी तबीयत बिगडने पर परिवार वाले उसे इलाज के लिए जयप्रकाश अस्पताल लेकर पहुंचे वहॉ उसकी हालत को देखते हुए हमीदिया अस्पताल रैफर कर दिया गया। हमीदिया अस्पताल में कुछ घंटे चले इलाज के बाद दुरेन्द्र की मौत हो गई। अस्पताल से मिली सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पीएम के बाद परिजनो को सोंप दिया है।

सीएम ने की जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत की रामघाट की सफाई, मां शिप्रा का पूजन कर कहा

उज्जैन कुंभ में शिप्रा नदी पर जल मार्ग बनेगा

श्रद्धालु नाव से आना-जाना कर सकेंगे, 29 किमी के नए घाट भी तैयार होंगे

भोपाल,ईएमएस।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को उज्जैन के मां शिप्रा नदी के रामघाट पहुंचे। जहां उन्होंने घाट की साफ-सफाई की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने मां शिप्रा में स्नान के लिए डुबकी लगाई। उन्होंने मां शिप्रा का पूजन अभिषेक भी किया। सीएम ने रामघाट पर सफाईकर्मियों और पंचकोशी यात्रियों का स्वागत करते हुए कहा कि आने वाले कुम्भ में उज्जैन में शिप्रा नदी के अलग-अलग भागों में लोग नौकायन कर एक जगह से दूसरी जगह जा सकेंगे। इसके लिए जलमार्ग बनाया जा रहा है।

सीएम ने कहा कि सिध्दनाथ से त्रिवेणी तक 29 किमी के नए घाट तैयार होंगे। पहले से 6 किमी के घाट बने हुए है। इस तरह से कुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं को 35 किमी के घाट उपलब्ध होंगे। कुम्भ में हर घाट रामघाट होगा। श्रद्धालु कहीं भी स्नान करेंगे उन्हें उतना ही पुण्य मिलेगा। इस बार कुम्भ में जलमार्ग बनाने जा रहे है। शनि मंदिर से रामघाट, गऊघाट से लालपुर, मंगलनाथ से रामघाट तक नौकायन से लोग आना-जाना कर सकेंगे। सीएम ने

कहा, शिप्रा नदी के किनारे पंचकोशी परिक्रमा की एक पुरानी परंपरा रही है। हर साल हजारों-लाखों लोग यहां आकर परिक्रमा करते हैं। इस परिक्रमा की शुरुआत में श्रद्धालु जब यहां स्नान करेंगे, तो घाट पर स्वच्छता और जल की शुद्धता का विशेष ध्यान रखा जाएगा। खासकर नदी के अंदर जो गंदगी जम जाती है, उसे साफ करना जरूरी है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मैं उज्जैन प्रवास पर आया था। शिप्रा को नमन करते हुए मैंने यहां स्नान भी किया और सेवा भाव से कार्य किया। यह हम सबका फर्ज भी है।

निगम के सफाई मित्रों का सम्मान

वहीं सीएम डॉ मोहन ने ने शिप्रा के रामघाट पर सालामतपुर से आए पंचकोशीय यात्रियों का स्वागत कर यात्रा का शुभारंभ कराया। इस दौरान नगर निगम के सफाई मित्रों को भी सम्मानित किया। साथ ही महाकाल थाने को आईएसओ सर्टिफिकेट मिलने पर मुख्यमंत्री ने पुलिस को बधाई दी और उन्हें प्रशस्ति पत्र दिया।

सेवा भाव से की सफाई

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परिक्रमा की शुरुआत में श्रद्धालु जब यहां स्नान करेंगे, तो घाट पर स्वच्छता और जल की शुद्धता का विशेष ध्यान रखा जाएगा। खासकर नदी के अंदर जो गंदगी जम जाती है, उसे साफ करना जरूरी है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मैं उज्जैन प्रवास पर आया था। शिप्रा को नमन करते हुए मैंने यहां स्नान भी किया और सेवा भाव से कार्य किया। यह हम सबका फर्ज भी है। आपको बता दें कि प्रदेश में मार्च के महीने से जल गंगा संवर्धन अभियान जारी है।

मोबाइल, लेपटॉप चोर सहित पिस्टल, कारतूस लेकर घूम रहे तीन बदमाश गिरफ्तार

भोपाल(ईएमएस)।

शहर के कई थानो में मोबाइल लूट की लगातार हो रही वारदातो के बीच गोविंदपुरा थाना पुलिस ने सराहनीय कार्यवाही करते हुए आरोपियो को दबोचा है। आरोपियो में मोबाइल झपटमार, लेपटॉप चोर सहित देशी पिस्टल और कारतूस लेकर घूम रहा बदमाश शामिल है।

थाना प्रभारी अवधेश सिंह तोमर से मिली जानकारी के मुताबिक बीते दिनो में लगातार मोबाईल झपटमारी की बढ़ती घटनाओ के आरोपियो को दबोचने के लिये टीम बनाई गई थी। टीम ने जॉच के दौरान हाथ लगे सुरागो के आधार पर आरोपी सोहेल खॉन पिता नसीम (21) निवासी दुर्गा नगर झुग्गी बस्ती एमपी नगर और उसके साथी नदीम खॉन पिता बाहिद (19) निवासी काजीकेम्प को बीएचईएल रेल्वे पटरी के पास से घेराबंदी कर हिरासत में लिया। पूछताछ करने पर उनके पास झपटमारी कर छीने गये मोबाइल के साथ ही 8 लाख कीमत के 25 मोबाईल फोन सहित बाइक जप्त की गई हैं। दोनो आरोपियो के अन्य साथी सिराज और आहद फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे है। वहीं 19 अप्रेल को इलाके में सेक्टर-2 शक्ति नगर से लेपटाप चोरी में अज्ञात आरोपी के खिलाफ दर्ज मामले में संदेह के आधार पर पुलिस ने शनिवार को वाहन चैकिंग के दौरान आरोपी वाहन चालक शनी पिता बब्लू चौहान (19) निवासी विकास नगर झुग्गी गोविंदपुरा को हिरासत में लिया था। पूछताछ में आरोपी ने लेपटॉप चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर पुलिस ने 50 हजार कीमत का चोरी किया गया लेपटाप सहित बाइक जप्त की है। तीसरे मामले में गोविंदपुरा पुलिस को बीत रात नाईट पैट्रोलिंग के दौरान मुखबिर से सूचना मिली की एक युवक जानलेवा हथियार रख कर शुक्रवारा मार्केट गोविन्दपुरा के पास किसी वारदात को अंजाम देने की नियत से घूम रहा है। खबर मिलते ही टीम ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया।

पूछताछ में उसकी पहचान चिकलोद रोड जहाँगीराबाद निवासी युसुफ पिता साबिर (20) के रुप में हुई। तलाशी लेने पर उसके पास से देशी पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद हुआ। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस सभी आरोपियो को रिमांड पर लेकर अन्य वारदातो के संबध में पूछताछ कर रही है।

5 हजार का इनामी हिस्ट्रीशीटर बदमाश हुआ गिरफ्तार

भोपाल(ईएमएस)।

पुराने शहर की टीला जमालपुरा थाना पुलिस ने 5 हजार के फरार हिस्ट्रीशीटर बदमाश को गिरफ्तार किया है। बदमाश पर डीसीपी रियाज इकबाल ने इनाम घोषित कर रखा था। आरोपी अड़ीबाजी और मारपीट के मामले में फरार चल रहा था। जिसे मुखबिर से मिली सूचना पर टीम ने राजीवनगर टीला जमालपुरा से रात के समय घेराबंदी कर दबोच लिया।

तलाशी लेने पर उसके पास से धारदार हथियार बरामद हुआ है। टीआई डीपी सिंह ने जानकारी देते हुए बताया की राजीव नगर में रहने वाले कमल पिता रमेश (45) ने बीती 2 जनवरी को थाना में रिर्पोट दर्ज कराते हुए बताया कि सलमान उर्फ पत्ती, आफताब, मुईस द्वारा उसके साथ गाली-गलौच कर अड़ीबाजी करते हुए मारपीट की गई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला कायम कर दो दिन के भीतर ही आरोपी आफताब और मुईस को धर दबोचा था।

लेकिन घटना के बाद करीब चार महीने से आरोपी सलमान फरार चल रहा था। बीती रात मुखबिर से मिली सूचना पर टीम ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की तलाशी लेने पर उसके पास धारदार छुरी बरामद हुई। पूछताछ में उसने बताया की क्षेत्र में उसकी काफी लोगो से रंजिश चल रही है, इसी कारण वह अपनी सुरक्षा के लिये छुरी रखकर घूमता है।

बिहार से एलडीसी भर्ती परीक्षा देने आया मुन्नाभाई चढ़ा पुलिस के हत्थे

दूसरे के स्थान पर आया सॉल्वर फिंगरप्रिंट मिसमैच होने से आया पकड़ में

भोपाल(ईएमएस)।

शहर के बंगरसिया में स्थित सेंट्रल स्कूल में सीबीएसई की ओर से आयोजित एलडीसी पद पर भर्ती परीक्षा के दौरान दूसरे के स्थान पर परीक्षा देने आए मुन्नाभाई को पकड़ा गया है। आरोपी सॉल्वर के फिंगरप्रिंट मिसमैच होने पर बाद कर्मचारियो ने उसे पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी से पूछताछ के बाद पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार पटना बिहार का रहने वाला आरोपी सोनू यादव दौसा राजस्थान के रहने वाले बबलेश मीणा के स्थान पर सीबीएसई की एलडीसी परीक्षा देने भोपाल आया था। सेंट्रल स्कूल बंगरसिया में आयोजित इस परीक्षा में अंदर जाने से पहले उसकी जॉच करने के लिये जब उससे बायोमैट्रिक्स में फिंगर लगाने को कहा गया तब वह सकपका गया। दबाव देने पर जब उसने पंच किया तो फिंगरप्रिंट मिसमैच हो गए। संदेह होने पर चैकिंग स्टॉफ ने उससे पूछताछ की तब पहले तो उसने गोलमोल जवाब देते हुए वहॉ से भागने का प्रयास किया। लेकिन स्टॉफ ने उसे पकड़कर ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियो को सौंप दिया।

सरकारी विभागों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर कई लोगों से लाखों की ठगी

भोपाल (ईएमएस)।

श्यामला हिल्स थाना पुलिस ने आदिवासी छात्रावास समेत अन्य सरकारी विभाग में नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगी करने वाले जालसाज के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

बताया गया है की अब तक करीब दर्जन भर से अधिक फरियादी जालसाज के खिलाफ शिकायत लेकर थाने पहुंच चुके हैं। फिलहाल पुलिस ने एक फरियादी की शिकायत पर मामला दर्ज किया है, जिसने अपने घर के पांच लोगों की नौकरी के लिए आरोपी को 12 लाख रुपए दिए थे। थाना पुलिस के अनुसार अमराई परिसर बाग सेवनिया में रहने वाले

रमेश विसंगरे (47) ने लिखित शिकायती आवेदन देते हुए बताया कि उन्होंने नवंबर 2023 में अपने बेटे व परिवार के करीबी रिश्तेदारों की नौकरी के लिए आलोम बामने को 12 लाख रुपए अलग-अलग समय पर दिए थे। आरोपी ने दूरदर्शन केन्द्र के पास आदिवासी हॉस्टल में चपरासी व कम्प्यूटर ऑपरेटर समेत अन्य पदों पर नौकरी लगवाने का झांसा दिया था। हॉस्टल में आरोपी की पत्नी इंचार्ज है। पत्नी के मिलने के दौरान ही लोगों से उसकी मुलाकात हुई और अधिकारियों व नेताओं से संबंध होने का झांसा देकर उसने नौकरी लगवाने की बात कहकर रकम ठग ली। लाखो की रकम लेने के बाद आरोपी ने फर्जी नियुक्ति पत्र थमा दिया।

जब फरियादी रमेश विसंध्रे ऑफिस जॉइन करने पहुंचा, तब उसे सच्चाई पता चली। वहीं पुलिस ने यह भी बताया कि आरोपी आलोक बामने की पत्नी ने भी शिकायती आवेदन दिया है। की उसके पति ने उसके एकाउंट से बिना उसे जानकारी दिये लाखों रुपए की रकम निकाल ली हैं। पुलिस के पास आलोक के खिलाफ नौकरी का झांसा देकर दर्जन भर से अधिक शिकायती आवेदन आ चुके हैं।

सर्वदलीय बैठक के बाद होगा लाइव प्रसारण का फैसला !

ई-विधानसभा को लेकर तैयारी, सदन में केवल बिछाना शुरू

भोपाल,ईएमएस।

मप्र विधानसभा में कार्यवाही का लाइव प्रसारण का फैसला सर्वदलीय बैठक के बाद होगा। मई के पहले सप्ताह में सर्वदलीय बैठक हो सकती है। इधर विधानसभा के मानसून सत्र से सदन की कार्यवाही लाइव हो सकती है। इसी कड़ी में जहां सदन में केवल बिछाने का काम शुरू हो गया है वहीं राष्ट्रीय सूचना केंद्र विधायकों के लिए लैपटॉप खरीद रहे है। देश के 13 प्रदेशों के 14 सदनों में केंद्र सरकार की विधान परियोजना लागू हो चुकी है। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर सर्वदलीय बैठक में फैसला लेंगे। मध्य प्रदेश के लिए 19 करोड़ 36 लाख रुपए की परियोजना के कामों का अनुमोदन मिल चुका है। बता दें कि विधानसभा के लाइव प्रसारण को लेकर कांग्रेस हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटा चुकी है।

कांग्रेस विधायक सचिन यादव और प्रताप सिंह ग्रेवाल की याचिका पर हाईकोर्ट सरकार को नोटिस भेज चुकी है। इंदौर हाईकोर्ट बेंच ने नोटिस भेजकर सरकार से चार हफ्ते में जवाब मांगा है। ई विधानसभा में कार्यवाही को लेकर तैयारियां जारी है। ई विधानसभा को लेकर विधानसभा की टीम (हिमाचल समिति) तीन राज्यों का कर दौरा चुकी है। विधायकों के लिए लैपटॉप खरीदने का टेंडर जल्द जारी होगा।

मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार के अंतर्गत लोकसेवकों को मिला एक लाख रुपए का चेक और प्रशस्ति पत्र

नवाचार करने वाले 16 लोकसेवक पुरस्कृत

भोपाल,ईएमएस।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राष्ट्रीय लोकसेवा दिवस के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार करने वाले प्रदेशभर के 16 लोकसेवकों को पुरस्कृत किया।

उन्होंने आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार के अंतर्गत वर्ष 2022-23 एवं वर्ष 2023-24 के लिए चयनित लोकसेवकों को 1 लाख रुपए का चेक और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। मुख्यमंत्री यादव ने सुशासन से जुड़े नवाचारों के लिए कार्य करने वाले सभी लोकसेवकों को राष्ट्रीय लोकसेवा दिवस की बधाई दी। समारोह के मुख्य अथिति डॉ. यादव ने कहा कि विकसित भारत 2047 में मध्यप्रदेश की भूमिका महत्वपूर्ण है। राज्य के लोकसेवकों ने अपने कर्तव्यों को बखूबी निभाया है। जमीनी स्तर पर अधिकारियों द्वारा किए ज रहे नवाचारों को संकलित कर सुशासन के लिए योजना तैयार करने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मौर्य साम्राज्य की स्थापना और विकास में चाणक्य की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि महामंत्री चाणक्य ने सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य को राजा बनाया था और वे स्वयं मंत्री बने थे ताकि एक शक्तिशाली राजवंश में लोकशासन की व्यवस्था को बेहतर तरीके से संचालित किया जा सके। उन्होंने कहा कि लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने आजादी के बाद देश के भविष्य की नींव तैयार करने के लिए लोकसेवक व्यवस्था को विस्तार दिया और उनके लिए सेवा नियम (सर्विस रूल) तैयार किए।

चेकिंग के दौरान महिला से दुर्व्यवहार करने वाला हेड कांस्टेबल डीसीपी कार्यालय अटैच

भोपाल (ईएमएस)। अवधपुरी तिराहा पर वाहन चेकिंग कर रहे हेड कांस्टेबल पर एक महिला ने दुर्व्यवहार और मारपीट किये जाने के आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। मामले के तूल पकड़ने पर अधिकारियो ने हेड कांस्टेबल को थाने से डीसीपी कार्यालय अटैच कर दिया है, जबकि हेड कांस्टेबल के साथ ड्यूटी कर रहे कांस्टेबल पर कार्रवाई नहीं गई है। मिली जानकारी के मुताबिक प्रगति नगर ऋषिपुरम में रहने वाली 33 वर्षीय महिला 16 अप्रैल को वह घर के पास ही दुकान पर सामान खरीदने गई थी। दुकान के सामने अपनी उसने स्कूटी खड़ी की और खरीदारी करने लगीं। इस दौरान कॉलोनी के तिराहे पर वाहन चेकिंग कर रहे अवधपुरी थाने के प्रधान आरक्षक अतुल चौकसे और कांस्टेबल जितेन्द्र ने उसे रोका और महिला की गाड़ी के दस्तावेज मांगने लगे। उन्होंने बताया कि दस्तावेज घर में रखे हैं। इस पर अतुल चौकसे महिला को धमकाने लगा कि गाड़ी कोर्ट से छुड़ा लेना।

साथ ही उसके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करने लगा। महिला ने जब उसका विरोध किया तब अतुल चौकसे ने उनके चरित्र को लेकर गालीगलौज की। आरोप है कि महिला के गालीगलौज करने से मना करने पर अतुल ने उससे मारपीट शुरू कर दी। युवती के कान-मुंह से खून बहने लगा।

इंदौर में 150, भोपाल के लिए 100 बसों को मंजूरी

मध्यप्रदेश के 6 शहरों में जल्द दौड़ेंगी ई-बसें

भोपाल,ईएमएस।

मध्यप्रदेश के 6 शहरों में इसी साल सितंबर और अक्टूबर से इलेक्ट्रिक बसें चलने लगेंगी। ये केंद्र सरकार की योजना है, जिसमें देश के 88 शहरों में साढ़े छह हजार से ज्यादा ई-बसें चलाई जानी हैं। इनमें से 582 बसें मप्र के खाते में आई हैं। इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन और सागर के लिए आवंटित की गई बसों में से 472 बसें मिडी ई-बस (26 सीटर) और 110 मिनी ई-बस (21 सीटर) रहेंगी। ई-बसों का किराया मौजूदा चल रही सिटी बसों के किराए से काफी कम होगा।

ई-बसों को चलाने और उनके रखरखाव का जिम्मा ग्रीन सेल मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को सौंपा गया है। इसके अलावा केंद्र सरकार 12 साल के लिए ऑपरेशनल एंड मेंटेनेंस कॉस्ट भी देगी। पिछले सप्ताह ई-बसों के संचालन को लेकर मुख्य सचिव अनुराग जैन ने एक बैठक ली थी। इसमें इनके संचालन को लेकर प्रजेंटेशन दिया गया था।

बसों का संचालन जीसीसी मॉडल पर होगा

ई- बसों का संचालन जीसीसी (ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर) मॉडल पर होगा। इसमें संबंधित फर्म बस खरीदेगी और उसके ड्राइवर, कंडक्टर, मेंटेनेंस की व्यवस्था भी खुद करेगी। इसके संचालन के लिए ऑपरेटर कंपनी को प्रत्येक बस 58 रुपए 14 पैसे प्रति किमी की दर से भुगतान किया जाएगा। इसमें भारत सरकार की तरफ से प्रति बस संचालन के लिए प्रति किमी 22 रुपए का भुगतान किया जाएगा।

6 शहरों में 58 करोड़ रुपए से बनेंगे 10 डिपो

नई ई-बसों के लिए भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर में दो- दो स्थानों पर डिपो बनाए जाएंगे। भोपाल में बैरागढ़ और कस्तूरबा नगर में 14 करोड़ की लागत से ये डिपो बनेंगे। वहीं, इंदौर के नायता मुंडला और चंदन नगर में 6 करोड़ की लागत से डिपो बनाए जाएंगे। उज्जैन और सागर में एक-एक स्थान पर डिपो बनेगा। डिपो के निर्माण के लिए 60 फीसदी पैसा केंद्र सरकार का होगा और 40 फीसदी पैसा राज्य सरकार देगी। कुल 10 डिपो के लिए राज्य सरकार करीब 24 करोड़ रुपए खर्च करेगी।

बिजली की व्यवस्था केंद्र सरकार के जिम्मे

डिपो के पास ई- बसों के लिए चार्जिंग स्टेशन भी बनाए जाएंगे। इंदौर, भोपाल और ग्वालियर में दो-दो चार्जिंग स्टेशन बनेंगे। वहीं, जबलपुर, सागर और उज्जैन में एक-एक चार्जिंग स्टेशन बनाया जाएगा। करीब 60 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले 9 चार्जिंग स्टेशन के लिए 41 किमी लंबी हाई टेंशन लाइन बिछाई जाएगी। इसके लिए केंद्र सरकार की आर्थिक सहायता से विद्युत सब स्टेशन बनाए जाएंगे।

स्वास्थ्य विभाग ने लू से बचाव के लिए जारी किए जरूरी दिशा-निर्देश

अस्पतालों में बढ़ रहे हीट स्ट्रोक के मरीज

भोपाल,ईएमएस। राजधानी में दिनभर की तेज धूप और उमस ने लोगों को परेशान कर दिया। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दो से तीन दिन भी तेज गर्मी का दौर जारी रहेगा। दिनभर झुलसाने वाली गर्मी पड़ रही है, वहीं रात को भी गर्म हवाओं ने नींद में खलल डाला। मौसम विभाग के अनुसार भोपाल और आस-पास के इलाकों में तापमान अगले दो से तीन दिन और बढ़ने की संभावना है, जिससे लू के हालात बने रह सकते हैं।

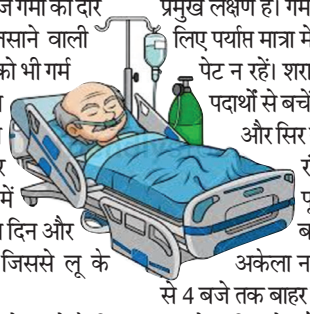

स्वास्थ्य विभाग ने लू से बचने के लिए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बीएस सेतिया ने बताया कि अत्यधिक गर्मी में लू लगना गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। विशेष रूप से बुजुर्ग, बच्चे, खिलाड़ी और धूप में काम करने वाले मजदूर सबसे अधिक खतरे में रहते हैं। गर्म, लाल व शुष्क त्वचा, सिरदर्द, थकावट, चक्कर आना, उल्टी, बेहोशी और आंखों की पुतलियों का सिकुड़ना इसके प्रमुख लक्षण हैं। गर्मी और लू से बचाव के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं और खाली पेट न रहें। शराब व कैफीन युक्त पेय पदार्थों से बचें, ठंडे पानी से स्नान करें और सिर को ढककर रखें। हल्के रंग के ढीले-ढाले और पूरी बांह के कपड़े पहनें। बच्चों को बंद वाहनों में अकेला न छोड़ें और दोपहर 12 से 4 बजे तक बाहर जाने से बचें। नंगे पांव धूप में न निकलें और भारी काम करने से परहेज करें। यदि बाहर निकलना आवश्यक हो, तो छाता व धूप का चश्मा जरूर उपयोग करें। धूप में जाने से पहले दो गिलास पानी पिएं। बुखार या लू लगने पर नजदीकी अस्पताल में संपर्क करें और ओआरएस घोल, नारियल पानी, छाछ, नींबू पानी और फलों के रस का सेवन करें।

सिविल सेवा दिवस मनाया गया

इन्दौर, ईएमएस। राज्य शासन के निर्देशानुसार आज इंदौर में सिविल सेवा दिवस गरिमामय रूप से मनाया गया। इस अवसर पर कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक संपन्न

उमरिया, ईएमएस। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक कलेक्टर सभागार में संपन्न हुई। बैठक में उप संचालक खनिज विभाग फरहत जहां ने बताया कि खनिज विभाग को प्राप्त 63 करोड़ लक्ष्य के विरूध्द 76.30 करोड़ रूपये राजस्व प्राप्त हुआ है। इसी तरह ग्रामीण अवसंरचना में 11.20 करोड़ लक्ष्य के विरूध्द 11.52 करोड़ रूपये की राजस्व प्राप्त हुआ है।

संपादकीय

10000 प्रशासनिक अधिकारियों के जिम्मे नागरिकों के मौलिक अधिकार

भारत में 21 अप्रैल को सिविल सर्विस डे मनाया जाता है। भारतीय संविधान ने नागरिकों के मौलिक अधिकारों को सुनिश्चित किया है। संविधान ने न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका के रूप में ब्रह्मा, विष्णु, महेश की तर्ज पर भारतीय संविधान की रचना की है। संविधान ने सभी की जिम्मेदारी तय की है। संविधान द्वारा न्यायपालिका विधायिका और कार्यपालिका को अधिकार और कर्तव्य दोनों ही सुनिश्चित किए गए हैं। संविधान निर्माताओं में से एक स्वतंत्र भारत के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल, ने 10 अक्टूबर 1949 को सिविल सेवा के अधिकारियों की भूमिका पर मार्गदर्शन देते हुए कहा था। मेरी सलाह है, आप पूरी स्वतंत्रता के साथ कार्य करें। यदि आप मुखिया हैं, तो आपने अधीनस्थ को स्वतंत्रता से बोलने का अवसर दें। अधिकारियों को बिना किसी डर या पक्षपात के अपने विचार रखने की आजादी है। यदि विचार रखने की स्वतंत्रता नहीं होगी, ऐसी स्थिति में भारत का नवनिर्माण नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि मेरा सचिव यदि मेरे किसी विचार से सहमत नहीं है, तो वह अपने विचार पूरी स्वतंत्रता के साथ लिख सकता है। प्रशासनिक सेवा के अधिकारी किसी डर और भय के कारण स्पष्ट राय नहीं देते हैं। उसे लगता है, कि मंत्री या वरिष्ठ अधिकारी नाराज हो जाएंगे। ऐसी स्थिति में प्रशासनिक सेवा में रहने का कोई कारण नहीं है। पटेल ने प्रथम संबोधन में सांसदों से अपेक्षा की थी। प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों का सम्मान और उनके अच्छे कार्यों का समर्थन करें। यदि वह लापरवाही और गलत काम करते हैं। ऐसी स्थिति में शासन का ध्यान आकर्षित करें। अच्छेकार्यों की प्रशंसा करें। सरदार पटेल कठोर प्रशासक के रूप में जाने जाते है। स्वतंत्रता मिलने के पश्चात उन्होंने रियासतों को भारत में विलय करने के लिए जो कार्य किया था। उसकी प्रशंसा आज भी सारी दुनिया में होती है। उन्होंने भारतीय सेवा के अधिकारियों को सजाग रहते हुए कहा था। प्रशासन को पूरी तरह से निष्पक्ष और भ्रष्टाचार मुक्त बनाएं। सिविल सेवा के अधिकारी को राजनीति में भाग नहीं लेना चाहिए। सांप्रदायिक विवादों में उसे दूर रहना चाहिए। भारतीय सेवा के अधिकारियों से उम्मीद की जाती है। वह बिना किसी डर या पक्षपात के बाहरी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना अपना कार्य करेंगे। स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े नेताओं की पीढ़ी में भारतीय सेवा के अधिकारी बेहतर ढंग से संविधान के अनुरूप अपना कार्य कर रहे थे। भारत में जब से गठबंधन की सरकारें आना शुरू हुई है। उसके बाद भारतीय सेवा के अधिकारियों में भारी परिवर्तन देखने को मिल रहा है। वह सत्ता के दबाव और प्रलोभन के चलते अपनी भूमिका का सही ढंग से निर्वाह नहीं कर रहे हैं। यही नहीं कह पा रहे हैं। जिसके कारण भारत की कार्यपालिका में डर, भय, पक्षपात और भ्रष्टाचार अब सभी और देखने स्थिति विधायिका की हो गई है। जो अपने आप को संविधान से भी सर्वोपरि मानने लगी है। विधायिका को लगता है, चुनाव जीतने के बाद वह जो चाहे कर सकते हैं। न्यायपालिका को संविधान ने नागरिकों के मौलिक अधिकारों को सुरक्षित रखने जो अधिकार दिए हैं। जज अपने कर्तव्य का पालन नियम कानून और संविधान के अनुरूप करें। न्यायपालिका को संविधान ने सीधे अधिकार नहीं दिए हैं। विधायिका और कार्यपालिका के शासन-प्रशासन तंत्र द्वारा यदि संविधान के अनुसार कार्य नहीं किये जाने पर निर्यत्रित करने के अधिकार दिये है। संविधान ने न्यायपालिका को विधायिका और कार्यपालिका के पर अंकुश बनाये रखने का दायित्व सौंपा है। सरकार का दबाव अब न्यायपालिका के ऊपर स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहा है। उसमें न्यायपालिका अब विफल होती हुई दिख रही है। विधायिका और कार्यपालिका ऐसा कोई कानून नहीं बना सकती है। जिससे नागरिकों के या किसी समुदाय के मौलिक अधिकारों का हनन हो। कोई ऐसा नियम भी नहीं बनाया जा सकता है। विधायिका और कार्यपालिका को नियंत्रित करने के लिये संविधान ने सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के जजों को विशेष अधिकार दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में राज्यपालों की भूमिका में संघीय व्यवस्था तथा वक्फ कानून को लेकर सही समय पर सही निर्णय करने से सरकार बौखला गई है। सरकार के नुमाइंदे न्यायपालिका के ऊपर तरह-तरह के आरोप लगा रहे हैं। दुबे हिंदी में कहा जाए तो न्यायपालिका पर दबाव बनाकर उसे ब्लैकमेल करने की कोशिश की जा रही है। सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान रुख से आम नागरिकों का न्यायपालिका के ऊपर भरोसा जागा है, जो पहले खत्म होता जा रहा था। न्यायपालिका ने पिछले वर्षों में आधे अधूरे निर्णय देकर सरकार के दबाव में सरकार के पक्ष में काम किए है। उससे धारणा बनने लगी थी, न्यायपालिका सरकार के इशारे पर निर्णय कर रही है। यह भ्रम चीफ जस्टिस खन्ना ने पिछले कुछ दिनों में दिए गए फैसले से तोड़ा है। सरकार के संरक्षण के चलते संवैधानिक पदों और कार्यपालिका के अधिकारी संविधान प्रदत्त न्यायपालिका के आदेशों का पालन नहीं कर रहे थे। न्यायपालिका और सरकार के बीच यही टकराव अब चरम पर पहुंच गया है।

– सनत जैन

राज काज

योगी पर भड़की ममता दीदी

वक्फ कानून पास होने के बादपश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हिंसा भड़क गई। उसके बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बयान दिया। बंगाल जल रहा है, मुख्यमंत्री चुप हैं। इस पर ममता दीदी ने तीखी प्रक्रिया देते हुए बाबा योगी आदित्यनाथ को कहा, वह बड़ी-बड़ी सीख ना दें। महाकुंभ में जो लोग मारे गए हैं, और जो गायब हैं। उनकी संख्या और सूची उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री नहीं बता पा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में मुठभेड़ में लोगों को मारा जा रहा है। उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था किस हालत में है। जिस तरह से ममता दीदी ने योगी आदित्यनाथ को ललकारा है। उससे लगता है, ममता दीदी आर पार की लड़ाई में हैं। मुर्शिदाबाद में हुई घटना को लेकर उन्होंने हिंदी भाषी राज्यों से लोगों को लाकर दंगा कराने का आरोप भाजपा और गृहमंत्री पर लगा दिया है। इससे लगता है कि अब ममता दीदी दबने वाली नहीं है। जल्दी पश्चिम बंगाल में कुछ भाजपा नेताओं के ऊपर मुकदमे दर्ज हो जाएंगे। उन्हें जल्द जेल भेजा जाएगा।

जस्टिस गवई पर नहीं है, भाजपा को भरोसा?

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने अपने उत्तराधिकारी का नाम केंद्र सरकार को भेज दिया है। चीफ जस्टिस के रूप में वरिष्ठता क्रम में बीआर गवई का नाम था। केंद्र सरकार से पूछे बिना गवई का नाम भेजने से सरकार और भाजपा नाराज है। सरकार खुलकर कुछ बोल नहीं पा रही है। सुप्रीम कोर्ट के 52 वे मुख्य न्यायाधीश बनने का उनका रास्ता साफ हो गया है। 15 मई को जस्टिस संजीव खन्ना का कार्यकाल खत्म होगा। वह सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बनेंगे। उनका कार्यकाल 7 महीने का होगा। उनके बहुत से फैसले सरकार को पसंद नहीं हैं।

देश में जगह-जगह बगावत अब ईड़ी के खिलाफ प्रदर्शन

पछले कुछ महीनो से सरकार के खिलाफ जगह-जगह बगावत देखने को मिल रही है। भाजपा को 240 सीटें क्या मिली। उसके बाद इंडिया गठबंधन एनडीए गठबंधन दोनों से ही सरकार को चुनौती मिलने लगी। अब ईडी और सीबीआई से भी लोग नहीं डर रहे हैं। अब ईड़ी के खिलाफ जगह-जगह प्रदर्शन हो रहे हैं। राजस्थान में ईडी के अधिकारियों को घेर लिया गया। वहां पर भाजपा की सरकार है। अब राजनीतिक दलों के नेताओं को ईडी का डर नहीं रह गया है। रही सही कसर न्याय पालिका निकाल रही है। कई मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने तरह-तरह के नियम बना दिए हैं। ईड़ी को जो अपार शक्ति यां मिली हुई थी, उसमें कटौती हो गई है। अब ईडी के लिए संभव नहीं रहा, वह जबरदस्ती किसी को फंसा सके।

धधकती धरती: विकास की दौड़ विनाश की ओर ?

न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का निरन्तर बिगड़ता मिजाज गंभीर चिंता का सबब बना है। हालांकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विगत वर्षों में दुनियाभर में दोहा, कोपेनहेगन, कानकुन इत्यादि बड़े-बड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन होते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद इस दिशा में अभी तक ठोस कदम उठते नहीं देखे गए हैं। दरअसल वास्तविकता यही है कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रकृति के बिगड़ते मिजाज को लेकर चर्चाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं,

योगेश कुमार गोयल

तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चर्चाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों में जागरूकता पैदान करने तथा पृथ्वी को बचाने के लिए प्रतिवर्ष 22 अप्रैल को 'विश्व पृथ्वी दिवस' मनाया जाता है।

प्रकृति पिछले कुछ समय से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत देती रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर में मौसम का मिजाज किस कदर बदल रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तरी ध्रुव के तापमान में एक-दो नहीं बल्कि करीब 30 डिग्री तक की बढ़ोतरी देखी गई। मौसम की प्रतिकूलता साल दर साल किस

विश्व पृथ्वी दिवस पर विशेष

कदर बढ़ती जा रही है, यह इसी से समझा जा सकता है कि कहीं भयानक सूखा तो कहीं बेमौसम अत्यधिक वर्षा, कहीं जबरदस्त बर्फबारी तो कहीं कड़ाके की ठंड, कभी-कभार ठंड में गर्मी का अहसास तो कहीं तूफान और कहीं भयानक प्राकृतिक आपदाएं, ये सब प्रकृति के साथ हमारे खिलवाड़ के ही दुष्परिणाम हैं और हमें यह सचेत करने के लिए पर्याप्त हैं कि अगर हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है।

हालांकि प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें चेतावनी भी देती रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार हम यह समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम जो कंक्रीट के जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। पहाड़ों में बढ़ती गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब हर वर्ष बढ़ता जा रहा है।

धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा क्योंकि हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहार स्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढ़ेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सब कुछ नष्ट कर डालने में पल भर की भी देर नहीं लगेगी। करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, अब वह 40 के पार रहने लगा है। मौसम विभाग का तो अनुमान है कि अगले तीन दशकों में इन राज्यों में तापमान में वृद्धि 5 डिग्री तक दर्ज की जा सकती है और इसी प्रकार तापमान बढ़ता रहा तो एक ओर जहां जंगलों में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी, वहीं धरती का करीब 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे की चपेट में आ जाएगा तथा एक चौथाई हिस्सा रेगिस्तान बन जाएगा, जिसके दायरे में भारत सहित दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य अमेरिका, दक्षिण आस्ट्रेलिया, दक्षिण यूरोप इत्यादि आएंगे। सवाल यह है कि धरती का तापमान बढ़ते जाने के प्रमुख कारण क्या हैं? 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के मुताबिक इसका सबसे अहम कारण है ग्लोबल वार्मिंग, जो तमाम तरह की सुख-सुविधाएं व संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों की ही देन है। पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है।

कपड़ों से पहचान वाया शमशान-क़ब्रिस्तान और अब पंक्चर तक पहुंचा राजनैतिक विमर्श

भारतीय जनता पार्टी के बड़े से लेकर छोटे नेता तक जब कभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सार्वजनिक रूप से नाम लेते हैं तो उनके नाम के साथ यशस्वी शब्द ज़रूर लगाते हैं। देश को इसके पहले लंबे समय तक शासन करने वाले पंडित जवाहरलाल नेहरू व इंदिरा गाँधी जैसे प्रधानमंत्री भी मिले। परन्तु उनके नाम के साथ यशस्वी शब्द कम से कम स्थाई रूप से इसतरह चिपका हुआ नहीं देखा गया। बजाये इसके वर्तमान यशस्वी प्रधानमंत्री को कांग्रेस की सरकारों विशेषकर पंडित नेहरू की विभिन्न अवसरों पर आलोचना करते हुये ज़रूर देखा गया।

तनवीर जाफ़री

निश्चित रूप से अपने समर्थकों की नज़रों में नरेंद्र मोदी यशस्वी प्रतापी,महान,हिन्दू ह्रदय सम्राट कुछ भी हो सकते हैं। परन्तु देश का निष्पक्ष नागरिक जब यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना कांग्रेस के ही उन पूर्व प्रधान मंत्रियों से करता है जिसकी मोदी आलोचना करते हैं तो निश्चित रूप से वह पंडित नेहरू व इंदिरा गाँधी के सार्वजनिक भाषणों की भी तुलना यशस्वी प्रधानमंत्री के भाषणों व उसके मुख्य मुख्य अंशों से ज़रूर करना चाहता है। और यह भी जानना चाहता है कि मात्र बहुसंख्य वोट हासिल करने के लिये क्या कभी इन पूर्व प्रधानमंत्रियों द्वारा भी ऐसी शब्दावलियों का प्रयोग किया गया जैसी कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री द्वारा बार बार की जाती है ? क्या इसतरह के भाषण और इस स्तर की भाषा ही हमारे प्रधानमंत्री को यशस्वी प्रधानमंत्री बनाती है ?

पिछले दिनों देश के यही यशस्वी प्रधानमंत्री हरियाणा के हिसार पधारे। यहाँ एक जनसभा में वक़्फ़ कानून का ज़िक्र करते करते कुछ ऐसे शब्द उनके मुंह से निकले जिससे उनका यश रातोंरात चौगुना हो गया। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए यहाँ भी अपनी प्रिय पंच लाइन तो दोहराई ही कि कांग्रेस पार्टी वक़्फ़ को लेकर तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है। साथ ही उन्होंने यह भी कह डाला कि- वक़्फ़ की संपत्ति का अगर ईमानदारी से उपयोग हुआ होता तो मुसलमान नौजवानों को साइकिल का पंक्चर बनाकर ज़िंदगी नहीं गुज़ारनी पड़ती। इत्तेफ़ाक़ से जिसदिन प्रधानमंत्री अपने इस बेशक़ीमती वचनों के द्वारा समुदाय विशेष के युवाओं को पंक्चर बनाने वाला युवा बता रहे थे उसी दिन संविधान निर्माता बाबासाहेब की जयंती भी थी। इस बेशक़ीमती वाक्य के उनके मुंह से निकलते ही यशस्वी प्रधानमंत्री को लोगों ने ख़ासकर विपक्ष ने आईना दिखाना शुरू कर दिया।

जो प्रधानमंत्री देश के युवाओं को पकौड़ा बेचने की सलाह देते थे वही पंक्चर जैसे व्यवसाय का मज़ाक़ उड़ाते दिखाई दिये? यहाँ यह याद दिलाना ज़रूरी है कि आज की मंहगाई के समय में पंक्चर बनाने का व्यवसाय शुरू करना भी आसान नहीं है। लाखों रूपये,उपयुक्त स्थान,बिजली,एयर कम्प्रेसर,भरपूर मेहनत और भी बहुत कुछ कुछ चाहिये पंक्चर का व्यवसाय शुरू करने के लिये। वैसे भी यह रोज़गार भीख मांगने या खंजरी बजाने से तो कहीं बेहतर और इज़्ज़त वाला कारोबार है साथ ही यह वाहन चालकों को बड़ी राहत पहुँचाने वाला व्यवसाय है। याद कीजिये राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ नेता इंद्रेश कुमार ने कुछ वर्ष पूर्व इंदौर में एक कार्यक्रम में कहा था कि 'भीख मांगना भी देश के 20 करोड़ लोगों का रोज़गार है, जिन्हें किसी ने रोज़गार नहीं दिया उन लोगों को धर्म में रोज़गार मिलता है, जिस परिवार में पांच पैसे की कमाई भी न हो उस परिवार का दिव्यांग और दूसरे सदस्य धार्मिक स्थलों में भीख मांगकर परिवार का गुज़ारा करता है, ये छोटा काम नहीं है।

सुविचार

हमारे अंदर अंधकार और रोशनी दोनों है, यह हमें चुनना है कि इनमें से हम किस को महत्व देते है। – जे. के. रालिंग

मुझे आने वाले कल का भय नहीं है क्योंकि मैंने बीता हुआ कल देखा है और मुझे आज से प्यार है।

– विलियम ए व्हाइट

प्रसंग

युवक की ईमानदारी

एक बार राजा भोज अपने दरबार में बैठे थे, तभी द्वारपाल ने आकर ए सूचना दी, महाराज, एक दुबला-पतला, अत्यंत नर्धिन युवक आपसे मिलना चाहता है। हमने उससे पूछने की बहुत कोशिश की कि आखिर वह आपसे क्यों मिलना चाहता है, पर वह कुछ नहीं बता रहा । वह बस आपसे मिलने की रट लगाए हुए है। राजा भोज ने उस निर्धन युवक को बुलाने की अनुमति दे दी । वह युवक अंदर आया और राजा को नमस्कार कर बोला, महाराज, मेरी मां की तबीयत बहुत खराब है। इसलिए मैं मदद के लिए आपके पास चला आया। भोज ने यह सुनकर कहा, तुम्हारी मां का इलाज होना ही चाहिए। उन्होंने अपने खजांची से उस निर्धन युवक को एक हजार स्वर्ण मुद्राएं देने को कहा। युवक बोला, क्षमा करिए, मां की चिकित्सा के लिए पचास स्वर्ण मुद्राएं ही पर्याप्त हैं। मां के स्वस्थ होने पर मैं कोई न कोई काम अवश्य ढूंढ लूंगा। युवक की यह बात सुनकर राजा भोज समेत वहां उपस्थित सभी लोग आश्चर्यचकित रह गए। भोज बोले, युवक, मैं तुम्हें स्वेच्छा से एक हजार स्वर्ण मुद्राएं दे रहा हूं किंतु तुम उन्हें लेने से इनकार क्यों कर रहे हो? युवक ने उत्तर दिया, महाराज, मैं लेने से इनकार नहीं कर रहा किंतु इस समय मुझे वास्तव में मात्र पचास स्वर्ण मुद्राओं की आवश्यकता है। फिर मैं अधिक क्यों लूं ? राजकोष का धन भी तो हमारा ही है और यदि हम उसे व्यर्थ बर्बाद करेंगे तो अन्य जरूरतमंद व्यक्तियों को आगे धन नहीं मिल पाएगा और संभव है कि आगे चलकर आप जैसे नेक व दयालु राजा भी न हों। इसलिए हर व्यक्ति को राजकोष से उतनी ही सहायता लेनी चाहिए जितनी उसे सचमुच आवश्यकता हो।

जरा हटके

बच्चे की दवा लेने निकली महिला को अजगर ने निगला, ढूंढता रहा पति

जकार्ता,(ईएमएस)। एक विशाल अजगर ने एक महिला को जिंदा निगल लिया। हाल के दिनों में यह दूसरी घटना है। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस ने बताया 36 साल की महिला अपने बीमार बच्चे के लिए दवा लेने बाहर निकली थी। काफी देर तक वापस नहीं लौटी तो उसे ढूंढने उसका पति निकला। कुछ दूर चलने पर उसके घर से 500 मीटर देर महिला की चप्पल और पेंट नजर आई। वहीं से कूछ दूरी पर उसने देखा कि एक अजगर पड़ा है और उसका पेट फुला है।

बता दें यह घटना इंडोनेशिया के साउथ सुलावेसी प्रांत की है। यहा 36 साल की सिरियाति अपने बीमार बच्चे के लिए दवा लेने निकली थीं, लेकिन इसके बाद वह वापस नहीं लौटीं। घंटों तक पता नहीं चला तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की। पुलिस ने बताया कि पति आदियानसा को उनके घर से करीब 500 मीटर दूर उसकी चप्पल और पेंट जमीन पर पड़ी मिलीं। वहीं से कुछ ही दूरी एक अजगर था जिसका पेट फूला हुआ था।

उसने तुरंत गांववालों को बुलाया और अजगर के पेट को पकड़कर उसका पेट काटा जिसमें उसकी पत्नी को बाहर निकाला लेकिन जब तक देर हो चुकी थी उसकी पत्नी सिरियाति की मौत हो चुकी थी। यह घटना पहली नहीं है। साउथ सुलावेसी में पिछले महीने भी एक महिला को रेटिकुलेटेड पायथन ने निगल लिया था। इससे पहले 2023 में एक किसान को 8 मीटर लंबे अजगर ने निगल लिया था। 2022 में जांबी प्रांत में एक महिला को अजगर ने निगला। 2018 में 54 साल की महिला का शव 7 मीटर लंबे अजगर के पेट से निकाला था। 2017 में एक किसान को 4 मीटर लंबे अजगर ने निगल लिया था।

बता दें रेटिकुलेटेड पायथन दुनिया का सबसे लंबा अजगर माना जाता है और यह दक्षिणी एशिया में पाया जाता है। यह 20 फीट से भी ज्यादा लंबा होता है और कुछ विशेष परिस्थितियों में इंसानों को निगलने में सक्षम है। लंदन के नैचुरल हिस्ट्री म्यूजियम के मुताबिक अब तक दर्ज सबसे लंबा रेटिकुलेटेड पायथन 1912 में मिला था, जिसकी लंबाई करीब 33 फीट थी। जो कि एक जिराफ से भी लंबा था।

फोटो ऑफ द डे

टोरंटो में एक बैंड बीच लायंस ईस्टर परेड में बनी ईयर हैडफोन लगाये हुए कार्यक्रम पेश करते हुए। (फोटो-ईएमएस)

व्यंग्य

अजूबे और भी हैं इंडिया में!

–गुरमीत बेदी

अपना ताजमहल दुनिया के सात अजूबों में शुमार हो गया, इसके लिए अख़बार वालों और मोबाइल वालों का स्पैशल कोटि-कोटि थैंक्स! अपने इंडिया में मीडिया और मोबाइल नहीं होता तो पब्लिक की आवाज़ वर्ल्ड अजूबा सिलैक्शन कमेटी तक कैसे पहुँचती? (यहाँ तो सरकार के कानों तक आवाज़ पहुँच जाए तो यह अजूबा होता है) पब्लिक की आवाज़ दुनिया तक नहीं पहुँचती तो दुनिया को कैसे पता चलता कि इंडिया में भले ही पुत्र रत्न की चाहत में लोग अपने प्यार की फ़ीमेल निशानी को गर्भ में ही ख़त्म कर देते हों लेकिन शाहजहाँ के प्रेम की निशानी को अपने दिल से लगा कर रखते हैं। यानी इंडिया वालों के प्रेम के मामले में दुहरे मापदंड हैं।

या यों कह लीजिए कि इंडियन्ज अपने प्यार की बजाये दूसरों के प्रेम के प्रति ज़्यादा-ज़्यादा सैंसटिव, ज़्यादा इमोशनल और ज़्यादा ऐक्साइटमैंट वाले होते हैं। दूसरों की प्रेम कहानियों को वे भोजन के साथ सलाद के रूप में ग्रहण करते हैं। इससे उन्हें स्पेशल प्रोटीन की प्राप्ति होती है, जिससे वे ऊर्जावान बने रहते हैं। यहाँ तो कब्र में पैर लटकाए बैठे किसी बूढ़े मर्द को भी किसी के प्रेम प्रसंग का लफड़ा सुना दिया जाए तो कब्र से पाँव हटाकर अपने खुश्क होठों पर जीभ फेरने लगता है। इंडिया में जिस दिन चैनल वाले प्रोफ़ेसर मुटुकनाथ और और उनकी फ़ीमेल स्टूडैंट जूली की प्रेम कहानी की पुनरावृति के प्रसंग टी0वी0 पर दिखाते हैं, उस दिन इंडियन्ज दर्शकों के चेहरे पर शाइनिंग देखते ही बनती है। महँगाई की दुनिया से निकल कर वे प्रेम की दुनिया में पहुँच जाते हैं और यह भी भूल जाते हैं कि बच्चों की फीस भरने के लिए बटुआ जवाब दे चुका है। है न यह भी एक अजूबा! ताज्जुब की बात है कि वर्ल्ड अजूबा सेलेक्शन कमेटी की नज़र इंडिया के इस अजूबे पर क्यों नहीं पड़ी? अगर पड़ जाती तो ताज पीछे छूट जाता और शाहजहाँ व उनकी वाईफ मुमताज की आत्माएँ इस ब्रह्मांड में घूमती हुईं झुनझुने बजाती रहतीं! वैसे इंडिया में ताज के अलावा और अजूबे भी है। इनमें ताज कोरीडोर मामले की हम चर्चा नहीं करेंगे। यह लक्स कोज़ी बनियान की तरह माया और यू0पी0ए0 के बीच अंदर की बात है। ताज के अलावा अपने इंडिया में और भी कई अजूबे हैं, जिन पर हम सिलसिलेवार चर्चा करेंगे। मीडिया से हमारा विशेष अनुरोध रहेगा कि वह इन अजूबों को दूसरे फ़ालतू लफड़ों की तरह बड़ी एक्साइटमैंट के साथ हाई-लाईट करे ताकि भविष्य में जब भी दुनिया के सात अजूबों पर कोई कमेटी पुन~ विचार करने बैठे तो इंडिया के सात अजूबे ही विश्व के सात अजूबों में शामिल हो जाएँ। इससे दुनिया में इंडिया की रेपूटेशन बढ़ेगी। रेपूटेशन बढ़ने से टूरिस्टों की इंडिया में आमद बढ़ेगी, जिससे देश और देश वासियों की इकानोमी में ज़बरदस्त मज़बूती आएगी और हम वर्ल्ड बैंक व दूसरी एजैंसियों के आगे कटोरा लेकर खड़े होने के झंझट से बच जाएँगे। यह भी हो सकता है कि उल्टा वर्ल्ड बैंक व दूसरी एजैंसियाँ हमारे मुल्क के कर्णधारों के आगे कटोरा लेकर खड़ी हो जाएँ और मुल्क के कर्णधारों को फंडिंग के एवज में कमीशन खाने का बैठे-बिठाए मौका मिल जाए। ताज के अलावा इंडिया में अजूबा नंबर-टू यह है कि यहाँ के व्यवस्था तंत्र में भ्रष्टाचार ऊपर से नीचे तक समाया हुआ है और हर चुनाव में 'वोट अगेंस्ट करप्शन' का नारा उछलने के बाबजूद व्यवस्था तंत्र पीसा की मीनार की तरह वहीं का वहीं जमा रहता है।

चिंतन-मनन

मृत्यु का अर्थ

मृत्यु एक शात सत्य है। यह अनुभूति प्रत्यक्ष प्रमाणित है, फिर भी इसके संबंध में कोई दर्शन नहीं है। अब तक जितने ऋषि-महर्षि या संत-महंत हुए हैं, उन्होंने जीवन दर्शन की चर्चा की है। जीवन के बारे में ऐसी अनेक दृष्टियां उपलब्ध हैं जिनसे जीवन को सही रूप में समझा जा सकता है और जिया जा सकता है। किंतु मृत्युक को एक अवश्यंभावी घटना मात्र मानकर उपेक्षित कर दिया गया। मृत्यु के पीछ भी कोई दर्शन है, इस रहस्य को अधिक लोग पकड़ ही नहीं पाए। यही कारण है कि जीवन दर्शन की भांति मृत्यु दर्शन जीवन में उपयोगी नहीं बन सका।

जैन दर्शन एक ऐसा दर्शन है जिसने जीवन को जितना महत्व दिया, उतना ही महत्व मृत्यु को दिया। बशत्रे कि वह कलात्मक हो। कलात्मक जीवन जीने वाला व्यक्ति जीवन की सब विसंगतियों के मध्य जीता हुआ भी उसका सार तत्व खींच लेता है। इसी प्रकार मृत्यु की कला समझने वाला व्यक्ति भी मृत्यु से भयभीत न होकर उसे चुनौती देता है। जैन दर्शन में इसका सर्वांगीण विवेचन उपलब्ध है। मृत्यु का अर्थ है- आयुष्य प्राण चुक जाने पर जीव का स्थूल शरीर से वियोग।इसके कई प्रकार हैं। उन सबका संक्षिप्त वर्गीकरण किया जाए तो मृत्यु के दो प्रकार होते हैं- बाल मरण और पंडित मरण. असंयम और असमाधिमय मरण बाल मरण है।अकाल मृत्यु, आत्महत्या, अज्ञान मरण आदि सभी प्रकार के मरण बाल मरण में अंतर्निहित हैं। संयम और समाधिमय मृत्यु पंडित मरण है। जीवन के अंतिम क्षणों में भी संयम और समाधि का स्पर्श हो जाए तो वह मरण पंडित मरण की गणना में आ जाता है। कुछ व्यक्ति मौत के नाम से ही घबराते हैं।

रोचक

वैज्ञानिकों ने किया लैब में असली दांत उगाने का दावा

लंदन (ईएमएस)। वैज्ञानिकों ने अब लैब में असली दांत उगाने का दावा किया है। किंग्स कॉलेज लंदन के वैज्ञानिकों ने इस क्रांतिकारी शोध में सफलता पाई है, और अब उनका लक्ष्य यह है कि ये दांत इंसानों के जबड़े में स्वाभाविक रूप से उग आएं। इसका मतलब यह है कि भविष्य में दांत खोने पर नकली दांतों या इम्प्लांट की आवश्यकता नहीं होगी, क्योंकि दांत अपने आप वापस उग आएंगे। वैज्ञानिकों का कहना है कि इंसान के दूध के दांत गिरने के बाद एक बार जब नए दांत आते हैं, उसके बाद दांत फिर से नहीं उगते। यही कारण है कि लोग खराब दांतों को ठीक करने के लिए इम्प्लांट करवाते हैं। लेकिन अब इस नई शोध के बाद, इम्प्लांट की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। किंग्स कॉलेज लंदन की एक टीम ने एक ऐसा मैटेरियल विकसित किया है, जो दांतों के उगने के लिए आवश्यक उपयुक्त वातावरण तैयार कर सकता है। यह पदार्थ दिमाग को संकेत देता है, जिससे कोशिकाएं दांतों के विकास की प्रक्रिया शुरू कर देती हैं। इस शोध के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. एना एंजेलोवा का कहना है कि अब तक दांतों को दोबारा उगाने की कोशिशें कई बार की गई थीं, लेकिन सफलता नहीं मिली थी। हालांकि, इस बार लैब में दांत उगाने में सफलता मिली है, जो डेंटल केयर के क्षेत्र में एक बड़ा कदम साबित हो सकता है। जब किसी का दांत टूटता है या खराब हो जाता है, तो आजकल लोग फिलिंग या नकली दांतों का सहारा लेते हैं।

सीहोर क्लब ने सीहोर चिल्ड्रन को 2-1 से हराया

सीहोर, ईएमएस। शहर के चर्च मैदान पर ब्लाक स्तरीय प्रतियोगिता के अलावा निशुल्क फुटबाल प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत बड़ी संख्या में इच्छुक खिलाड़ी यहां पर आते है और उनके जिला फुटबाल एसोसिएशन के सचिव मनोज कन्नोजिया और प्रभारी आनंद उपाध्याय द्वारा शामिल प्रशिक्षकों के द्वारा खेल की बारीकियों से अवगत किया जा रहा है।

प्रदेश आसपास

सामूहिक उपनयन संस्कार को लेकर बैठक

मैहर, ईएमएस। श्रीराम जानकी बड़ा अखाड़ा आश्रम में लगातार निःशुल्क सामूहिक उपनयन संस्कार का आयोजन किया जा रहा है। हाल ही में आश्रम द्वारा 111 विप्र बंधुओं का विधिपूर्वक उपनयन संस्कार सम्पन्न कराया गया था। हालांकि इसके बावजूद कई विप्र बंधु ऐसे हैं जिनका उपनयन अभी शेष है। यह जानकारी मिलने पर आश्रम के संत सीताबल्लभ शरण जू महाराज ने पुनःनिशुल्क उपनयन संस्कार आयोजित करने का निर्णय लिया है।

फटाफट खबरें

जैन समाज ने रैली निकालकर राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

सिरोंज, ईएमएस। जैन समाज द्वारा रविवार को मुख्य बाजार में रैली के रूप में थाने पहुंचकर राष्टपति के नाम एसडीएम हर्षल चौधरी को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मुबंई में श्री पाश्वनाथ जैन मंदिर को महानगर पालिका द्वारा साजिश पूर्वक विध्वंस करना व बिहार के सिंगरोली में जैन संतो पर प्राणघातक हमला करने और नीमच में जैन साधुओं पर हमला व जबलपुर में अभद्र टिप्पणी करने से जैन समाज काफी दुखी व निराश है। ज्ञापन में दोषी अधिकारियों पर कार्यवाही कर मंदिर निर्माण की मांग कि गयी। इसदौरान सुनील जैन, राजेश जैन, अंशुल जैन, जितेन्द्र जैन आदि बडी संख्या में समाजजन व महिलाऐं शामिल रही।

लघु वेतन कर्मचारी संघ समस्याओं को लेकर सौंपेगा ज्ञापन

मैहर, ईएमएस। मध्यप्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ के तत्वाधान में कल 23 अप्रैल बुधवार को कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री, प्रमुख सचिव, प्रमुख सचिव वित्त विभाग भोपाल के नाम से कलेक्टर मैहर को ज्ञापन दिया जाएगा। प्रदेश में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, स्थाई कमज, दैनिक वेतन भोगी, नगर पालिका एवं नगर पंचायत कर्मचारी, जनजाति कार्य विभाग, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, आशा.ऊषा सहयोगी, सुपरवाइजर, अंशकालीन एवं मिड डे मील में कार्यरत रसोईया, लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, वन विभाग, जल संसाधन विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य विभाग समस्याओं को लेकर 15 सूत्रीय मांग कलेक्टर मैहर को सौपा जाएगा।

जिला पंचायत सीईओ ने जल गंगा संवर्धन अभियान के निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

अशोकनगर, ईएमएस। कलेक्टर आदित्य सिंह के मार्गदर्शन में जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान का आयोजन 30 जून तक किया जा रहा है। इस अभियान के तहत जल संरचनाओं को संरक्षित एवं जीर्णोद्धार का कार्य सम्पूर्ण जिले में किये जा रहे है। इसी क्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजेश जैन द्वारा जनपद पंचायत अशोकनगर की विभिन्न ग्राम पंचायतों में पहुंचकर जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत किये जा रहे कार्यो का मौके पर पहुंचकर मुआयना किया। उन्होंने ग्राम पंचायत खिरिया गुहास एवं ग्राम पंचायत सिरसी पछार में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत तालाब गहरीकरण, श्रमदान, बच्चो के साथ रैली, शपथ कार्यक्रम में भाग लिया।

खाद की पर्याप्त उपलब्धता होगी सुनिश्चितः कलेक्टर

कृषकों को समय पर मिलेगी पर्याप्त खाद, खाद की व्यवस्था होगी सुदृढ़

अशोकनगर, ईएमएस।

जिले में खरीफ सीजन 2025 के लिए किसानों को खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कराई जायेगी। कृषकों को समय पर पर्याप्त मात्रा में खाद मिले। इस हेतु सभी व्यवस्थाएं सुदृढ़ कराई जायेगी। यह बात कलेक्टर आदित्य सिंह ने जिले में खाद व्यवस्था के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कही। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि जिले में खाद वितरण की व्यवस्था बेहतर हो, जिससे किसानों को खाद के लिए किसी भी प्रकार परेशानी न हो।

किसानों को खरीफ सीजन 2025 के लिए पर्याप्त खाद उपलब्ध कराने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। कलेक्टर आदित्य सिंह ने अधिकारियों को खाद वितरण व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश दिए हैं। जिला विपणन अधिकारी के अनुसार, इस सप्ताह कई महत्वपूर्ण आपूर्तियां होने वाली हैं। पी.पी.एल. कंपनी से 600 मीट्रिक टन डीएपी और 146 मीट्रिक टन कॉम्प्लेक्स खाद प्राप्त होगी। चंबल फर्टिलाइजर्स से 630 मीट्रिक टन एनपीके और एनएफएल से 340 मीट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति होगी। डीएपी का वितरण विभिन्न केंद्रों पर किया जाएगा। अशोकनगर डबल लॉक केंद्र को 400 मीट्रिक टन, मुंगावली को 50 मीट्रिक टन, पिपरई को 50 मीट्रिक टन और एमपी एग्रो अशोकनगर को 50 मीट्रिक टन डीएपी मिलेगी। इसके अतिरिक्त, अशोकनगर केंद्र को 146 मीट्रिक टन कॉम्प्लेक्स खाद भी प्राप्त होगी। एनपीके का वितरण भी निर्धारित है। अशोकनगर डबल लॉक केंद्र को 400 मीट्रिक टन, मुंगावली को 100 मीट्रिक टन, पिपरई को 80 मीट्रिक टन और एमपी एग्रो को 50 मीट्रिक टन की आपूर्ति होगी।

तीन डबल लॉक केंद्रों पर 7300 मीट्रिक टन यूरिया का भंडारण

वर्तमान में जिले के तीन डबल लॉक केंद्रों पर 7300 मीट्रिक टन यूरिया का भंडारण है। डीएपी मुंगावली में 112 मीट्रिक टन और पिपरई में 130 मीट्रिक टन उपलब्ध है। इसके अलावा 115 मीट्रिक टन टीएसपी और 410 मीट्रिक टन कॉम्प्लेक्स खाद का भंडारण भी मौजूद है।

विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

अशोकनगर, ईएमएस। मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश सतीश चन्द्र शर्मा के मार्गदर्शन में व जिला न्यायाधीश संजीव सिंघल, जिला न्यायाधीश उपदेश कुमार राठौर, सचिव मनीष अनुरागी एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी हेमंत कुशवाह की उपस्थिति में सोमवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अशोकनगर में 10 मई 2025 को आयोजित नेशनल लोक अदालत के संबंध में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक सह विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया है। उक्त शिविर में उपस्थित महिला आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को नेशनल लोक अदालत एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की कार्यशैली पर विस्तृत रूप से बताई गई।

▸ पट्टाधारी किसान को उसी की जमीन से मारपीट कर भगाया

पीड़ित का आरोप राजपुर नायब तहसीलदार ने भू-माफिया से मिलकर बनाई गलत रिपोर्ट, बोला..

अगर मुझे मेरी जमीन नहीं मिली तो परिवार के साथ कर लूंगा आत्महत्या

अशोकनगर, ईएमएस।

पूरे जिले में भू- माफिया प्रशासन पर हावी है, और जहां भी शासकीय भूमि नजर आती है, कब्जा कर लेते हैं। इतना ही नहीं राजस्व अधिकारियों से मिलकर गरीबों की पट्टेकी भूमि भी जबरिया हड़प रहे हैं। सोमवार को इसी तरह का एक मामला ग्राम राजपुर से सामने आया है जिसमें पट्टाधारी गुड्डा पुत्र बारे लाल कोरी निवासी ग्राम राजपुर तहसील अशोकनगर ने बताया कि उसका पट्टा कंप्यूटर पर चढ़ा ना होने की वजह से, गांव के दबंग भू-माफिया ने उसे उसी की जमीन पर से मारपीट कर भगा दिया और कहा कि जा कंप्यूटर पर पट्टा चढ़वा ले, इसके बाद आना। इतना ही नहीं दबंग भू-माफिया, उसकी जमीन पर दबंगई से मकान बना रहा है। पीड़ित पट्टाधारी, सोमवार को भूखा प्यासा कलेक्टर से मिलने के इंतजार में कलेक्ट्रेट में धरने पर बैठ गया। पीड़ित पट्टाधारी ने बताया कि उसने पट्टा कम्प्यूटर पर चढवाये जाने के संबंध में कलेक्टर कार्यालय में आवेदन देकर कई बार अवगत कराया। लेकिन फिर भी मेरा पट्टा कंप्यूटर पर नहीं चढ़ा।

वर्ष 2002 में दिया गया था पट्टाः गुड्डा पुत्र बारेलाल कोरी को ग्राम राजपुर में शासन द्वारा एक

पट्टा वर्ष 2002 में दिया गया था। जिसका सीमांकन कर शासन द्वारा मुझे कब्जा भी दे दिया गया था। मैं मौके पर काबिज भी हूं, लेकिन किसी कारण वश या भुल वश मेरा पट्टा कम्प्यूटर पर दर्ज नहीं हो पाया है, तब मुझे मालुम हुआ कि मेरी भूमि कम्प्यूटर पर मेरे नाम पर दर्ज नहीं है। वह शासकीय भूमि के नाम से निकल रही है, तो फिर मैंने मेरा पट्टा कम्प्यूटर पर चढ़वाये जाने, पट्टा एवं समस्त दस्तावेज लगाकर तहसीलदार के यहां विधिवत दावा किया। जिसका प्रकरण क्रमांक 0001/बी-2021/2021-22 है। नायब तहसीलदार वृत राजपुर द्वारा भू-माफियाओं से मिलकर मेरी गलत रिपोर्ट लगाई गई है, कि मैं मौके पर काबिज नहीं हूं। जबकि मौका पर आज भी मेरा कब्जा है, एसडीएम द्वारा सही टीप लगाई गई। कलेक्टर द्वारा भी टीप लगाकर निष्पक्ष जानकारी मांगी गई। लेकिन नायब तहसीलदार मयंक द्वारा मेरी भूमि की गलत रिपोर्ट लगाई गई है। वह भू- माफियाओं से मिले हुए हैं। मेरी जमीन को भू-माफियाओं को गलत सीमांकन कर बार-बार दी जाती है। मैं कई कलेक्टर, एसडीएम को आवेदन दे चुका हूं। मैं बहुत ही गरीब हूं, इसके अलावा मेरे पास कोई भूमि नहीं है। मेरे बच्चे मजदूरी कर पेट पालन कर रहे है। अगर मेरी जमीन मुझे नहीं मिली तो मैं परिवार सहित आत्महत्या करने को मजबूर होऊंगा। जिसकी जबाब देही शासन होगी।

12 बार दिए आवेदन

गुड्डा पुत्र बारे लाल कोरी ने बताया कि आवेदन दिनांक 17.09.2024, 24 09 2024, 01.10.2024, 06.08.2024. 16.09.2024, 15.10.2024, 15.10.2024, 01.01.2024, 05 04.2024, 10.07.2024, 17.07.2024, 04.11.2024 को जनसुनवाई में कई बार आवेदन देकर अवगत करा चुका हूं। लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई।

कलौंजी की खेती हेतु एक दिवसीय वन समितियों का प्रशिक्षण आयोजित

अशोकनगर, ईएमएस। राज्य औषधि पादप बोर्ड मध्यप्रदेश शासन देवारण्य योजना अन्तर्गत एक जिला एक औषधीय उत्पाद योजना अन्तर्गत आयुष विभाग अशोकनगर द्वारा औषधीय पौधों की खेती कलौंजी जो कि एक औषधि व मसाला पौध है, की खेती का एक दिवसीय वन समितियों का प्रशिक्षण ईसागढ़ के ग्राम ढाकोनी में मास्टर ट्रेनरों द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण में वन समितियों को कलौंजी के बारे में कृषि, संग्रहण, भंडारण विपणन, विक्रय आदि विषयों पर प्रशिक्षण दिया। महेश शर्मा (रिट. रेंजर) वन विभाग, डॉ. दीपक उपाध्याय द्वारा औषधीय फसलों की तैयारी के बारे में एवं उत्पादन के बारे में समस्त जानकारी प्रदान की, डॉ. कपिल रघुवंशी के द्वारा औषधीयों की उपर्युक्त ता के सम्बंध में जानकारी दी गई, भारती परिहार द्वारा औषधीय फसलों के लाभ के बारे में बताया गया। तथा मौसम के अनुसार औषधीय फसलों के उत्पादन के बारे में बताया गया। प्रशिक्षण में 50 से अधिक वन विभाग के एसएचजी बन्धन ग्रुप वन समितियों के सदस्य सम्मिलित हुए। प्रशिक्षण में रहीष घोष, देवेन्द्र राठौर, लक्ष्मीकांत त्रिवेदी, दशरथ केवट राजकुमार रघुवंशी का सहयोग रहा, डिप्टी रेंजर वन विभाग विनोद कलावत द्वारा भी प्रशिक्षण दिया गया।

अग्नि पीड़ितों की मदद को उठे हजारों हाथ

भाजपा कार्यकर्ताओं ने नगर में दुकानों पर घूम कर इकट्ठी की सहयोग राशि

नसरूल्लागंज-भैरूंदा, ईएमएस। शनिवार को नगर के जे पी मार्केट में हुआ अग्नि कांड अपने पीछे अनेकों कहानियां छोड़ गया है जब तक प्रभावित अपनी दुकानों के नवनिर्माण के साथ अपना नव व्यापार शुरू नहीं कर देते तब तक नित नई कहानियां इस अग्निकांड के काले अध्याय में जुड़ती चली जाएगी।

आज भाजपा नेता रघुनाथ भाटी, चन्द्र कांत खंडेलवाल, आशीष शर्मा महेंद्र परिहार एवं अन्य कार्यकर्ता नगर की अन्य दुकानों पर पहुंचे और अग्नि पीड़ितों के लिए सहयोग राशि एकत्र की। सहयोग राशि एकत्र करने का सिलसिला जारी है। मुस्लिम भाई भी अग्नि पीड़ितों के लिए सहयोग राशि एकत्र कर रहे हैं जो सामूहिक रूप से अग्निकांड के प्रभावित तीनों दुकानदारों के बीच बांटी जाएगी।

लगभग दस लाख की राशि कल विधायक रमाकांत भार्गव की उपस्थिति में एकत्रित की जा चुकी थी।एस डी एम मदन सिंह रघुवंशी की मानवीय पहल पर कर्मचारी वर्ग भी राशि एकत्र कर रहे हैं। आज नगर परिषद की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक वहां के कर्मचारियों द्वारा भी एक लाख से अधिक की राशि एकत्रित कर ली गई है। मुख्यमंत्री सहायता कोष से राशि दिलाने के लिए भी विधायक जी प्रयास करेंगे।

सभी राशि एकत्रित होने के बाद प्रभावित व्यापारियों के मध्य वितरित की जाएगी। नगर परिषद के सफाई कर्मचारी,जान पर खेलकर आग बुझाने में जुटे फायर कर्मी, आसपास की फायर ब्रिगेड उनपर तैनात कर्मचारी, आपरेटर, सी ईओ प्रबल अरजरिया के निर्देश पर टैंकर लेकर पहुंचे पंचायत सचिव पुलिस कर्मी नगर के वह सभी नागरिक जिन्होंने प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से आग पर काबू पाने में सहयोग किया बधाई के पात्र हैं।

हमारे प्रशासनिक सिस्टम ने यदि आए दिन हो रही आग की घटनाओं से सबक लिया होता तो बीच बाजार में इतना वीभत्स अग्निकांड नहीं होता जो भैरूंदा के इतिहास में अब तक की बहुत बड़ी घटना है। शिवराज जी द्वारा मुख्यमंत्री रहते हुए कुबेर की भांति इस परिषद नगर एवं क्षेत्र को भरपूर धनराशि दी गई लेकिन दुर्भाग्य हमारे जनप्रतिनिधि , अधिकारी अग्निशामक उपकरणों की जगह कचरा गाड़ी इसलिए खरीदते हैं कि स्वच्छता में नं वन आना है, कमीशन खाना है। लेकिन नगर की आवश्यकता की ओर ध्यान नहीं देना ।

मध्य प्रदेश मीडिया संघ के तत्वाधान में निशुल्क मधुमेह जांच एवं उपचार शिविर हुआ आयोजित

सिरोंज, ईएमएस।

मध्य प्रदेश मीडिया संघ के ब्लॉक अध्यक्ष सलमान अमीन के द्वारा 360 डिग्री डायबिटीज केयर के तत्वाधान में निशुल्क मधुमेह जांच एवं उपचार शिविर लटेरी रोड स्थित मंशापूरन मंदिर के सामने मुन्ना भाई के मकान में शिविर आयोजित किया गया जिसमें भोपाल की प्रसिद्ध डॉक्टर सचिन चितावर द्वारा नगर के लोगों को डायबिटीज के इलाज के बारे में जानकारी दी और निशुल्क उपचार दिया गया। शिविर में डायबिटीज थायराइड मोटापा ग्रोथ हार्मोन की कमी पर चेहरे पर अनचाहे बाल होने वाले काफी मरीज का निशुल्क उपचार दिया गया एवं निशुल्क जांच बीपी शुगर की जांच की गई । भोपाल की प्रसिद्ध डॉक्टर डॉ सचिन चितावर ने उपस्थित मरीजों से बातचीत करते हुए बताया कि बीपी शुगर कंट्रोल रखने के लिए खान-पान पर ध्यान देने की काफी आवश्यकता है एक बार में पूरी तरह पेट भरकर भोजन न करें और समय पर सोए और समय पर उठकर एक्सरसाइज टहलना आदि के बारे में जानकारी दी गई। श्री सचिन ने बताया कि आजकल शुगर के पेशेंट काफी तादात में बढ़ रहे हैं इसका सीधा-सीधा उदाहरण खान-पान पर ध्यान ना देना बाजार में बिक रही खाद्य सामग्री पर भी हमें ध्यान देना चाहिए अच्छी क्वालिटी की सामान खरीद कर ही इस्तेमाल करना चाहिए। इस दौरान नगर के काफी लोगों ने इस निशुल्क शहर में अपना उपचार कराया। इस दौरान आयोजन सैयद अमीरुद्दीन यासीन अली मंसूर अली महेश कोहली ने निशुल्क शिवा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

पुलिस ने 10 जुआरियों को पकड़ा 1 लाख 82 हजार रूपए जब्त

देवास, ईएमएस। नेमावर बायपास के पास गुराडिया के एक खेत से पुलिस ने 10 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। रविवार देर रात एसडीओपी आदित्य तिवारी के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पुलिस ने आरोपियों से 1 लाख 82 हजार रुपए नकद जब्त किए हैं। पुख्ता मुखबिर सूचना के आधार पर दिनांक 21.04.2025 की रात्री 03.30 बजे थाना नेमावर टीम के द्वारा ग्राम गुराडिया इंदौर-हरदा हाईवे बायपास पर दबिश देकर कुल 10 जुआरियों को दबौचा एवं जुआ फड से कुल करीब 1,82,950/- रूपये जप्त किये गये। जिला पुलिस देवास श्री पुनीत गेहलोद के द्वारा संगठित अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने हेतु सम्पूर्ण जिले में ऑपरेशन प्रहार प्रारंभ किया गया है। जिसके अंतर्गत अवैध जुआ/सटटे के अपराध में संलिप्त बदमाशों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जा रही है।इसी क्रमें थाना नेमावर पर मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम गुराडिया में कुछ व्यक्तियों द्वारा अवैध रूप से जुआ संचालित हो रहा है। जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्रीमती सौम्या जैन के मार्गदर्शन पर अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) कन्नौद श्री आदित्य तिवारी के निर्देशन एवं थाना प्रभारी नेमावर दर्शना मुजाल्दे के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम द्वारा लगभग 03 किमी पैदल चलकर एवं क्रोलिंग करते हुए मुखबीर द्वारा बताये स्थान पर पहुंचकर घेराबंदी कर दबिश दी गई एवं अवैध रूप से जुआ खेलते 10 आरोपीगणो को पकड़ा गया जिनसे कुल 1,82,950 रुपये नगद जप्त किये गये। निम्न आरोपीगणो के विरूद्व जुआ एक्ट के अंतर्गत कार्यवाही कर अपराध क्रं. 130/2025 धारा 13 जुआ एक्ट का अपराध पंजीबद्व कर विवेचना मे लिया गया ।

कमिश्नर रीवा के जांच आदेश का आखिर क्यों नहीं हो रहा पालन ?

मामला दामोदर रोपवे मैहर का

मैहर, ईएमएस। शिकायतकर्ता तारकेश्वर तिवारी ने उच्च न्यायालय जबलपुर के समक्ष रिट याचिका क्रमांक 7190/2023 प्रस्तुत की गई थी। उच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 6/4/2023 को आदेश पारित कर श्री तिवारी के शिकायती आवेदनों के संबंध में मध्यप्रदेश मां शारदा देवी मंदिर अधिनियम 2002 की धारा 25 के प्रावधानों के तहत निराकरण कर आदेश पारित करते हुए कमिश्नर रीवा संभाग को निर्देशित किया गया था। उच्च न्यायालय जबलपुर के आदेश के परिपालन में कमिश्नर रीवा द्वारा जांच टीम गठित कर शिकायतकर्ता के आरोपों की जांच कराई गई।

दिनांक 31 जनवरी 2025 को कमिश्नर रीवा ने इस संबंध में बिंदुवार जानकारी देते हुए आदेश किया कि सितंबर 2009 से अगस्त 2015 तक की वास्तविक आय एवं सितंबर 2009 से अगस्त 2021 तक वास्तविक अनुमत्य व्यय की जानकारी रोपवे प्रबंधन द्वारा जांच दल को उपलब्ध नहीं कराया गया जिससे उद्यमी का वास्तविक लागत पे आउट पीरियड का निर्धारण संभव नहीं हो पाया। और दामोदर रोपवे प्रबंधन के प्रतिनिधि द्वारा आगामी मीटिंग में यथा संभव अधिकतम आंकड़े जानकारी देने का आश्वसन दिया गया था परंतु अद्यतन वास्तविक आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए गए। कैशफ्लो के माध्यम से बताया गया कि माह जुलाई 2023 की स्थिति में प्रमोटर (रोपवे प्रबंधन) की निवेशित राशि की वसूली 1697 लाख बकाया है। रोपवे 7.50 करोड़ की निर्माण लागत के विरुद्ध 80 करोड़ आय होने जिसमें से मंदिर समिति को मात्र 19.61 करोड़ रॉयल्टी प्रदान की गई। शेष राशि रुपए 60 करोड़ स्वयं रखने के बावजूद भी लागत वसूली हेतु 17 करोड़ बकाया दर्शाया जाना वास्तविकता से अत्यंत परे है। रॉयल्टी भुगतान संबंधी प्रावधान अनुसार अर्ध वार्षिक अवधि पूर्ण होने के एक माह के भीतर राशि मंदिर समिति में जमा किया जाना था जिसमें विभिन्न अवसरों पर अतिरिक्त विलंब होने के कारण मंदिर समिति को समय पर प्राप्त होने वाली राशि पर प्राप्त होने वाली ब्याज राशि रुपए 5,82,716 की क्षति कारित हुई है।

बैंक से लिए गए लोन, ब्याज की दर, वापस की गई राशि संबंधी जानकारी जांच दल के साथ साझा नहीं करने के संबंध में रोपवे प्रबंधन की मंशा स्पष्ट नहीं है। प्रथम 6 वर्षों की वास्तविक आय अप्रस्तुत रहने से उपलब्ध आंशिक आंकड़ों के आधार पर लिए संभावित आय 2802.28 लाख मानी गई है। ऐसी स्थिति 8 वर्षों में प्रस्तावित से अधिक आय होने से रोपवे निर्माण की लागत राशि 7,95,78,428 (सीए रिपोर्ट के आधार पर) परंतु वर्ष 2006 में संशोधित प्रस्ताव अनुसार अनुमत्य 750 लाख प्रथम 8 वर्ष में ही वसूल हो जाने की पूर्ण संभावना है।

युवा कांग्रेस के चुनाव का ऐलान, 27 से शुरु होगी नामांकन प्रक्रिया

खरगोन, ईएमएस। मध्यप्रदेश में यूथ कांग्रेस चुनावों का ऐलान कर दिया गया है। जिसमें प्रदेश अध्यक्ष से लेकर विधानसभा अध्यक्ष तक का चुनाव होगा। पहली बार ब्लॉक अध्यक्ष का भी सीधे चुनाव होगा। सदस्य प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश महासचिव, जिला अध्यक्ष, विधानसभा अध्यक्ष, ब्लाक अध्यक्ष के लिए मतदान करेंगे। चुनाव प्रक्रिया 27 अप्रैल से शुरु होगी। यह जानकारी जिला कांग्रेस कार्यालय पर आयोजित बैठक में पर्यवेक्षक रितिक शुक्ला ने पत्रकारों से साझा करते हुए दी।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष रवि नाईक ने बताया अब ऐसा दौर शुरू हो रहा है, जब पार्टी के युवा नेता सीधे चुनाव के माध्यम से चुने जाएंगे, न कि उन्हें नामांकित किया जाएगा। जिला युवक कांग्रेस के अध्यक्ष प्रशांत भालसे ने भी संबोधित किया।

27 अप्रैल से 6 मई तक नामांकन

चुनाव प्रक्रिया के लिए एक डिजिटल ऐप लॉन्च किया गया है। जिसमें 27 अप्रैल 2025 से 6 मई 2025 तक नामांकन चलेगा। दावा आपत्ति 28 अप्रैल से 7 मई तक स्वीकार की जाएगी। 11 मई 2025 को उम्मीदवारों की अंतिम सूची का प्रकाशन किया जाएगा जिसके बाद मतदान प्रकिया प्रारम्भ होगी। प्रत्येक स्तर पर आरक्षित सीटें भी निर्धारित की गई है।

▸ 1975 से हो रहा हरे राम, हरे कृष्णा संकीर्तन, महोत्सव के रुप में मन रही 50वीं वर्षगांठ

वृंदावन की तर्ज पर सज रहा ग्राम टेमला, 5 से 11 अप्रैल तक होगी श्रीमद् भागवत कथा के साथ ही रासलीला

खरगोन, ईएमए। जिला मुख्यालय से करीब 10 किमी दूर स्थित ग्राम टेमला इन दिनों सनातन धर्मावलंबियों की आस्था का केंद्र बना हुआ है। यहां 5 से 11 अप्रैल तक होने वाली संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के साथ ही रात्रि में होने वाली भगवान श्रीकृष्ण के जीवन को जीवंत रुप में प्रस्तुत करने वाली रासलीला महोत्सव को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारियां चल रही है। समूचा गांव आयोजक बना हुआ है और आयोजन स्थल के साथ ही समूचे ग्राम को ब्रजधाम के रुप में सजाया जा रहा है।

आयोजन को लेकर 29 समितियां गठित की गई। रविवार को समिति की बैठक आयोजित की गई। समिति के पदाधिकारी एवं विधायक बालकृष्ण पाटीदार ने बताया कि ग्राम के श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर में वर्ष 1975 में आचार्य बालकृष्ण शर्मा वृंदावन का ग्राम में प्रवास हुआ था। उन्हीं की प्रेरणा से वैशाख माह के दौरान सवा माह के लिए हरे राम, हरे कृष्ण संकीर्तन की शुरुआत की थी, जो अनवरत जारी है। यह

धार्मिक आयोजन श्रीकृष्ण चैतन्य समिति के पिछले 49 वर्षों से चल रहे वार्षिक संकीर्तन के स्वर्ण जयंती महोत्सव के तहत किया जा रहा है।

एक साल से चल रही तैयारियां : बैठक में समिति के नीतिन पाटीदार ने बताया कि संकीर्तन के 49 वर्ष पूर्ण होने पर गत वर्ष 2024 में समिति सदस्यों की बैठक हुई, जिसमें सर्वसम्मति से वर्ष 2025 तक वार्षिक महोत्सव मनाने का निर्णय लिया गया, इस महोत्सव के निमित्त यह कथा और रासलीला का आयोजन हो रहा है। इस महोत्सव में अधिक से अधिक लोग शामिल हो इसके लिए समिति सदस्य अपने-अपने स्तर पर गांव- गांव प्रचार प्रसार करें।

पंडित पाराशर सुनाएंगे कथा, श्री शर्मा करेंगे रासलीला का मंचन : आयोजन समिति के प्रवक्ता राम्या पाटीदार ने बताया कि कथा के निमित्त दो माह पूर्व बैठक आयोजित की गई, जिसमें सर्वसम्मति से प्रख्यात कथावाचक डॉ. श्याम सुंदर पाराशर के मुखारविंद से संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा एवं श्री कुंज बिहारी शर्मा द्वारा रासलीला मंचन के धार्मिक आयोजन का निर्णय लिया गया। यह कथा 5 से 11 अप्रैल तक रोजाना दोपहर 1 बजे से 4 बजे तक होगी, जबकि रात्रि में भगवान श्रीकृष्ण का जीवन चरित्र रासलीला के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। जबकि 12 अप्रैल को पुर्णाहुति एवं भंडारे का आयोजन होगा। उक्त आयोजन की तैयारियों के लिए 29 समितियां गठित की है जो लगातार आयोजन के प्रचार-प्रसार के साथ ही वातानुकूलित पंडाल तैयार करने में जुटे है। गर्मी को देखते हुए पंखे, कूलर और एसी इंस्टॉल किए जा रहे हैं तथा हर 10 कदम पर पीने के पानी की व्यवस्था भी होगी।

5 माह पहले गुम हुई थी नाबालिग, महाराष्ट्र के पूणे से की दस्तयाब

खरगोन, ईएमएस। करीब 5 माह पहले कसरावद थानाक्षेत्र से लापता हुई नाबालिग को पुलिस ने महाराष्ट्र राज्य के पुणे से बरामद कर लिया है। बालिका की खोज पुलिस महाराष्ट्र और गुजरात में कर रही थी। इस मामले में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया था, जो नाबालिग को बहलाकर साथ ले गया था। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार 19 नवंबर 2024 को गुम हुई नाबालिक बालिका की सूचना पर प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। बालिका की तलाश के दौरान कोई अज्ञात बहला.फुसलाकर अपने साथ ले जाने की सूचना मिली, जिसके आधार पर गुजरात और महाराष्ट्र में अलग- अलग टीमें लाश में भेजी गई थी। अंततः बालिका गुजरात में न मिलते हुए पुणे महाराष्ट्र से संदेही अनुज पिता हाबू निवासी सादड़बंद के कब्जे से अपहर्ता को छुड़वाकर परिजनों के सुपुर्द किया गया। अनुज को गिरफ्तार किया जाकर उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां से आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

भीषण गर्मी का असर अस्पताल में बढ़ी बच्चा मरीजों की संख्या

बुरहानपुर, ईएमएस।

अप्रैल माह का दूसरा पखवाड़ा तेज गर्मी और चिलचिलाती धूप से तप रहा है पारा 43 डिग्री पार कर चुका है जिससे बड़े बुजुर्गों और छोटे बच्चों में पानी की कमी के चलते जिला अस्पताल में मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है।

बच्चा वार्ड इन दिनों अपनी क्षमता से अधिक भर चुका है यहां उल्टी दस्त और शरीर में पानी की कमी के मरीज भर्ती है पलंग कम पडने पर अब एक पलंग पर 2 बच्चों को भर्ती किया जा रहा है, जिस के चलते वार्ड फूल है उस पर सितम यह की ऐसे में वार्ड में रखे कूलर भी बंद है जिससे मरीजों और उनके परिजनों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। 32 करोड़ के इस जिला अस्पताल में मरीजों की सुविधाओं को प्रबंधन द्वारा नजर अंदाज किया जा रहा है जहां एक बेड पर दो बच्चों का उपचार एक साथ किया जा रहा है वहीं कूलर बंद होने से पंखों की गर्म हवा उपचार में बाधा उत्पन्न कर रही है, मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं और अस्पताल प्रबंधन की अनदेखी को लेकर जिला कलेक्टर के द्वारा डिप्टी कलेक्टर स्तर के अधिकारी को नोडल अधिकारी बनाया गया है इसके बाद भी प्रबंधन व्यवस्थाओं में सुधार नही ला रहा है।

उच्च मांग से जिंक वायदा कीमतों में तेजी

नई दिल्ली (ईएमएस)। हाजिर मांग में तेजी के बीच वायदा कारोबार में सोमवार को जस्ता की कीमत 80 पैसे की तेजी के साथ 248.70 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में मई डिलीवरी के लिए जस्ता अनुबंध की कीमत 80 पैसे (0.32 प्रतिशत) की तेजी के साथ 248.70 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। इसमें 2,008 लॉट के लिए कारोबार हुआ।

अमेरिका में बढ़ी भारतीय खिलौनों की मांग

मुंबई (ईएमएसस)। दुनिया भर के व्यापारिक संघर्ष के बीच, भारत के खिलौना उद्योग को एक नया द्वार खुलने के लिए तैयारियों में है। चीन से आयातित खिलौनों पर अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी शुल्क के कारण, भारतीय खिलौना निर्माताओं को अमेरिकी बाजार में अपनी पहचान बनाने का मौका मिल रहा है। भारतीय खिलौना संघ के अनुसार, 40 से अधिक कंपनियों ने अमेरिका के कठिन नियमों को पूरा करने में सक्षम पाए गए हैं।

फटाफट खबरें

भारत के लिए सरसों की खली निर्यात करने का मौका

नई दिल्ली (ईएमएस)। चीन और कनाडा के बीच टैरिफ युद्ध के मद्देनजर, भारत के लिए एक बड़ा सुनहरा मौका उभरा है। सूत्रों के अनुसार, भारत अब चीन को सरसों की खली का निर्यात कर सकता है। यह नई व्यापारिक अवसर भारत के लिए करीब 1000 करोड़ रुपये का फायदा लाभान्वित कर सकता है। सरसों की खली, जो सरसों का तेल निकालने के बाद बची रह जाती है, एक मूल्यवान उत्पाद है जिसकी चीन में बहुत बढ़ती मांग है। भारतीय उद्योग संगठन सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशनने वाणिज्य मंत्रालय को एक पत्र लिखकर चीन के लिए सरसों की खली निर्यात करने की संभावना को उजागर किया है। भारत के पास इस उत्पाद की अच्छी मात्रा मौजूद है, जिससे अब यह अच्छा मुनाफा कमाने का मार्ग स्पष्ट हो गया है। चीन ने कनाडा से आने वाली सरसों की खली और कैनोला ऑइल पर 100 फीसदी ड्यूटी लगा दी है, जो की चीनी इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए लगाए गए टैक्स के जवाब में है।

कैश निकालना और बैलेंस चेक करना होगा महंगा

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बैंकिंग ग्राहकों के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा की गई है, जिसके अनुसार एटीएम तकनीकियों का उपयोग करने पर 1 मई 2025 से चार्जों में बढ़ोतरी की जा रही है। यह नया नियम खासकर एटीएम से कैश निकालने और बैलेंस चेक करने वाले ग्राहकों को प्रभावित करेगा। कैश निकासी का शुल्क 17 से बढ़कर 19 रुपए प्रति ट्रांजैक्शन होगा, बैलेंस चेक का शुल्क 6 से बढ़कर 7 प्रति ट्रांजैक्शन होगा, मेट्रो शहरों में 5 और नॉन-मेट्रो क्षेत्रों में 3 फ्री ट्रांजैक्शन के बाद ये नए चार्ज लागू होंगे। बड़े बैंकों जैसे की स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने भी अपने एटीएम नियमों में परिवर्तन किए हैं। एसबीआई ग्राहकों के लिए नए फ्री ट्रांजैक्शन और चार्जों के बारे में आंकड़ों की जानकारी दी गई है।

सेंसेक्स 855, निफ्टी 273 अंक बढ़ा, निवेशकों को 6 लाख करोड़ रुपये का लाभ

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

■ मुंबई (ईएमएस)।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेज के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी होने से बाजार में उछाल आया है। आईटी और बैंकिंग शेयरों में तेजी के साथ ही भारत-अमेरिका के बीच व्यापार करार की उम्मीदों से भी निवेशकों का उत्साह बढ़ा। सेंसेक्स जहां 855 अंक ऊपर आया वहीं निफ्टी भी ऊपर आकर 24,100 के आगे निकल गया। यह इसका पिछले करीब 4-महीनों का सबसे उच्च स्तर है। वहीं बीएसई मिडकैप और स्मॉल इंडेक्स भी 2 फीसदी तक बढ़कर बंद हुए। आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और यस बैंक के शानदार तिमाही परिणामों से भी बाजार में आज तेजी रही। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की वापसी से भी बाजार को बल मिला है। कारोबार के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 855.30 अंक करीब 1.09 फीसदी बढ़कर 79,408.50 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला निफ्टी 273.90 अंक तकरीबन 1.15 फीसदी बढ़कर 24,125.55 के स्तर पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान निफ्टी बैंक रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुआ। निफ्टी बैंक पहली बार 55,000 के पार बंद हुआ। मिडकैप, स्मॉलकैप इंडेक्स में 2 फीसदी से ज्यादा तेज रही। बैंकिंग, आईटीम शेयरों में अच्छी खरीदारी रही। स्वास्थ्य को छोड़ सभी सेक्टर क्षेत्रों में तेजी आई। उर्जा, तेल-गैस, रियल्टी शेयरों में खरीदारी हावी रही।

सेंसेक्स-निफ्टी 1त्न की बढ़त के साथ हुए बंद सेंसेक्स- निफ्टी लगातार 5वें दिन बढ़त पर बंद हुआ। निफ्टी बैंक रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुआ। निफ्टी बैंक पहली बार 55,000 के पार बंद हुआ। मिडकैप, स्मॉलकैप इंडेक्स में 2 फीसदी से ज्यादा तेज रही। एफएमसीजी को छोड़कर सभी सेक्टर इंडेक्स में तेजी दर्ज की गयी। एनर्जी, तेल-गैस, रियल्टी शेयरों में खरीदारी देखने को मिली। इससे भी भारतीय बाजार को बल मिला है। शेयर बाजार की इस तेजी से निवेशकों को करीब सवा 6 लाख करोड़ का लाभ हुआ है। इसका कारण है कि बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण बढ़कर 425.83 लाख करोड़ पहुंच गया है। ये पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को 419.60 लाख करोड़ रुपये रहा था। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स 500 अंक से ज्यादा बढ़कर 79,000 के स्तर पर कारोबार कर रहा था जबकि निफ्टी भी तकरीबन 150 अंक उछलकर 24,000 के स्तर पर कामकाज करता दिखा। वहीं एफएमसीजी और वाहन शेयरों में कमजोरी दिखी। दूसरी ओर एशियाई बाजारों में जापान के निक्केई में 429 अंक (1.24फीसदी) की गिरावट दर्ज की गयी। कोरिया के कोस्पी में 2,484 के स्तर पर सपाट कारोबार हुआ। चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.30 फीसदी की बढ़त रही और ये 3,286 पर कारोबार कर रहा था जबकि हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स में आज कारोबार नहीं हो रहा है।

रुपया डॉलर के मुकाबले 33 पैसे बढ़कर 85 पर खुला

मुंबई (ईएमएस)। ट्रंप के विभिन्न देशों पर लगाए गए आयात शुल्क के बाद डॉलर सूचकांक के तीन साल के निचले स्तर पर पहुंचने के कारण रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 33 पैसे की बढ़त के साथ 85.05 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख और विदेशी पूंजी प्रवाह से निवेशकों की धारणा को बल मिला। व्यापारियों ने कहा कि घरेलू संकेतकों में उत्साहवर्धक सुधार तथा वैश्विक परिस्थितियों में बदलाव के कारण पिछले कुछ कारोबारी सत्रों में भारतीय रुपये में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे रुपया मजबूत बना हुआ है, जबकि प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में अनिश्चितता का माहौल है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.15 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले 85.05 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 33 पैसे की बढ़त दर्शाता है।

सोने और चांदी की कीमतों में आई मामूली गिरावट

सोने का भाव 97,700 रुपए प्रति दस ग्राम, चांदी लगभग 99,900 रुपए

■ नई दिल्ली (ईएमएस)।

हफ्ते के पहले दिन सोमवार को सोने के भाव में मामूली गिरावट नजर आ रही है। बीते हफ्ते शुक्रवार की तुलना में सोना सस्ता हुआ है। देश के ज्यादातर राज्यों में सोने का भाव 97,700 रुपये के ऊपर ही कारोबार कर रहा है। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते टैरिफ वार के कारण सोना नए पीक लेवल के आसपास ही कारोबार कर रहा है। चांदी का भाव 99,900 रुपये पर है। चांदी के भाव बीते शुक्रवार के भाव के आसपास ही कारोबार कर रहे हैं। सोमवार 21 अप्रैल 2025 को दिल्ली में 22 कैरेट सोने का दाम 89,590 रुपये और 24 कैरेट सोना 97,720 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। मुंबई में 22 कैरेट सोना 89,440 रुपये और 24 कैरेट सोना 97,580 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। बीते शुक्रवार की तुलना में सोने के भाव में मामलूी करेक्शन आया है। बीते हफ्ते दिल्ली में 24 कैरेट सोने का भाव 97,730 रुपये था। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते व्यापारिक तनाव और टैक्स की लड़ाई की वजह से सोने की कीमतों में काफी उथल-पुथल देखने को मिल रही है। वैश्विक बाजार में सोना फिर से महंगा हो गया है, जिससे भारत में भी इसकी कीमतें ऊंची बनी हुई हैं। विशेषज्ञ का कहना है कि अगर बाजार में हालात सामान्य रहते हैं तो अगले 6 महीने में सोने की कीमत करीब 75,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक रह सकती है, लेकिन अगर अमेरिका-चीन का टैरिफ विवाद और बढ़ा, तो सोना 1,38,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक भी जा सकता है।

अमेरिका के साथ किसी ने बिजनेस की तो खैर नहीं: चीन

■ नई दिल्ली (ईएमएस)।

चीन ने उन देशों को सीधी चेतावनी दी है जो अमेरिका के साथ व्यापार समझौता करने की सोच रहे हैं। चीन का कहना है कि ऐसे समझौतों से बीजिंग को नुकसान हो सकता है। यह चेतावनी सोमवार को आई। खबरों के अनुसार डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका दूसरे देशों को चीन के साथ व्यापार कम करने के बदले में टैरिफ में छूट दे सकता है। चीन के वा?णिज्य मंत्रालय ने कहा कि वह सभी पक्षों का सम्मान करता है कि वे अमेरिका के साथ बराबरी के आधार पर बातचीत करके अपने आर्थिक और व्यापारिक मतभेदों को सुलझाएं। लेकिन चीन ने यह साफ कर दिया कि अगर ऐसे समझौते से उसे नुकसान होता है तो वह चुप नहीं रहेगा। मंत्रालय ने कहा कि चीन किसी भी ऐसे समझौते को कभी स्वीकार नहीं करेगा जो चीन की कीमत पर हो। मंत्रालय ने आगे कहा कि अगर ऐसा कोई समझौता किया जाता है, तो चीन इसे कभी स्वीकार नहीं करेगा और इसका दू?ता से और उसी तरह से जवाब देगा। इसका मतलब है कि चीन भी वैसे ही कदम उठाएगा जैसे अमेरिका ने उठाए हैं। यह प्रतिक्रिया ट्रंप के उन प्रयासों के बाद आई है जिसमें वे चीन के साथ व्यापारिक रिश्ते कम करने वाले देशों को प्रोत्साहन देकर वैश्विक व्यापार संबंधों को फिर से बनाने की कोशिश कर रहे हैं। चीन इसे आर्थिक दबाव का एक तरीका मानता है।

जेनसोल के खिलाफ कॉर्पोरेट मंत्रालय की जांच शुरू

नई दिल्ली (ईएमएस)। मिनिस्ट्री ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स (एमसीए) ने जेनसोल इंजीनियरिंग के खिलाफ सुओ मोटो जांच शुरू की है। सेबी के कंपनी के प्रमोटर्स पर बैन लगाने के बाद मंत्रालय ने ये जांच आगे बढ़ाई। कंपनी पर आरोप है ?कि उसने 975 करोड़ रुपए का बिजनेस लोन दुरुपयोग किया। जांच के तीन चैप्टरों में देखें इस मामले का सच।चैप्टर-1ः संकटः जेनसोल के शेयरों में हेरा-फेरी के साथ सेबी ने जून 2024 में जांच शुरू की। जांच में पाया गया कि कंपनी ने फंड का डायवर्जन किया और प्रमोटर्स ने कंपनी को अपनी प्रॉपर्टी समझ लिया था। यह चाहे फंड रिलेटेड पार्टीज में घुमाना था या व्यक्तिगत खर्चों में इस्तेमाल किया गया था। चैप्टर-2ः हेराफेरीः कंपनी ने 977.75 करोड़ रुपए का टर्म लोन लिया और ईवी खरीदने का इंतजाम किया था।

ईरान-अमेरिका न्यूक्लियर डील से गिरी क्रूड ऑयल की कीमतें

■ न्यूयॉर्क (ईएमएस)।

अमेरिका और ईरान के बीच न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर हुई वीकेंड वार्ता में अहम प्रगति हुई है। उनके सूत्रों के मुताबिक, दोनों देशों ने संभावित परमाणु समझौते की रूपरेखा पर सहमति बना ली है। इस डील के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में ईरान से कच्चे तेल की सप्लाई को लेकर बनी अनिश्चितता काफी हद तक कम हो गई है। इस खबर के सीधे असर कच्चे तेल की कीमतों पर देखने को मिला। सोमवार को ब्रेंट क्रूड में करीब 1.03 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई और यह 67.26 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं, यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिए) क्रूड भी 1.05 फीसदी की गिरावट के साथ 64 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। गौरतलब है कि गुरुवार को क्रूड में 3.5 फीसदी तक की तेजी आई थी, जो अमेरिका और यूरोपीय यूनियन के बीच संभावित ट्रेड डील और ईरानी सप्लाई में कमी की आशंका के चलते थी। हालांकि, ताजा डील से इन चिंताओं में राहत आई है। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका अब तेल की कीमतों को 70 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर नहीं जाने देना चाहता है। क्योंकि ईंधन की कीमतें घटेंगी तो महंगाई खुद-ब-खुद नियंत्रण में आ जाएगी, जो फेडरल रिजर्व की प्राथमिकताओं में से एक है। ईरानी विदेश मंत्री ने पुष्टि की कि अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद वार्ता में तेज़ी आई। अमेरिका ने चीन स्थित टीपोट रिफाइनर पर भी हाल ही में कार्रवाई की थी, जो कथित तौर पर ईरानी ऑयल प्रोसेस करती है। यह दबाव ईरान को समझौते की मेज पर लाने में कारगर रहा।

नकली 500 के नोट की पहचान मुश्किल, सरकार ने जारी की चेतावनी

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय बाजार में एक नया चुनौती उत्पन्न हो गई है, जिसमें नकली 500 के नोट का प्रकट होना सबसे बड़ा मुद्दा बन गया है। यह नकली नोट असली नोट के बहुत करीब दिखता है, जिससे उसे पहचानना मुश्किल हो रहा है। गृह मंत्रालय ने इस मामले पर कार्रवाई करने के लिए कई एजेंसियों को चेतावनी दी है और हाई अलर्ट पर रखा है। नकली नोट में ?रिजर्व बैंक आफ इं?डिया की स्पेलिंग में गलती होने की वजह से उसे पहचानना सामान्य नोट से कठिन बना देती है। सरकार ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों को विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया है, जिसमें नकली नोटों की पहचान के लिए स्कैनिंग मशीनें उपलब्ध कराने का भी अंतर्गत है। नकली मुद्रा से निपटने के लिए सरकार ने एजेंसियों के सहायक समूह की गठन भी किया है। साथ ही आम आदमी, संगठनों और बैंकों से भी सतर्क रहने की चेतावनी दी गई है, ताकि नकली नोटों का प्रसार रोका जा सके। नकली मुद्रा का नेटवर्क तोड़ने के लिए सरकार और एजेंसियों की मिलीभगत इस मुद्दे को जल्द से जल्द सुलझाने की कड़ी मेहनत कर रही है। आम आदमी के सुरक्षित और सुरक्षित नफरत में सुनिश्चित सहायता करने के लिए वे नकली नोटों के खिलाफ एकजुट हो गए हैं।

इंदौर बाजार भाव

इन्दौर (ईएमएस)। लेवाली कमजोर रहने से सोमवार को स्थानीय अनाज मंडी में मूंग बाजार मंदी के रहे। चना भी मामूली लटक पर रहा। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सरसो बड़ाकर बोली गयी। किराना जिंसों में खोपरा गोला मजबूती पर रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार मूंग में नये मालों की आवकें बढ़ने लगी है। आने वाले दिनों में भरपूर आवक को देखते हुए मूंग में बाजार नरमी के देखे गये। चना मामूली लटक पर रहा। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सरसो बढ़ाकर बोली गयी। उधर, किराना जिंसों में खोपरा गोला पूछपरख से मजबूती पर रहा।

किराना

शक्कर 4170-4210, खोपरा गोला 200-210, खोपरा बूरा 3800-5800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 275-283, मीडियम 287-292, बेस्ट 300-310, ऊंझा हल्का 268-285, बेस्ट 295-310, हल्दी निजामाबाद 175-215, सांगली 260-280, साबूदाना हल्का 6000-6100, मीडियम 6200-6300, बेस्ट 6300-6500, ग्लास 6700, वरलक्ष्मी 5350, सौंफ मोटी 100-140, बेस्ट 280-300, एस्ट्रा बेस्ट 310-350, सौंफ बारि?क 280-290, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-750, गरबल 715-720, मटरदाना 770-795, खसखस अनक्लीन 825-875, क्लीन 1050-1225, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 750-780, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1775, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3300, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1600-1750, बेस्ट 1850-1950, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 950-1000, काजू (320) 825-860, काजू एस. डब्ल्यू 800-820, जे.एच. 850-870, टुकड़ी 800-840, बादाम मगज 910-915, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, खा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2600-2650, (160) 3040-3100, (200) 3400-3450, (250) 3400-3450

खली

रात की धारणा :-गुजरात लुज 1300, मुम्बई पाम 1295, मुम्बई सोया 1290, खली-कपास्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2240, देवास-उज्जैन 2240, खंडवा-बुरहानपुर 2215, अकोला 3050 (प्रति

तेल

सींगदाना 1340-1360, मुम्बई 1370, राजकोट तोलिया 2170, सोया साल्वेंट 1190-1195, सोया रिफाइंड 1255-1260, कपास्या 1255, धूलिया 1260, कड़ी 1260,

दलहन

चना कांटेवाला बेस्ट 6125-6175, एवरेज 5100-5300, काबूली चना बिटकी 6300-6600, काबली चना काटकू 6700-7200, काबूली चना मीडियम 7400-8300, काबूली चना डॉलर 9600-10600, मसूर बेस्ट 6150-6200, एवरेज 6100-6150, मूंग देशी 7500-7600, पाला 7600-7700, चमकी 7700-7800, नायलोन 7800-7900, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6900-7000, एवरेज 6500-6700, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 7100-7400, उड़द बेस्ट 8500-8600, एवरेज 8300-8400, शंकर 7900-8000, हल्की 7300-7500,

अनाज

गेहूं मिल क्वालिटी 2400-2500, लोकवन 2700-2650, बेस्ट 2750-2800, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2800-2900, पूर्णा 2900-3000, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2350-2400,

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, वैशाख कृष्ण पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथि नवमी, मंगलवासरे, श्रवण नक्षत्रे, शुभ योगे, गरकरणे, भद्रा 46/56 पंचक प्रारंभ रात्रि 7/19 से, रोग स्नान मुर्हूत हल प्रवाहन तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ होगी।

मेष — व्यापार में प्रगति, यात्रा-सुख, खर्च अधिक होगा तथा व्यर्थ का विरोध होगा।

तुला — कारोबार में मध्यम सफलता, स्त्री-कष्ट, व्यर्थ अनाप-सनाप व्यय से परेशानी होगी।

वृष — कलह, अभीष्ट-सिद्धी, धन-लाभ, चिन्ता, शारीरिक सुख, मांगलिक कार्य अवरोध होगा।

वृश्चिक — थोड़ा लाभ होगा, खेती की चिंता, उलझन, शिक्षा की स्थिति सामान्य लाभदायक होगी।

मिथुन — भ्रमण, व्यापार लाभ, रक्त-विवाद, सामाजिक कार्यों में बाधा, व्यवधान होगा।

धनु — घरु सुख, हानि, उन्नत खेती योग मध्यम तथा कुछ अच्छे कार्य अवश्य ही बन जायेंगे।

कर्क — विद्या बाधा, व्यापार मध्यम, धार्मिक कार्य एवं शुभ कार्य में विरोध होगा, ध्यान दें।

मकर — हर्ष, भूमिलाभ, कारोबार बढ़ेगा, कारोबार में सावधान रहना आवश्यक है।

सिंह — स्त्री-संतान सुख, यात्रा बाधा, विवाद, आर्थिक सुधार होगा, प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कुंभ — हानि, राजभय, स्त्री-सुख, कार्यसिद्धी, जमीन-जायजाद, गृहकार्य में सफलता के योग बनेंगे।

कन्या — भूमिलाभ, प्रवास-कष्ट, व्यापार बढ़ेगा, शुभ समाचार प्राप्ति, प्रसन्नता का योग बनेगा।

मीन — विद्या-बाधा, विवाद, चोरों से भय, पारिवारिक लोगों से लाभ तथा सफलता अवश्य मिलेगी।

सूडोकु नवताल- 7129

मध्यम

	9				4			
8	4			6		9		5
5		6	8	2		3		
	1	5	6	3			9	7
3	6			9	7	1	4	
		1		4	8	7		6
9		4		7			2	1
			2				8	

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7128 का हल

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

8	5	4	7	3	2	6	1	9
6	7	1	9	5	4	3	2	8
2	9	3	8	6	1	7	5	4
4	3	9	2	1	7	8	6	5
5	6	2	3	8	9	4	7	1
7	1	8	6	4	5	9	3	2
3	2	6	5	9	8	1	4	7
9	4	7	1	2	6	5	8	3
1	8	5	4	7	3	2	9	6

दैनिक पंचांग

22 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मेष में
चंद्र	मकर में
मंगल	कर्क में
बुध	मीन में
गुरु	वृष में
शुक्र	मीन में
शनि	मीन में
राहु	मीन में
केतु	कन्या में

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
वृष	06.52 बजे से
मिथुन	08.50 बजे से
कर्क	11.04 बजे से
सिंह	13.20 बजे से
कन्या	15.32 बजे से
तुला	17.43 बजे से
वृश्चिक	19.57 ब.से
धनु	22.13 बजे से
मकर	00.19 बजे से
कुंभ	02.05 बजे से
मीन	03.38 बजे से
मेष	05.08 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 112 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1946 **मास** वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** नवमी 18.13 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** श्रवण 12.44 बजे को समाप्त। **योग** शुभ 21.13 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 06.42 बजे तदनन्तर गर 18.13 बजे को समाप्त।

चन्द्रायु 23.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 12° 13'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872322
जूलियन दिन 2460787.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सव्वाल
तारीख 23
विशेष पृथ्वी दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8344

बाएँ से दाएँ

1. सुरक्षित, संरक्षित-4
4. उत्सुकता, जिज्ञासा-3
6. पिता के पिता-2
7. नमस्कार, प्रणाम-3
9. आखेट मंच-3
11. आत्मबलिदानी-5
12. प्लेट, तश्तरी-3
15. रहस्य, भेद-2
16. जी, चित्त-2
18. जुड़वा-3
20. मन का मिलना-5
22. नल, टोंटी-3
24. देवर्षि, देवमुनि-3
26. गुप्तचर, जासूस-2
27. गमन, विदा होना-3
28. ईश्वर, रब-4

ऊपर से नीचे

1. सद्चरित्रता-3
2. इच्छा, मर्जी-2
3. अंधकार, अंधेरा-3
5. धार्मिक आयोजन स्थल तक मंगल कलश ले जाना-5
6. मोल, कीमत, दर-2
8. नरक के समान-5
10. बेकार, अयोग्य-3
13. बुआई करना-2, 3
14. विश्वविजेता, संसार जीतने वाला (उर्दू-5)
17. प्रणाम, नमस्कार-3
19. जल में रहने वाला-4
21. स्वर्ग का विलोम-3
23. छोटी सवारी गाड़ी-2
25. कीमत, भाव-2

शब्द पहेली -8343 का हल

श	ब	न	म	■	■	आ	का	श
रा	■	■	स्त	र	ही	न	■	म
रा	त	■	■	सी	ना	■	■	शी
■	र	ग	■	ला	■	क	बी	र
■	का	ज	ल	■	अ	स	र	■
क	री	ब	■	मि	■	र	ब	■
रा	■	■	चा	रा	■	■	ल	ब
मा	■	रा	ह	ज	नी	■	■	हा
त	र	ह	■	■	म	ज	बू	र

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खराब दौर में भी अपनी क्षमताओं पर संदेह नहीं किया : रोहित

मुंबई (ईएमएस)। आक्रामक सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने कहा कि खराब दौर में भी उन्हें कभी भी अपनी क्षमताओं पर संदेह नहीं हुआ। रोहित ने आईपीएल के शुरुआती मैचों में विफल रहने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ शानदार अर्धशतक लगाकर दिखाया है कि उनका खेल कौशल सही है।

आईपीएल में रनों के मामले में दूसरे नंबर पर पहुंचे रोहित

मुम्बई (ईएमएस)। मुम्बई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे नंबर पर पहुंच गये है। रोहित ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबले में अपनी अर्धशतकीय पारी के साथ ही पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन को पीछे छोड़ दिया।

सुपर जाइंट्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी कैपिटल्स

शाम 7.30 बजे से होगा मैच

■ लखनऊ (ईएमएस)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला लखनऊ सुपर जाइंट्स से होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी हालांकि सुपर जाइंट्स को उसके घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। दोनो ही टीमों का प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है। दोनो ही टीमों के 10-10 अंक हैं पर बेहतर औसत के कारण दिल्ली दूसरे और सुपर जाइंट्स पांचवे स्थान पर है। ऐसे में इस मैच में कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा। दोनो ही टीमों के कप्तान इस मैच से अपनी लय हासिल करने उतरेंगे। सुपर जाइंट्स के कप्तान ऋषभ पंत का बल्ला खामोश है जो लखनऊ के लिए परेशानी का कारण है। उन्होंने अभी तक 8 मैच में केवल 106 रन बनाए हैं जिसमें 63 रन की एक पारी भी शामिल है। उनका स्ट्राइक रेट 98 है जो चिंता का विषय है। वहीं दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल भी अभी तक उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। बल्लेबाजी में उन्होंने 159 के स्ट्राइक रेट से 140 रन बनाए हैं लेकिन उनकी गेंदबाजी प्रभावहीन रही है। वह अभी तक सात मैच में केवल एक विकेट ले पाए हैं और उनका इकोनॉमी रेट 9.36 है।

इस मैच में जीत के लिए दिल्ली के सलामी बल्लेबाजों को भी रन बनाने होंगे। अब तक दिल्ली के सलामी बल्लेबाज इस सत्र में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। अब उसके बल्लेबाजों फाफ डु प्लेसी, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, अभिषेक पोरेल को रन बनाने होंगे। करुण नायर का प्रदर्शन हालांकि अब तक अच्छा रहा है। मध्यक्रम में केएल राहुल का प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है जिसे वह बनाये रखना चाहेंगे। गेंदबाजी की बात करें तो टीम के पास दिग्वेश राठी, रवि बिश्नोई, आवेश खान और शार्दुल ठाकुर जैसे गेंदबाज है जिनका सामना करना सुपर जाइंट्स के बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं होगा। आवेश ने पिछले मैच में लखनऊ को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत दिलायी थी। उसी प्रदर्शन को अब वह दोहराना चाहेंगे। वहीं दूसरी ओर लखनऊ की टीम के पास मिशेल मार्श, निकोलस पूरन और एडेन मार्क्रम जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं जो किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त कर सकते हैं।

इसके अलावा कैपिटल्स के पास मिशेल स्टार्क जैसा तेजी गेंदबाज व कुलदीप यादव जैसा स्पिनर है। विपराज निगम और मुकेश कुमार ने भी इनका अच्छा साथ दिया है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

लखनऊ सुपर जाइंट्स : ऋषभ पंत (विकेटकीपर/कप्तान), एडेन मार्क्रम, मिशेल मार्श, निकोलस पूरन, आयुष बडोनी, अब्दुल समद, डेविड मिलर, शार्दुल ठाकुर, आवेश खान, आकाश दीप, दिग्वेश सिंह राठी, रवि बिश्नोई, प्रिंस यादव, शाहबाज अहमद, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, हिम्मत सिंह, शमर जोसेफ, मणिमारन सिद्धार्थ, आर्यन जुयाल, आरएस हैंगरगेकर, युवराज चौधरी, आकाश महाराज सिंह, मयंक कुलकर्णी, अर्शीन यादव।

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), जेक फ्रेजर-मैकगर्क, अभिषेक पोरेल, करुण नायर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, मिशेल स्टार्क, कुलदीप यादव, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार, समीर रिज़वी, दर्शन नालकांडे, डोनोवन फरेरा, त्रिपुराना विजय, दुशमंथा चमीरा, फाफ डु प्लेसी, टी नटराजन, अजय जादव मंडल, मनवंत कुमार एल, माधव तिवारी।

आईपीएल अंक तालिका में फिर शीर्ष टीमों में पहुंची आरसीबी

मुम्बई (ईएमएस)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम एक बार फिर आईपीएल अंकतालिका में शीर्ष चार में पहुंच गयी है। आरसीबी ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 7 विकेट मिली जीत के साथ ही अंकतालिका में तीसरा स्थान हासिल किया है। वहीं मुम्बई इंडियंस ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) पर जीत के साथ ही अंक तालिका में छठा स्थान हासिल किया है। है। मुंबई इंडियंस की टीम के लगातार तीसरी जीत के बाद 8 मैचों में 4 जीत के साथ ही कुल 8 अंक हो गये हैं। दूसरी ओर सीएसके की टीम 8 में से 2 ही मैच जीत पाई है और 4 अंक के साथ अंक तालिका में अंतिम स्थान पर है। उसका प्लेऑफ तक पहुंचना अब असंभव हो गया है वहीं आरसीबी की टीम पंजाब के खिलाफ मैच से पहले टीम पांचवें स्थान पर थी पर जीत के साथ ही वह ऊपर आयी है। बेंगलुरु के 8 मैचों में 5 जीत के साथ 10 अंक हैं और तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। पंजाब और लखनऊ सुपर जाइंट्स के भी 8 मैचों में 5 जीत के साथ 10 अंक हैं पर नेट रन रेट के कारण ये पीछेहो गयी हैं। पंजाब चौथे जबकि लखनऊ पांचवें स्थान पर है। इसके अलावा गुजरात टाइटंस अभी भी पहले स्थान पर है। वहीं सबसे अधिक रनों के साथ ही ऑरेंज कैप पर निकोल्स पूरन का कब्जा बना हुआ है।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारियों में लगी है भारतीय महिला हॉकी टीम

■ नई दिल्ली (ईएमएस)।

भारतीय महिला हॉकी टीम 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए अभी से तैयारियों में लगी है। हॉकी इंडिया ने टीम की तैयारियों के लिए नीदरलैंड के दिग्गज ड्रैग फ्लिक ताइके ताइकेमा से भी करार किया है। इसी के तहत ताइकेमा टीम की इस कमजोरी को भी कम करने में लगे हैं। ताइकेमा ने भुवनेश्वर में प्रो लीग से पहले सात दिवसीय शिविर में भी भारतीय खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया था। भारत ने प्रो लीग के घरेलू चरण में इंग्लैंड, जर्मनी, नीदरलैंड और स्पेन के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था। ताइकेमा के मार्गदर्शन में शिविर का मुख्य उद्देश्य तकनीकी कौशल को निखारने के साथ ड्रैग फ्लिक की सटीकता में सुधार करना था।

भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा कि शिविर खिलाड़ियों के लिए बहुत फायदेमंद रहा और ताइकेमा लॉस एंजिल्स खेलों तक अल्पकालिक आधार पर टीम के साथ काम करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, ''ताइकेमा ड्रैग फ्लिक के मामले में सबसे महान दिग्गजों में से एक हैं। वह तकनीक को निखारने और ड्रैग फ्लिक की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए टीम के साथ काम कर रहे हैं।''

हरेंद्र ने कहा, ''ड्रैग फ्लिक करना एक विशिष्ट कौशल है और ताइकेमा भविष्य के शिविर में भी हमारे साथ काम करना जारी रखेंगे।'' हरेंद्र ने कहा कि दीपिका सहित इससे हमारी टीम की सभी खिलाड़ियों के कोशल में सुधार आया है।

इस 45 साल के पूर्व खिलाड़ी को अपने खेल के दिनों में पेनल्टी-कार्नर की सटीकता के लिए जाना जाता था। ताइकेमा ने 11 वर्षों के अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में नीदरलैंड की पुरुष टीम के लिए 94 मैचों में 170 गोल किए। उन्हें दुनिया के सबसे खतरनाक पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञों में से एक माना जाता है।

रॉयल्स को प्लेऑफ में पहुंचने अब जीतने होंगे छह मैच

मुम्बई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में राजस्थान रॉयल्य की टीम का प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है और उसे 8 मैचों में से 6 में हार का सामना करना पड़ा है। इससे टीम अंकतालिका में आठवें स्थान पर खिसक गयी है और उसके प्लेऑफ्स में पहुंचने की राह बेहद कठिन हो गयी है। इसके बाद भी अभी रॉयल्स के लिए प्लऑफ के रास्ते बंद नहीं हुए हैं हालांकि एक और हार से वह जरुर बाहर हो सकती है। रॉयल्स के अभी केवल चार अंक हैं पर उसका नेट रन रेट अच्छा है। इसी कारण वह सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स से आगे बनी हुई है। इन दोनो टीमों के भी 4-4 अंक हैं। सनराइजर्स और सीएसके ने अभी तक 7-7 मैच खेले हैं, जबकि राजस्थान रॉयल्स ने 8 मैच खेले हैं।

राजस्थान का अब अगर प्लेऑफ में पहुंचना है तो उसे बाकि बचे हुए छह मैच जीतने होंगे। इसके बाद टीम के 16 अंक हो जाएंगे। अभी तक के आईपीएल इतिहास को देखें तो 16 अंक हासिल करने के बाद टीम को ऑफ में जगह मिलना तय हो जाता है। वहीं अगर वह केवल पांच मैच जीतती है तो उसके 14 अंक होंगे और ऐसे में उसे अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भर रहन होगा।

बीसीसीआई ने सालाना केन्दीय अनुबंध घोषित किये

■ मुम्बई (ईएमएस)।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने साल 2024-25 के लिए केन्द्रीय अनुबंध की घोषणा कर दी है। इसमें 34 खिलाड़ियों को रखा गया है। श्रेयस अय्यर और ईशान किशन की वापसी हुई है जबकि विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को प्रमोट किया गया है। अय्यर और ईशान को पिछले साल केन्द्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया गया था। इसके बाद श्रेयस ने काफी अच्छा प्रदर्शन कर टीम में वापसी की जिससे बाद से ही उन्हें अनुबंध मिलना तय माना जा रहा था।

वहीं ईशान की अब तक टीम इंडिया में वापसी नहीं हुई है और घरेलू स्तर पर भी उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है, ऐसे में उनको अनुबंध मिलना हैरानी की बात है। बीसीसीआई के अनुसार टीम के कप्तान रोहित शर्मा के अलावा अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा सबसे ऊपर ए प्लस ग्रेड में बने रहेंगे। श्रेयस को ग्रेड बी और ईशान को ग्रेड सी में रखा गया है। वहीं विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को को लाभ हुआ है और वह बी से ग्रेड ए में प्रोमोट हुए हैं।

ऋषभ ने वापसी के बाद काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। चैम्पियंस ट्रॉफी में भी उन्होंने प्रभावित किया था। इसके अलावा वरुण चक्रवर्ती, अभिषेक शर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, सरफराज खान और ध्रुव जुरेल जैसे नए खिलाड़ियों को भी अनुबंध में शामिल किया गया है।

ग्रेड ए प्लस = रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह, रविंद्र जडेजाग्रेड ए = मोहम्मद सिराज, केएल राहुल, शुभमन गिल, हार्दिक पंड्या, मोहम्मद शमी, ऋषभ पंत

ग्रेड बी = सूर्यकुमार यादव, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, यशस्वी जयसवाल, श्रेयस अय्यर

ग्रेड सी = रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, ऋतुराज गायकवाड़, शिवम दुबे, रवि बिश्नोई, वॉशिंगटन सुंदर, मुकेश कुमार, संजू सैमसन, अर्शदीप सिंह, प्रसीद कृष्ण, रजत पाटीदार, ध्रुव जुरेल, सरफराज खान, नितीश कुमार रेड्डी। इशान किशन, अभिषेक शर्मा, आकाश दीप, वरुण चक्रवर्ती और हर्षित राणा

वेतन = ग्रेड ए प्लस में 7 करोड़ रुपए जबकि ग्रेड ए में 5 करोड़ रुपए और ग्रेड बी में 3 करोड़ रुपए व ग्रेड सी में एक करोड़ रुपए दिये जाते हैं।

विनेश लालची हो गयी मुझे गुरु का सम्मान नहीं दे रही : महावीर फोगाट

■ चरखी दादरी (ईएमएस)।

कुश्ती से राजनीति में आई महिला पहलवान विनेश फोगाट पर उनके ही ताऊ और गुरु महावीर फोगाट ने अब सम्मान न करने का आरोप लगाया है। फोगाट ने कहा कि विनेश को पैसे का लालच आ गया है और अब वह उन्हें गुरु का सम्मान नहीं दे रही हैं। विनेश को हाल ही में राज्य सरकार ने चार करोड़ रुपये इनाम में दिये थे। विनेश को ये राशि पेरिस ओलंपिक में रजत पदक विजेता का दर्जा दिये जाने पर के लिए दी गयी है। महावीर के अनुसार उन्हें गुरु की पुरस्कार राशि और अवॉर्ड भी देना विनेश को याद नहीं रहा।

महावीर फोगाट ने कहा कि इस हरियाणा सरकार ने विनेश के लिए जो किया है वह आज तक दुनिया में किसी ने किसी के लिए नहीं किया। सरकार ने , खेल नीति से अलग जाकर उसे मान-सम्मान दिया है। आम तौर पर एक स्वर्ण विजेताको भी इतना मान-सम्मान नहीं मिलता। इसके लिए राज्य सरकार की प्रशंसा करनी चाहिये। साथ ही कहा कि विनेश ने आज तक गुरु का सम्मान नहीं दिया। उन्होंने कहा, खिलाड़ी को जा अवॉर्ड राशि मिलती है, उसमें गुरु का भी अधिकार होता है। गुरू की भी अवॉर्ड राशि होती है। अगर विनेश को पैसे का लालच नहीं आया होता तो उसने आज तक मुझे गुरु का जो सम्मान होता है, जो अवॉर्ड होता है, वह तक नहीं दिया। उसके लिए मैंने सारी मेहनत की उसके फॉर्म भरवाए। मैंने उसे ऊपर तक पहुंचाया, मैंने ही सारी मेहनत की, मेरे अलावा विनेश का दूसरा गुरू भी नहीं है। फिर भी उसने आज किसी प्रकार का मान सम्मान नहीं दिया।

सुंदर पिचाई ने की वैभव की जमकर प्रशंसा

■ नई दिल्ली (ईएमएस)।

आईपीएल में सबसे कम उम्र 14 साल में डेब्यू कर रिकार्ड बनाने वाले वैभव सूर्यवंशी की सर्च इंजन गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने भी जमकर प्रशंसा की है। वैभव ने आईपीएल कैरियर की पहली ही गेंद पर छक्का लगाकर सभी को हैरान कर दिय था। वैभव को गत वर्ष हुई नीलामी में राजस्थन रॉयल्स ने एक करोड़ से अधिक राशि में खरीदा था। पिचाई ने वैभव की प्रशंसा में एक पोस्ट किया जिसमें उन्होंने लिखा कि कैसे वो इस बल्लेबाजी को खेलते हुए देखने का इंतजार कर रहे थे। वैभव ने अपने पहले ही मैच में 20 गेंदों पर 34 रन की शानदार पारी खेली जिसमें तीन छक्के शामिल थे। इस बल्लेज ने निडर होकर गेंदबाजों का सामना किया। वैभव ने यशस्वी जायसवाल के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 75 रन की साझेदारी निभाई। वैभव को इस मैच में चोटिल कप्तान संजू सैमसन की जगह उतारा गया था। इस मुकाबले की अंतिम गेंद पर लखनऊ सुपर जायंटस ने जीत हासिल कर ली थी।

वैभव ने तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर की पहली ही गेंद पर जैसे ही छक्का लगाया पूरा स्टेडियम वैभव-वैभव करने लगा। वैभव ने अपनी पारी में 3 छक्के और 2 चौके लगाये। इस दौरान वैभव का स्ट्राइक रेट 170 का रहा।

(फोटो-ईएमएस) मार्क डिमेया में एवीसी वुमंस चैम्पियंस लीग में खेलती हुई खिलाड़ी।

कृष्णा गुजरात ही नहीं भविष्य में भारतीय टीम के लिए भी बड़ी भूमिका निभाएंगे : रायुडू

■ नई दिल्ली (ईएमएस)।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने युवा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह आने वाले समय में भारतीय टीम की ओर से अहम भूमिका निभाएंगे। कृष्णा ने आईपीएल के इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। वह अभी तक सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज होने के कारण पर्पल कैप के दावेदार हैं।

गुजरात की टीम अभी अंक तालिका में शीर्ष पर है और उसकी ओर से कृष्णा ने अब तक 14 विकेट लिए हैं। कृष्णा पिछले काफी समय से फिटनेस की दिक्कतों के कारण खेल से दूसरे थे पर इस साल की शुरुआत में ही उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट में छह विकेट लेकर अपनी क्षमताएं दिखायीं थीं। इसके बाद से ही वह लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं।

रायुडू ने कहा, वह शानदार लय में दिख रहे हैं। उनकी ताकत पिच पर जोरदार तरीके से गेंद फेंकना है । उनकी गेंदबाजी में बहुत सारी विविधताएं हैं, उनकी धीमी गेंद भी काफी प्रभावी है। मुझे लगता है कि वह न केवल गुजरात ही नहीं भारतीय टीम के लिए भी भविष्य में बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

वहीं पूर्व दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी मार्क बाउचर भी रायुडू से सहमत हैं और उनका भी कहना है कि कहा कि कृष्णा अच्छी गति से गेंदबाजी कर रहे हैं और गुजरात को काफी फायदा पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह अपनी गेंदबाजी का आनंद लेते हैं। वह विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में सामने आये हैं जो दबाव हटाता है। उनकी गति बढ़ गई है। उनकी लैंथ के कारण उन्हें अच्छा उछाल मिलता है। जब वह गेंदबाजी करते हैं तो ऑफ स्टंप पर अच्छी और टाइट गेंद डालते हैं। इसलिए गेंद को ज्यादा कुछ करने की जरूरत नहीं पड़ती।

भारतीय क्रिकेट में काफी गहराई : स्टोइनिस

नई दिल्ली (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट में काफी गहराई है। आईपीएल में पंजाब किंग्स की तरफ से खेल रहे स्टोइनिस ने युवा भारतीय क्रिकेटरों की जमकर प्रशंसा की है। स्टोइनिस ने कहा कि जिस प्रकार से भारतीय युवा खिलाड़ी निडर होकर खेलते हैं वह सराहनीय है। स्टोइनिस के अनुसार इसी कारण भारतीय टीम को टी20 प्रारुप से रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के एकसाथ संन्यास लेने से भी कोई प्रभाव नहीं पड़ा। इनकी जिम्मेदारी बाद तिलक वर्मा, अभिषेक शर्मा और वाशिंगटन सुंदर जैसे खिलाड़ियों ने अच्छी तरह से संभाल ली है। वह पंजाब किंग्स के युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्य के प्रदर्शनसे भी प्रभावित नजर आये। स्टोइनिस ने कहा, 'भारतीय क्रिकेट में काफी गहराई है। वह हमेशा से रही है। और मेरा मानना है कि आईपीएल से उनके खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर अपने कौशल का नमूना पेश करने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा, ' युवा खिलाड़ी आत्मविश्वास से भरे हैं क्योंकि उन्हें अपने करियर की में ही आईपीएल जैसे टूर्नामेंट में दबाव के हालातों से गुजरने का लाभ मिल जाता है।

रोहित लय में रहें तो विरोधी होते हैं बेबस : पांड्या

■ मुम्बई (ईएमएस)।

मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसएके) के खिलाफ जीत के बाद रोहित शुर्मा की जमकर प्रशंसा की है। हार्दिक ने कहा कि रोहित जब लय में आ जाते हैं तो उनके सामने कोई टिक नहीं पाता। इसलिए उनके फार्म को लेकर चिन्ता की जरुरत नहीं है। इस आईपीएल सत्र में रोहित ने अपना पहला अर्धशतक लगाया है। उन्होंने नाबाद 76 रन बनाये हैं। इससे पहले के मैचों में वह रन नहीं बना पाये जिससे उनके फार्म पर सवाल उठे थे। पांड्या ने कहा कि उनका लक्ष्य आराम से खेलने के साथ ही अपनी रणनीति पर अमल करना रहा है। मुंबई इंडियंस ने रोहित और सूर्यकुमार यादव नाबाद 68 रनों की सहायता से लगातार तीसरी जीत हासिल की। दोने ने दूसरे विकेट के लिए 114 रन बनाये।

पांड्या ने कहा, ' हमने जिस तरह से बड़ा लक्ष्य हासिल उससे टीम का मनोबल बढ़ा है। रोहित जब टिक जाते तो विरोधी गेम से बाहर हो जाते हैं क्योंकि वह एक मैच विजेता खिलाड़ी है। मैच में हर खिलाड़ी अपना योगदान दे रहा है। हम केवल सरल क्रिकेट और अपनी रणनीति को अमल में लाने का प्रयास कर रहे हैं। '

वहीं सीएसके की कप्तानी कर रहे महेंद्र सिंह धोनी ने कहा, 'हम अच्छा स्कोर नहीं बना पाये जबकि हमें पता था कि बाद में ओस पड़ेगी। हमें शुरुआत में ही आक्रामक क्रिकेट खेलना चाहिये था क्योंकि बाद के ओवरों में बुमराह गेंदबाजी करते हैं।' उन्होंने कहा, '175 का स्कोर काफी कम था और पहले छह ओवर में ज़्यादा रन देने के बाद वापसी करना कठिन होता है। हमें यह सोचना है कि हम कहां गलती कर रहे हैं जबकि आगे बढ़ने हमें हर मैच जीतना है पर हम हर मैच को एक मैच के तौर पर लेंगे।'

विराट सबसे अधिक बार 50 से ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

मुल्लांपुर (ईएमएस)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली अब आईपीएल में सबसे अधिक बार 50 से अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। विराट ने इसके साथ ही डेविड वॉर्नर को पीछे छोड़ दिया है। आरसीबी के अनुभवी बल्लेबाज विराट ने पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में मार्को जैन्सन की गेंद पर एक रन बनाने के साथ ही आईपीएल में अपना 59 वां अर्धशतक पूरा किया वहीं उनके नाम 8 शतक है। इस प्रकार देखा जाये तो विराट ने 260 मैचों में 67 बार पचास से अधिक रन बनाये हैं। वहीं वॉर्नर के नाम 66 अर्धशतक हैं।

दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट की कप्तानी मिली तो संभालने तैयार हूं : रबाडा

मुम्बई (ईएमएस)। भारत में आईपीएल खेल रहे दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा ने कहा है कि अगर अब भी उन्हें क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) कप्तान बनाता है तो वह ये जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार हैं। वह एक साथ कई भूमिकाएं निभाने के लिए तैयार हैं। रबाडा ने एक साक्षात्कार में कहा, 'मुझसे कई बार कप्तानी को लेकर सवाल पूछा गया है। इससे इसने मुझे इस पर विचार करने के लिए मजबूर किया है। मुझे लगता है कि इसके लिए मेरी ओर से कुछ परिप्ता की आवश्यकता होगी पर अगर क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका या किसी कोच द्वारा मुझसे यह सवाल पूछा जाता है तो मैं इस पर गंभीरता से विचार करूंगा। उन्होंने कहा, 'मैं पहले से ही सोच रहा था कि इसमें किस तरह का बदलाव होगा।

सरभंगा को टाइगर-रिजर्व बनाने में खदान माफिया रोड़ा

भोपाल,ईएमएस। मध्यप्रदेश सरकार ने सतना के मझगवां में सरभंगा टाइगर रिजर्व एवं वाइल्डलाइफ सेंचुरी बनवाने की मांग वाले प्रस्ताव को 9 साल बाद खारिज कर दिया है। सरकार ने कहा है कि इससे स्थानीय लोगों के रोजगार छिन जाएंगे। इसके बाद एक बार फिर स्थानीय स्तर पर जन-जागरण अभियान शुरू हो गया है।

मजदूर दिवस पर धरना देगा मप्र कर्मचारी मंच

भोपाल,ईएमएस। मप्र कर्मचारी मंच 1 मई मजदूर दिवस के दिन 9 सूत्रीय मांगों के समर्थन में विशाल धरना देकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपेगा। इसी दिन अंशकालिक कर्मचारी अंबेडकर मैदान में मुख्यमंत्री को खून से पोस्टकार्ड लिखेंगे। मप्र कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि अंतर्राष्टीय मजदूर दिवस 1 मई को स्थाई कर्मी दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी एवं सुरक्षा श्रमिकों की हित की 9 सूत्रीय मांगों की समर्थन में आंदोलन किया जा रहा है।

निजी कॉलेजों की तानाशाही पर भड़के छात्र और अभिभावक

छुट्टी के दिन आरोग्य भारती के कार्यक्रम में जबरन भेजा, नहीं जाने वाले छात्रों को मिली सजा

भोपाल (ईएमएस) । अभिनव जैन कासलीवाल

राजधानी भोपाल के मेडिकल, नर्सिंग और पैरामेडिकल कॉलेजों में छात्रों के साथ जबरदस्ती और अनुचित व्यवहार का गंभीर मामला सामने आया है। 18 अप्रैल को गुड फ्राइडे की छुट्टी के दिन, भोपाल के कई निजी नर्सिंग और पेरामेडिकल कॉलेजों ने छात्रों को आरोग्य भारती के मासिक प्रबोधन कार्यक्रम में जबरन भेजा। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े संगठन द्वारा स्वस्थ जीवन शैली और जीवन प्रबंधन पर आधारित था।

कॉलेज प्रबंधन ने कार्यक्रम में उपस्थिति को जिओ टैगिंग के माध्यम से अनिवार्य कर दिया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि कार्यक्रम में भीड़ जुटाने की मंशा से छात्रों को बाध्य किया गया।

जो नहीं गए, उन्हें मिली मानसिक सजा

छुट्टी के दिन आयोजित इस कार्यक्रम में जो छात्र शामिल नहीं हो सके, उन्हें कॉलेजों ने मानसिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। एक छात्रा ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि हमने सोचा था कि छुट्टी है, लेकिन कॉलेज ने जबरन बुलाया। जो नहीं गए, उनकी पांच दिन की अनुपस्थिति दर्ज कर दी गई। शनिवार को हाफ डे होने के बावजूद हमें पूरा दिन बैठा कर रखा गया और ऊपर से 140 पेज का असाइनमेंट भी थमा दिया गया। इसे डिसिप्लिन कहा जा रहा है, लेकिन यह तो सीधी प्रताड़ना है।

अभिभावकों ने जताई नाराजगी

छात्रों के साथ हुए इस व्यवहार को लेकर अभिभावकों में भी जबरदस्त आक्रोश है। कई अभिभावकों ने कॉलेज प्रशासन के इस रवैये को तानाशाही और विचारधारा थोपने की कोशिश करार दिया। उनका कहना है कि हमने बच्चों को पढ़ाई के लिए कॉलेज भेजा है, न कि किसी संगठन की सोच या विचारधारा थोपे जाने के लिए। छुट्टी के दिन इस तरह का दबाव अस्वीकार्य है।

कौन थे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि

यह कार्यक्रम आरोग्य भारती द्वारा समन्वय भवन, अपैक्स बैंक सभागार में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव संदीप यादव ने की। प्रख्यात मैनेजमेंट गुरु एन. रघुरमन मुख्य वक्त ा थे, और सारस्वत वक्त ा के रूप में आरोग्य भारती के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ. अशोक कुमार वार्ष्णेय उपस्थित थे। आयोजन के निवेदक आरोग्य भारती के मध्य भारत प्रांत अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा और आरोग्य भारती के भोपाल महानगर अध्यक्ष डॉ. अभिजीत देशमुख थे।

मानवाधिकार आयोग का हस्तक्षेप जरूरी

इस पूरे मामले ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या शिक्षा संस्थान अब शैक्षणिक केंद्रों की जगह वैचारिक प्रचार के अड्डे बनते जा रहे हैं? छुट्टी के दिन छात्रों को किसी कार्यक्रम में जबरन भेजना, अनुपस्थिति पर सजा देना, और विचारधारा थोपना यह सब शिक्षा की मूल भावना के खिलाफ है। छात्रों, अभिभावकों और समाज के जागरूक नागरिकों ने शिक्षा विभाग और मानवाधिकार आयोग से इस पूरे मामले में तत्काल जांच और हस्तक्षेप की मांग की है। साथ ही, छात्रों पर लगाए गए सभी अनुशासनात्मक दंड को तुरंत रद्द किए जाने की आवश्यकता बताई है।

मप्र कांग्रेस ने संगठन मजबूती को लेकर बनाया प्लान

भोपाल,ईएमएस। मप्र कांग्रेस ने संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। पार्टी ने संगठन की मजबूती के लिए रणनीति बनाई है। प्रदेश की 230 विधानसभाओं में प्रदेश कांग्रेस का एक प्रतिनिधि होगा। एमपी प्रभारी हरीश चौधरी ने 15 दिन के अंदर प्रभारी नियुक्त करने के निर्देश दिए हैं।

हर विधानसभा में होगा एक प्रतिनिधि, प्रदेश प्रभारी ने 15 दिन के अंदर नियुक्त के दिए आदेश

आपको बता दें कि एमपी कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी और पीसीसी चीफ जीतू पटवारी पिछले दो महीने में प्रदेश के अलग-अलग संभागों का दौरा कर चुके हैं। गुजरात के अहमदाबाद में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) का दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन हुआ था। इस अधिवेशन में लिए गए फैसलों पर अब अमल शुरू कर दिया गया। वहीं राष्ट्रीय अधिवेशन के बाद प्रांतीय अधिवेशन की तैयारी भी की जा रही है। यह अधिवेशन संभवत - मई में मध्य प्रदेश के जबलपुर में आयोजित किया जाएगा। जिसमें 2028 और 29 के चुनावों की रणनीति तय होगी।

कांग्रेस का 40 दिवसीय संविधान बचाओ अभियान 25 अप्रैल से

▸ **राज्य, जिला और विधानसभा स्तर पर करेंगे रैली, फिर घर-घर जाकर देंगे दस्तक**

भोपाल,ईएमएस।

कांग्रेस द्वारा मध्यप्रदेश सहित पूरे देश में 40 दिवसीय संविधान बचाओ अभियान 25 अप्रैल से शुरू किया जा रहा है। इस अभियान के तहत राज्य स्तर, जिला स्तर और विधानसभा स्तर पर रैली का आयोजन होगा। इसके बाद घर-घर जाकर दस्तक देकर कांग्रेस अपनी बात लोगों तक पहुंचाएगी।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव केसी वेणुगोपाल द्वारा इस बारे में जारी किए गए परिपत्र में कहा गया है कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की 19 अप्रैल को आयोजित की गई बैठक में इस अभियान की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया गया। इसके बाद मध्यप्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी की 22 अप्रैल की बैठक में इस अभियान को चलाने के लिए समन्वयक नियुक्त करने का फैसला लिया गया। कांग्रेस द्वारा जो रोडमैप बनाया गया है उसके अनुसार संविधान बचाओ अभियान के तहत सबसे पहले 25 अप्रैल से 30 अप्रैल के बीच राज्य स्तरीय संविधान बचाओ रैली का आयोजन किया जाएगा। इन रैली में केंद्र सरकार द्वारा संवैधानिक संस्थाओं को निरंतर कमजोर किए जाने, कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के खिलाफ मामले दर्ज करने, संसदीय प्रक्रिया को कमजोर करने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाने के मुद्दे को उठाया जाएगा। इस दौरान वरिष्ठ नेताओं और प्रमुख नागरिक समाज के प्रतिनिधियों को सभा को संबोधित करने के लिए बुलाया जाएगा। इसके बाद 3 मई से 10 मई तक जिला स्तरीय संविधान बचाओ रैली का आयोजन होगा। इन रैलियों में बेरोजगारी, महंगाई, लघु एवं मध्यम उद्योगों का पतन, ग्रामीण संकट और कल्याणकारी नीतियों को कमजोर करने के मुद्दे को उठाया जाएगा। फिर 11 मई से 17 मई तक विधानसभा स्तरीय संविधान बचाओ रैली का आयोजन होगा। इस रैली को विधायक, विधानसभा उम्मीदवार, ब्लॉक अध्यक्ष और बूथ स्तर के नेताओं द्वारा आयोजित किया जाएगा।

महाकुंभ में भगवा रंग में रंगेगी महाकाल की नगरी

सिंहस्थ के लिए शिप्रा के जल से उगाए 50 हजार बांस, संत लहराएंगे धर्मध्वजा

भोपाल,ईएमएस। भगवान महाकाल की नगरी उज्जयिनी सिंहस्थ में सनातन धर्मध्वजाओं से लहरा उठेगी। इसी भाव को लिए उज्जैन में सिंहस्थ महापर्व 2028 के लिए 50 हजार बांस उगाए गए है, उद्देश्य यहीं है, शिप्रा के जल से सिंचित 30 फीट ऊंचे बांसों पर महाकुंभ में आने वाले साधु-संत और अखाड़े सनातन की धर्मध्वजाएं लहराए। सिंहस्थ में आने वाले सभी अखाड़े व साधुओं को उज्जै न में धर्मध्वजा लहराने के लिए 30 फीट ऊंचे बांस उज्जैन वन मंडल निशुल्क उपलब्ध कराएगा। वन विभाग ने भैरवगढ़ मार्ग पर शिप्रा नदी के किनारे 10.72 हेक्टेयर में बांस का जंगल उगाया है। सात साल से वन विभाग इनकी देखभाल कर रहा है जो 20 से 25 फीट ऊंचे हो चुके है व साल अगले दो सालों में इनकी ऊंचाई 30 फीट से ज्यादा हो जाएगी। सिंहस्थ महापर्व के तीन महीने पहले इन बांसों की कटाई के बाद उन्हें व्यवस्थित कर वन मंडल कलेक्टर व मेला अधिकारी को सौंप देगा ताकि उनके माध्यम से सम्पूर्ण सिंहस्थ मेला क्षेत्र में 13 अखाड़ों समेत जितने भी साधु-संत आए सभी को धर्म ध्वजा लहराने के लिए बांस भेट किए जा सके।

नदी किनारे 10.72 हेक्टेयर में बांस का जंगल

वन मंडल ने धार्मिक महत्त्व व को ध्यान में रख बांस उगाए है। इनकी देखरेख कर रहे डिप्टी रेंजन अनिल सैन बताते है कि नदी किनारे 10.72 हेक्टेयर में बांस का पूरा जंगल है जिसे शिप्रा नदी के जल से ही सिंचित किया गया है।

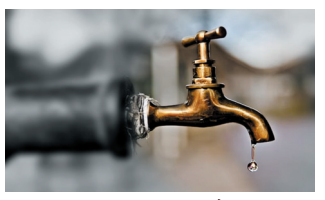

मप्र के 5 हजार से ज्यादा गांवों में जल संकट

आरएसएस के आनुषंगिक संगठन किसान संघ ने जताई चिंता, शासन-प्रशासन को बताया जिम्मेदार

भोपाल,ईएमएस। मध्य प्रदेश के पांच हजार से ज्यादा गांव में जल संकट है। सिंचाई, कृषि कार्य समेत पेयजल का भी संकट है। इसे लेकर आरएसएस के आनुषंगिक संगठन किसान संघ ने चिंता जाहिर की है। किसान संघ ने शासन-प्रशासन को जिम्मेदार बताते हुए कहा कि जल संरक्षण, संवर्धन और सिंचाई से जुड़ी योजनाओं में कई खामियां रही।

अब किसान संघ सर्वे कर सरकार को रिपोर्ट सौंपेगा। किसान संघ के प्रांत प्रचार प्रसार प्रमुख राहुल धूत ने कहा कि प्रदेश के पांच हजार से अधिक गांवों में भीषण जल संकट है। कृषि का पूरा काम जल पर ही आधारित है, यह बड़ी समस्या और चिंता का विषय है। ग्रामीण संरचना या पूरे प्रदेश की संरचना सिंचाई पर निर्भर होती है। मवेशी से लेकर खेती और सभी को पानी चाहिए, स्थिति गंभीर होती जा रही है। भारतीय किसान संघ ने भी विषय

को काफी गंभीरता से लिया है। हम अपने स्तर पर रिपोर्ट तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम किसान संघ से जुड़े किसानों, कार्यकर्ताओं और सभी पदाधिकारियों को निर्देशित किया है कि रिपोर्ट तैयार करें।

किसान संघ अपने स्तर पर भी सभी प्रकार की जन संरचनाओं की गंभीर स्थिति को लेकर आर्य योजना तैयार कर रहा है। गांव गांव, कस्बे और शहरी कृषि क्षेत्र की सभी प्रमुख वाटर बॉडी को चिन्हित करने का काम कर रहे हैं। जिम्मेदार अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे हैं।

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व केन्द्रीय मंत्री कुमारी शैलजा ने कहा

नेशनल हेराल्ड केस में मोदी-शाह ने मनी लॉन्ड्रिंग का झूठा प्रचार किया

भोपाल,ईएमएस । नेशनल हेराल्ड केस में ईडी ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ चार्जशीट पेश की है। गांधी परिवार पर लगे आरोपों को लेकर कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व केन्द्रीय मंत्री कुमारी शैलजा ने भोपाल में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कुमारी शैलजा ने कहा कि मीडिया में भाजपा और सरकार द्वारा भ्रम फैलाया जा रहा है। भाजपा, आरएसएस का मानना है कि एक बात को तब तक बोलते रहो, जब तक लोग सच न मान लें। कितना भी गलत बोलेंगे लोग आखिरकार उसे सच मानने लग जाएंगे। कुछ बातें ऐसी हैं जिनको लेकर ये सालों से लगे हैं फिर भी निचोड नहीं निकल रहा। इनका प्रयास लोगों के असली मुद्दे जो आम नागरिक की जिन्दगी को छूते हैं उन सब बातों से ध्यान हटाएं। कुमारी शैलजा ने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामला देश के सामने

मौजूद ज्वलंत मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने और देश को गुमराह करने के लिए भाजपा की साजिश है। ये सरासर एक राजनीतिक प्रतिशोध है। सोनिया गांधी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ ईडी द्वारा दायर आरोपपत्र कुछ और नहीं बल्कि जनता का ध्यान बेरोजगारी, गिरती जीडीपी और सामाजिक अशांति से भटकाने, जनता को भ्रमित करने और बरगलाने के लिए गढ़ा गया एक झूठ है। शैलजा ने कहा कि आर्थिक संकट, लोगों के मुद्दों और विदेश नीति से जुड़ी चुनौतियों- अमेरिका, चीन और बांग्लादेश से ध्यान भटकाने के लिए उन्हें जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। यह कानूनी प्रतिशोध के अलावा कुछ और नहीं है।

सरकार ने ईडी को अपना विभाग बना लिया है

चुनिंदा न्याय कुछ और नहीं बल्कि राजनीतिक ठगी है। प्रवर्तन निदेशालय को जवाब देना चाहिए कि एजेंसी ने ईडी के किसी सहयोगी या भाजपा नेता को क्यों नहीं हुआ। यह बदले की राजनीति, धमकी, उत्पीडऩ और भय फैलाने की राजनीति है। हमें कितना भी चुप कराने की कोशिश करें, हम चुप नहीं होंगे। जो दूसरों को डराने की कोशिश करते हैं, वे खुद डरे हुए हैं। यह एक राजनीतिक साजिश है ।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल खंडवा में कहा

ईमानदारी से काम होता तो नदी - नाले खाली न होते

भोपाल,ईएमएस। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने एक बार फिर कहा कि मेरे पास नाली, सीसी रोड, बाउंड्री वॉल और स्टाप डैम का पैसा मांगने मत आना। इस राज्य में इतने स्टाप डैम बने है कि मप्र के प्रत्येक नदी नाले के 50 मीटर पर स्टाप डैम बन जाना था। अगर ईमानदारी से काम हुआ होता तो आज कोई नदी नाले खाली नहीं होते। ये साफ है कि जो भ्रष्टाचार करेगा, उस पर कार्रवाई भी सख्ती से होगी। सोमवार को प्रहलाद पटेल खंडवा जिले पहुंचे। जहां उन्होंने किशोर कुमार भवन में आयोजित पंच-सरपंच सम्मलेन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मेरे पास नाली का पैसा मांगने मत आना, छ्ष्ट रोड का पैसा मांगने मत आना, बाउंड्री वॉल का पैसा मांगने मत आना और स्टाप डैम का भी पैसा मांगने मत आना। उन्होंने कहा कि अगर संख्या देखी जाए तो प्रदेश में इतने स्टाप डैम बने है कि प्रत्येक नदी नाले के 50 मीटर पर स्टाप डैम बन जाना था। मंत्री ने आगे कहा कि ईमानदारी से काम हुआ हो था आज कोई नदी नाले खाली नहीं होते। सभी में पानी होता। मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि अब ग्राम पंचायतों को फंड की कोई समस्या नहीं है। मुख्यमंत्री और उनकी कैबिनेट का फोकस ग्राम पंचायतों पर है। इसलिए इस बार पंचायतों का बजट 14 सौ करोड़ से बढ़ाकर 600 करोड़ कर दिया गया है। महात्मा गांधी ने ग्राम पंचायतों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाकर पंच परमेश्वर की कल्पना की थी।

समाज कल्याण योजनाओं का सोशल ऑडिट कराएगी सरकार

फ्लैगशिप योजनाओं को मिलेगा बूस्टरडोज

भोपाल,ईएमएस। मप्र में समाज कल्याण के लिए संचालित की जा रही फ्लैगशिप योजनाओं का सोशल ऑडिट कराया जाएगा। समाज कल्याण की योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए यह सोशल ऑडिट किया जाएगा। इसके पीछे सरकार की मंशा है कि किस फ्लैगशिप योजना से जनता को अधिक लाभ मिला है उसका आकलन कर उसे बूस्ट किया जाए। ऐसी योजनाओं को सरकार और मजबूती से आगे बढ़ाएगी साथ ही इसके लिए अतिरिक्त फंड भी मुहैया कराया जाएगा। गौरतलब है कि विकास कार्यों की जांच जब किसी सरकारी एजेंसी से ना करवा कर उस विकास कार्य के लाभार्थी से ही करवाई जाए तो इसे सोशल ऑडिट कहा जाता है। दरअसल, ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाले विकास कार्यों को लेकर के अक्सर लोगों के मन में कई तरह की शंकाएं होती हैं। ये शंकाएं काम की गुणवत्ता, कार्यप्रणाली और विकास कार्यों से मानकों से जुड़ी होती हैं। इसके अलावा सरकारी विकास कार्यों में भ्रष्टाचार को लेकर सबसे ज्यादा शंका लोगों के मन में होती है। अक्सर लोगों को इन सवालों का जवाब नहीं मिल पाता है। या यूं कहें की उन्हें इसकी जानकारी नहीं होती की इस बारे में कहां से जानकारी जुटाई जाए ।

डिप्टी सीएम ने दिया आश्वासन

20 जिलों के आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारियों को 4 माह से नहीं मिली सैलरी

भोपाल,ईएमएस।

मप्र के स्वास्थ्य विभाग में आउटसोर्स और संविदा के माध्यम से करीब 32 हजार कर्मचारी अस्पतालों में सेवाएं दे रहे हैं। लेकिन विभाग से उन्हें समय पर सैलरी नहीं मिल पा रही। प्रदेश के करीब 20 जिलों में चार से महीने से कर्मचारियों को सैलरी नहीं मिली है। इस कारण कर्मचारियों में काफी नाराजगी देखी जा रही है। कर्मचारियों ने 22 अप्रैल से राजधानी भोपाल में आंदोलन की चेतावनी दी थी, लेकिन एक दिन पहले मध्य प्रदेश के स्वास्थ्य चिकित्सा मंत्री और डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों को आश्वासन दिया है कि उन्हें जल्द ही सैलरी दी जाएगी।

इसके बाद कर्मचारियों ने 22 अप्रैल को होने वाली अपनी हड़ताल को टाल दिया है, लेकिन कर्मचारियों ने कहा है कि अगर 15 दिन की भीतर उन्हें सैलरी नहीं दी जाती है तो वे हड़ताल करने को मजबूर होंगे। संघ के प्रदेशाध्यक्ष कोमल सिंह ने बताया कि प्रदेश में 32 हजार से अधिक आउटसोर्स

स्वास्थ्य कर्मचारी सपोर्ट स्टाफ, वार्ड बाय, आया, सुरक्षाकर्मी, डाटा एंट्री आपरेटर आदि के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। इनमें से कई कर्मचारी पूर्व में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संविदा पर कार्य कर चुके हैं। कई जिलों में कर्मचारियों को 4-5 माह से वेतन नहीं मिला है, जिससे उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति दयनीय हो गई है। कोमल सिंह ने कहा है कि डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही उनकी सैलरी दी जाएगी। उन्होंने कहा है कि अगर हमारी मांगे नहीं मानी गई तो वे अनिश्चिकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे ।

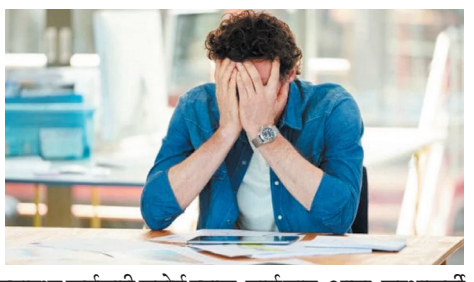

घोटाले की जांच की मांग

कोमल सिंह ने बताया कि इसके साथ ही वेतन में निर्धारित श्रमिक दरों की अनदेखी की जा रही है और कर्मचारियों के शोषण की शिकायतें सामने आई हैं। संघ ने मांग की है कि इस घोटाले की जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। ज्ञापन में नियमितीकरण, वेतनवृद्धि, महिला कर्मियों को मातृत्व अवकाश, चिकित्सा अवकाश, समान कार्य समान वेतन सहित अनेक मांगें शामिल हैं। संघ ने चेताया कि यदि तय समय-सीमा में समाधान नहीं हुआ, तो हड़ताल कर चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा।

कर्मचारियों की प्रमुख मांगें

राष्टीय स्वास्थ मिशन के अधीन पूर्व में संविदा सपोर्ट स्टॉफ कर्मचारियों के रूप में सेवाएं दे चुके कर्मचारियों को विभाग में रिक्त पदों पर नियमित किया जाए अथवा पुन: राष्टीय स्वास्थ्य मिशन के अधीन संविदा में मर्ज किया जाए। विभिन्न पदों पर सेवाएं दे रहे आउटसोर्स कर्मचारियों को विभाग में तृतीय श्रेणी एवं चतुर्थश्रेणी के रिक्त पदों पर मर्ज किया जाए।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सनत कुमार जैन के लिए सुपर प्रिन्टर्स, आर-11, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित कर हॉल नं. 07, चित्तौड़ कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : बलदेवराज गुप्त, एसोसियेट एडीटर : विनीत खरे, स्थानीय संपादक : सौरभ जैन*
फोन-0755-2572334, दिल्ली कार्यालयः "ईएमएस हाउस" यू-39-ए, शकरपुर, दिल्ली-110092. फोन नं.011-22022531 फैक्स नं. 011-22022535. ई-मेल: expressnews.advt@gmail.com (रजि न. RNI 62831/95, डाक पंजीयन सं. म.प्र./भोपाल/402/2024-26) समाचार चयन के लिए *पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।